ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कुशल शासन के माध्यम से मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र में बदला @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 15 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-164

अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर उठाए जा रहे गंभीर सवाल

विमान हादसा तोड़फोड़ की साजिश का नतीजा तो नहीं?

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद में हुए विमान हादसे को सुनियोजित साजिश के एंगल से भी जोड़ा जा रहा है। राजनीतिक दलों की तरफ से यह सवाल उठाया जा रहा है कि विमान हादसा कहीं साइबर अटैक का परिणाम तो नहीं था? बहरहाल, वैमानिकी सुरक्षा को लेकर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंत्रालय कार्यालय में आज एक उच्च स्तरीय बैठक की।

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में हादसे के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा समेत कई आला अधिकारी मौजूद थे। मीडिया को बताया गया कि दुर्घटना से पहले उस विमान ने पेरिस-दिल्ली-अहमदाबाद सेक्टर की उड़ान बिना किसी परेशानी के पूरी की थी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स की बरामदगी के बारे में बताया और कहा कि ब्लैक बॉक्स की डिकोडिंग से हादसे के कारणों की अंदरूनी जानकारी मिल सकती है। यह पता चलेगा कि दुर्घटना की प्रक्रिया के दौरान या दुर्घटना से पहले के क्षणों में वास्तव में क्या हुआ होगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने यह भी कहा कि जो भी थ्योरी इस वक्त चल रही है, जांच में उससे जुड़े हर पहलू का विश्लेषण किया जा रहा है। तीन महीने में विस्तृत रिपोर्ट जारी होगी। जांच में हादसे के अलावा

दो सांसदों और नागरिकों की तरफ से जताया जा रहा संदेह

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर विमान रखरखाव का नागरिक

उड्डयन मंत्रालय में बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक

भविष्य में ऐसी घटना न हो, इस पर भी अध्ययन किया जाएगा। विमान हादसे की जांच में अब अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) भी शामिल होगी। एनटीएसबी ने बताया कि वह विशेषज्ञों की एक टीम भारत भेज रही है, जो भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के साथ मिलकर इस गंभीर हादसे की जांच में सहयोग करेगी।

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या किसी दुश्मन देश की ओर से विमान की प्रणाली पर कोई साइबर हमला तो नहीं किया गया था? हाल ही में दुश्मनों ने अपने साइबर हमलों से भारत के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। राउत ने कहा, अहमदाबाद में उड़ान भरने के 30 सेकंड के भीतर एयर इंडिया विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना गंभीर सवाल खड़े करता है। यह संदेह देता है कि कहीं किसी दुश्मन देश की ओर से विमान की प्रणाली पर कोई साइबर हमला तो नहीं किया गया था? सांसद ने यह भी कहा कि विमान का रखरखाव अत्यंत आवश्यक होता है। अहमदाबाद में विमानों के रखरखाव का ठेका किसके पास है और उसकी जांच हुई या नहीं? इन सारे कोणों से हादसे की गहराई से जांच होनी चाहिए। संजय राउत ने हादसे पर नागरिक उड्डयन मंत्री के व्यवहार पर भी गंभीर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि विमान के मलबे पर जिस तरह से मंत्री व्यवहार कर रहे थे, वह वाकई दुखद है।

उधर, पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भी शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के बयान पर हामी भरते हुए कहा, यह चिंता और संदेह का विषय तो है ही कि विमान के दोनों इंजन एक साथ खराब हो जाएं और 30 सेकंड में यात्रियों से भरा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाए। मुझे लगता है कि इसे सिर्फ तकनीकी कारणों के नजरिए से देखना गलत होगा। इसकी जांच पूरी समग्रता और गहराई से होनी चाहिए और जांच में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी अवश्य लेना चाहिए। ▶10 पर

तिरुपति मंदिर के बाद शनि शिगणापुर मंदिर में हुई कार्रवाई

मंदिर से निकाले गए 114 मुस्लिम कर्मचारी

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर के बाद शनि शिगणापुर मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हुई। महाराष्ट्र के अहिल्या नगर (अहमदनगर) जिले में शनि शिगणापुर मंदिर ने शुक्रवार 13 जून को 167 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, जिनमें 114 मुस्लिम थे। मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि ये लोग अनुशासन नहीं मान रहे थे और कई महीनों से काम पर नहीं आ रहे थे। मंदिर ट्रस्ट का फैसला तब आया जब हिंदू संगठनों ने शनि शिगणापुर मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों के काम करे के खिलाफ 14 जून को बड़ा प्रदर्शन करने की घोषणा की थी।

ट्रस्ट ने कहा, 167 अनुशासनहीन कर्मचारी निकाले गए

इस मामले में एक वीडियो भी वायरल हो रहा था, जिसमें कई मुस्लिम कारीगर मंदिर के पवित्र चबूतरे पर काम कर रहे थे। हिंदू संगठनों ने यह सवाल उठाया था कि हिंदू मंदिर में मुस्लिम कर्मचारियों की भर्ती क्यों की गई थी?

शनि शिंगणापुर भगवान शनि का मंदिर है। यहां लाखों लोग दर्शन के लिए आते हैं। हिंदू श्रद्धालुओं के लिए तो तमाम नियम बने हैं, मसलन पुरुषों को खुले बदन प्रवेश करना और महिलाओं को सीधे दर्शन से परहेज करना वगैरह। लेकिन उसी मंदिर में बड़ी तादाद में मुस्लिम कर्मचारी काम कर रहे थे और उनका कहीं भी आना-जाना निर्बाध तरीके से होता था। मंदिर ट्रस्ट ने बढ़ते विरोध के कारण मुस्लिम कर्मचारियों समेत कई अनुशासनहीन कर्मचारियों को भी निकाला, लेकिन निष्कासन का कारण यही बताया कि वे पांच महीने से बिना बताए काम से गायब थे और काम में लापरवाही कर रहे थे। भाजपा के आध्यात्मिक मोर्चे के प्रमुख आचार्य तुषार भोसले ने इसे हिंदुओं की जीत बताया। उन्होंने कहा, हमने मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने के लिए आंदोलन किया। मंदिर प्रशासन को झुकना पड़ा। मैं सभी शनि भक्तों और हिंदू समाज को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम कर्मचारियों की मौजूदगी मंदिर की पवित्रता को नुकसान पहुंचा रही थी। उल्लेखनीय है कि जनवरी 2024 में मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला दिया था कि तमिलनाडु के हिंदू मंदिरों में गैर-हिंदू लोग कोडिमरम (झंडे वाले खंभे) से आगे नहीं जा सकते। हाईकोर्ट ने कहा था कि मंदिर हिंदुओं की पूजा के लिए हैं, और गैर-हिंदुओं का पवित्र जगहों पर जाना मंदिर की पवित्रता को नुकसान पहुंचाता है। मद्रास हाईकोर्ट का यह फैसला साफ बताता है कि मंदिरों में हिंदू परंपराओं को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

महाराष्ट्र में कई मंदिर ट्रस्ट सरकार द्वारा संचालित होते हैं। हिंदू संगठन इसका विरोध करते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि मंदिरों का पैसा धर्म और संस्कृति के लिए इस्तेमाल होना चाहिए, न कि सरकारी खर्चों में। ▶10 पर

धुबरी में मंदिर के बाहर गाय का कटा सिर फेंकने से तनाव

उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

अब तक 38 कट्टर इस्लामी उपद्रवी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 14 जून (एजेंसियां)। असम के धुबरी जिले में बांग्लादेश सीमा से सटे मुस्लिम-बहुल कस्बे में एक समूह द्वारा विवादास्पद पोस्टर लगाने और धार्मिक स्थलों के पास गोमांस के टुकड़े फेंके थे, जिसके बाद माहौल गरमा गया। हालात को काबू में करने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शूट-एट-साइट यानि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी कर दिया है। अभी तक 38 उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, नबीन बांग्ला नामक एक इस्लामी समूह ने धुबरी को बांग्लादेश में मिलाने की मांग करने वाले भड़काऊ पोस्टर लगाए थे। यह स्पष्ट रूप से राष्ट्रद्रोही और सांप्रदायिक तनाव भड़काने के इरादे से किया गया। ईद के अगले दिन, हनुमान मंदिर के सामने एक गाय का कटा हुआ सिर मिला था, जिसके बाद शहर में तनाव बढ़ गया। रात में पथराव की घटनाएं भी हुईं। मुख्यमंत्री ने इसे गंदे-हथकंडे को माहौल बिगाड़ने की साजिश बताया था। सीएम सरमा ने कहा, जो कोई भी धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाएगा या पथराव करेगा, उसे तुरंत गोली मारी जाएगी। सीएम सरमा ने यह भी घोषणा की कि वे अगले साल ईद पर खुद धुबरी में रहेंगे और जरूरत पड़ी तो मंदिर की पहरेदारी भी करेंगे। सरमा ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल से बड़ी संख्या में मवेशी अवैध रूप से धुबरी लाए गए थे। सीएम ने इसे भी तनाव की वजह बताते हुए जांच और गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। व्यापारिक और धार्मिक स्थलों पर बड़ी तादाद में सीसीटीवी लगाने का आदेश दिया गया है। सरकार जरूरतमंद मंदिरों और मस्जिदों को कैमरे मुहैया कराएगी। धुबरी जिला असम का मुस्लिम-बहुल इलाका है, जहां लगभग 90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। बांग्लादेश की सीमा से सटा होने के कारण लंबे समय से यह इलाका अवैध घुसपैठ, पहचान और राजनीतिक विवादों का केंद्र रहा है। ▶10 पर

वायुसेना प्रमुख ने बताई ऑपरेशन सिंदूर की खासियत

सेना के अद्वितीय पराक्रम का उदाहरण

हैदराबाद, 14 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की खासियत बताई। हैदराबाद के डुंडीगल वायुसेना अकादमी में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वायुसेना के अद्वितीय पराक्रम का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुश्मन पर सटीक और निर्णायक प्रहार करने की भारतीय वायुसेना की क्षमता को प्रदर्शित किया है। डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने सशस्त्र बलों के बीच असाधारण समन्वय, तालमेल और एकीकरण को प्रदर्शित किया है। फ्लाइंग अधिकारी सेवा में आगे बढ़ने के साथ-साथ एकजुटता की भावना को आगे बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय वायु सेना के अद्वितीय पराक्रम का एक शानदार उदाहरण है। इसे वायु सेना के भविष्य के रूप में आपको समझना होगा कि वायु सेना हमेशा से ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली रही है और रहेगी। भारत के प्रत्येक नागरिक द्वारा भारतीय वायु सेना पर जताए गए विश्वास पर खरा उतरना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और हमें इसके लिए तैयार रहना चाहिए। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया। भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 14 सैन्य ठिकानों को ध्वस्त कर दिए। इससे घबराए पाकिस्तान ने भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, 10 मई को दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू किया।

मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने की कवायद जारी

हथियारों का भयानक जखीरा बरामद

इंफाल, 14 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने की कवायद जारी है। सुरक्षाबलों ने अपना अभियान जारी रखते हुए हथियारों का भयानक जखीरा बरामद किया है। बरामद किए गए हथियारों में 300 से अधिक राइफलें, हजारों गोलियां, ग्रेनेड और डेटोनेटर शामिल हैं। पुलिस प्रशासन ने कहा लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की साथ ही यह भी कहा कि पुलिस प्रशासन अपना अभियान नहीं रोकेगा।

मणिपुर पुलिस और सुरक्षाबलों ने बीती रात को पांच जिलों में एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। इस ऑपरेशन में 328 से ज्यादा खतरनाक हथियार और हजारों राउंड गोलियां बरामद की गईं। बरामद हथियारों में 151 सेल्फ लोडिंग राइफलें (एसएलआर), 65 इंसास राइफलें, 73 सामान्य राइफलें, 12 लाइट मशीन गन (एलएमजी), 6 एके-47 राइफलें, एमपी-5 गन, मोर्टार, कार्बाइन, पिस्टल और कई दूसरे हथियार शामिल हैं। इसके अलावा हजारों गोलियां, ग्रेनेड और डेटोनेटर भी मिले हैं। पुलिस को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ इलाकों में भारी मात्रा में हथियार छिपाए गए हैं। इसके बाद ही पुलिस, सेना, सीएपीएफ और असम राइफल्स की टीमों ने एक साथ छापेमारी की।

पुलिस ने कहा है कि मणिपुर में शांति बनाए रखना प्राथमिकता है और आम लोगों से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत दें। सुरक्षा एजेंसियां अब ऐसे ऑपरेशन लगातार चलाती रहेंगी ताकि राज्य में हालात फिर सामान्य हो सके।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,118.60
-573.38 -0.70% ↓
एनएसई :24,718.60
-169.60 (-0.68%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 22°

सियासी बिसात पर मोदी का अगला तुरुप का पत्ता तैयार

2029 चुनाव तक लागू हो जाएगा 33% महिला आरक्षण

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। मोदी सरकार 2029 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण लागू कर सकती है। सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिसके तहत अगले चुनाव में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की जाएंगी।

जनगणना की घोषणा हो चुकी है और उसके बाद अन्य कदम उठाए जाएंगे। महिला आरक्षण विधेयक परिसीमन प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। भाजपा का लक्ष्य अगले चुनाव में इसे लागू करना है। संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 के अनुसार, सितंबर 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों का आरक्षण अधिनियम के अधिनियमन के बाद आयोजित पहली जनगणना के आंकड़ों के आधार पर परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद प्रभावी होगा। सरकार ने घोषणा की है कि जाति गणना के साथ-साथ जनगणना के लिए आंकड़े एकत्र करने की प्रक्रिया

अगले साल शुरू होगी और इससे 1 मार्च, 2027 तक देश की जनसंख्या का एक स्नैपशॉट मिलेगा। अगले लोकसभा चुनावों में महिला आरक्षण को वास्तविकता बनाने के लिए समय रहते परिसीमन पूरा करना होगा ताकि भारत के चुनाव आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों के नए परिसीमन के आधार पर 2029 के चुनाव कराए जा सकें। जनगणना के आंकड़े परिसीमन के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आंकड़े उपलब्ध होने के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों को पुनः समायोजित करने और उनकी क्षेत्रीय सीमाओं को पुनः निर्धारित करने की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है।

दक्षिणी राज्यों में इस बात को लेकर चिंता है कि परिसीमन के कारण एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य के संवैधानिक सिद्धांत के अनुरूप लोकसभा में विभिन्न राज्यों को आवंटित सीटों का अनुपात बदल जाएगा, जिससे उत्तरी राज्यों की सीटों में उछाल आएगा, जहां 1971 के बाद से जनसंख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, तथा दक्षिणी राज्यों का सापेक्षिक महत्व कम हो जाएगा, जहां इसी अवधि में जनसंख्या दर धीमी रही है। वरिष्ठ मंत्रियों ने कहा है कि दक्षिणी राज्यों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं का समाधान किया जाएगा तथा शिकायतों के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी जाएगी।

अगली जनगणना के बाद परिसीमन के लिए संसद को परिसीमन अधिनियम पारित करना होगा, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

अमेरिका ने आर्मी डे पर पाक सेवा प्रमुख को नहीं बुलाया -USA

शुभ लाभ DAILY

श्री राम कथा श्रवण अमृत रसपान के समान : जगद्गुरु रामभद्राचार्य महाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राम परिवार दुर्गा पूजा समिति बेंगलूरु द्वारा शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन गेट नंबर 9 में आयोजित नौदिवसीय श्री राम कथा के पांचवें दिन जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि श्री राम कथा श्रवण अमृत रसपान के समान है। उन्होंने राजा जनक द्वारा अपनी पुत्री सीता के विवाह के लिए शिव धनुष भंग करने की प्रतिज्ञा एवं सीता स्वयंवर की कथा सुनाते हुए कथा क्रम को आगे बढ़ाया। संत रामभद्राचार्य ने कहा जनकनंदिनी सीता एक दिन महल में खेलते-खेलते यज्ञशाला में पहुँच गयी, जहाँ भगवान शिव द्वारा प्रदान किया गया धनुष रखा हुआ था। उन्होंने पिता से उस धनुष के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि यह धनुष उनके पूर्वज को स्वयं भगवान शिव ने दिया था। यह धनुष इतना भारी है कि इसे देव, दानव, किन्नर, गंधर्व कोई भी नहीं उठा सकता तो किसी मनुष्य के लिए इसे उठाना तो दूर हिला पाना भी संभव नहीं है। इसलिए यह यहाँ इस हालत में पड़ा है। तब माता सीता ने उस धनुष को अपने बाएं हाथ से उठा लिया। उसी समय वहाँ परशुराम जी आते हैं। उन्होंने महाराज जनक से कहा कि यह कोई साधारण कन्या नहीं है। आप यह प्रतिज्ञा कीजिए कि जो इस शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ सीता का विवाह करेंगे।

एक कर आते और धनुष को उठाना तो दूर हिला भी नहीं पाते, निराश होकर लौट जाते। सीता जी इस बात को लेकर चिन्तित हैं कि श्रीराम जी स्वयंवर में कैसे आएंगे। पिता दशरथ या गुरुजनों की आज्ञा के बिना तो वे आएंगे नहीं। वह दुग्धमती नदी के तट पर बैठकर बालू से श्रीराम जी की प्रतिमा बनाती हैं और उसका पूजन करती हैं। उसी समय वहाँ आकाशमार्ग से वीणा बजाते हुए और नारायण नारायण का गान करते हुए देवर्षि नारद पहुँच गए। माता सीता ने नारद जी को प्रणाम किया और नारद ने माता सीता को। सीता जी ने उनसे कहा कि कोई ऐसा उपाय करिए कि मेरे स्वयंवर में राघव जी आ जाएं। उनको अयोध्या से लाए कौन। सीता जी ने उनसे कहा कि महाराज जनक ने यह प्रतिज्ञा कर ली और अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर की घोषणा करवा दी। इस स्वयंवर का कार्यक्रम एक वर्ष का होगा। स्वयंवर में देवता भी दानव भी आए किन्नर भी आए नाग भी आए। सातों द्वीपों के राजा आए। रावण भी आया। एक

मैं आपको रामरक्षा के पांच श्लोक बताती हूँ और आप जाकर इसे शंकर जी को बताइए। उन्होंने ऐसा ही किया। भगवान शंकर ने नारद जी से कहा कि मैं विश्वामित्र को सपने में यह रामरक्षा सुनाता हूँ। विश्वामित्र को रामरक्षा मिलते ही मनोरथ मिल जाएगा और वह अयोध्या जाकर अपने यज्ञ की रक्षा के लिए राम-लक्ष्मण को लेकर आएंगे। मनोरथ मिलते ही विश्वामित्र अयोध्या पहुँच गये। उन्होंने महाराज दशरथ से यज्ञ की रक्षा के लिये श्री राम को उनके साथ भेजने का आग्रह किया। पहले तो महाराज दशरथ ने मना किया किंतु बाद में गुरु वशिष्ठ के समझाने पर राजी हो गए। उन्होंने राम और लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज दिया। आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण करते हुए गुरु चरणों की विरुदावलि की तथा श्री तुलसी पीठ चित्रकूट के सेवा प्रकल्पों के बारे में जानकारी दी। मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव, सह यजमान राजू सुथार परिवार तथा अन्य भक्तों ने कथा पूजन में भाग लिया। कथा में पारीक समाज के पूर्व अध्यक्ष सुरेश पारीक, अजय पांडेय, अंजू पांडेय, प्रदीप तिवारी सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर सह यजमान सुनील बजाज, विश्व शांति सेवा समिति के संजय अग्रवाल, संजय चतुर्वेदी, श्री राम परिवार के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सहसचिव राजू शुक्ला तथा एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, सचिव संजय अग्रवाल सहित विभिन्न समाजों के अनेक अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी सचिव अजय प्रकाश पाण्डेय ने दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री ऋषभाद्री डॉ राजकुमार ट्रस्ट द्वारा कामाक्षीपाल्या में अन्नम्मा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। ट्रस्ट के विराज एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। *विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित 'लक्ष्य वृक्ष' अभियान के तहत पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा की गई। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, प्रदेश उपाध्यक्ष मुरुगेश निरानी, प्रदेश उपाध्यक्ष मालविका अविनाश, विधायक बसवराज मत्तीमुडा, डॉ. शैलेन्द्र, विधान परिषद सदस्य शशिल नमोशी, पूर्व विधान परिषद सदस्य अमरनाथ पाटिल, पूर्व विधायक अप्पू पाटिल, जिला अध्यक्ष चंदू पाटिल और पार्टी के अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।*

प्रज्ञा संगीत सुधा गीत संग्रह पुस्तिका का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी के 29वें महाप्रयाण दिवस के विशेष अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद्, बेंगलूरु की प्रतिष्ठित भजन मंडली सरगम विजेता प्रज्ञा संगीत सुधा द्वारा संकलित प्रज्ञा संगीत सुधा का विमोचन आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी एवं नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी के पावन सान्निध्य में शांतिनगर में संपन्न हुआ। डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा इस भक्ति संग्रह में भजन, गुरुभक्ति, जैन दर्शन तथा जीवन-मूल्य आधारित गीतों का सुंदर समावेश किया गया है, जो आत्मिक ऊर्जा का संचार करेगा। समारोह में सरगम विजेता मंडली द्वारा गुरुदेव तुलसी को गीतिका के माध्यम से अभिव्यक्ति दी गई,

जिसने उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने कहा गुरुदेव का पुण्य प्रताप है कि इस पुस्तक का विमोचन मेरे कार्यकाल में संपन्न हुआ। यह मेरा परम सौभाग्य है कि मुनि का सान्निध्य प्राप्त हुआ। इस पुस्तक का विमोचन सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, उपासक डालमचंद नौलखा, अभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोकरणा, मंत्री राकेश चोरड़िया एवं संपूर्ण प्रबंध मंडल, प्रज्ञा संगीत सुधा के गायक कलाकार, परिषद् साथीगण, महिला मंडल अध्यक्षा ऋजु डूंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती, अणुव्रत समिति के नव-निर्वाचित प्रबंध मंडल एवं श्रद्धालुजनों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंच संचालन करते हुए संयोजक रोहित कोठारी ने पूर्व संयोजकों एवं वर्तमान सदस्यों के श्रम का उल्लेख कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व रक्तदान दिवस के एक दिन पूर्व तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा यूएसडीसी प्रोजेक्ट कार्यालय जैन यूनिवर्सिटी जे पी नगर एवं यू एस डी सी कार्यालय हाई स्ट्रीट जयनगर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। f शविर की शुरुआत सामूहिक नवकार महामंत्र के जाप के साथ हुई। शिविर ने जे पी नगर स्थित कार्यालय में कुल 32 यूनिट रक्त एवं जयनगर कार्यालय में 12 यूनिट रक्त प्राप्त हुए। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी दान दाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप द्वारा दिया गया रक्त किसी के लिए जीवन दान बन सकता है। यू एस डी सी प्रोजेक्ट से राजीव ने उनके परिसर में आके रक्तदान शिविर का आयोजन करने पर तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर का धन्यवाद व्यक्त किया। इस कार्य में एटीडीसी के राष्ट्रीय सह प्रभारी डॉ. आलोक छाजेड़ का विशेष सहयोग रहा। शिविर में निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, मंत्री सुपार्श पटावरी, सह मंत्री श्रेयांश बैंगानी, संगठन मंत्री संदीप बैद, कार्यसमिति सदस्य समीक दुगड़ ने अपने समय का विसर्जन कर उपस्थिति दर्ज करवाई।

श्री ब्यावर संघ बेंगलूरु का स्नेह मिलन आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ बेंगलूरु का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह रविवार को एक रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा और महामंत्री अरविन्द कोठारी ने बताया कि बेंगलूरु में ब्यावर शहर के प्रवासी संघ में करीब साढे पांच सौ परिवार जुड़े हुए हैं।

युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस स्नेह मिलन में सभी परिवारों के सदस्य आपस में पारस्परिक मेल-जोल बढ़ाते हुए मिलते हैं।

इस हेतु शहर के अनेक उपनगरों से रिसॉर्ट पहुंचने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने बताया कि इस स्नेह मिलन में संघ के सभी सदस्यों को जोड़ते हुए एक वेब डायरेक्टरी जैन डायरेक्ट के सहयोग से बनाई गई है और उसमें सभी सदस्यों को जोड़ा जा रहा है। स्नेह मिलन में एन्कर बिन्दु मेहता द्वारा अनेक गेम्स और प्रतियोगिताएं खिलाई जाएगी। जिसमें अनेक गिफ्ट प्रदान किए जाएंगे। स्नेह मिलन के मुख्य लाभार्थी गुमान चंद पदमचंद बोहरा परिवार, सह लाभार्थी जुगराज अनिल कुमार कोठारी परिवार, लाभार्थी सो-हनराज संजय कुमार राठौड परिवार और सहयोगी में कार्यकारिणी सदस्य और सलाहकार सदस्य होंगे। स्नेह मिलन कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में चेयरमैन अरविन्द खिंवेसरा के साथ श्री ब्यावर संघ युवा शाखा और महिला विंग द्वारा सहयोग प्राप्त हो रहा है।

नेशनल ऑनलाइन डिजिनरी वर्कशॉप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग, बेंगलूरु साउथ ने एपेक्स बॉडी और चेन्नई चैप्टर के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित 40 दिवसीय नेशनल ऑनलाइन डिजिनरी वर्कशॉप का सफल आयोजन किया।

ज़ूम प्लेटफ़ॉर्म पर आयोजित इस वर्कशॉप के माध्यम से 333 सदस्यों को आधुनिक डिजिटल युग के महत्वपूर्ण टूल्स और ट्रेंड्स की जानकारी दी गई।

समापन समारोह एक सुव्यवस्थित वर्चुअल कार्यक्रम रहा, जिसका संचालन प्रियंका जैन, कन्वीनर, जेएलडब्ल्यू डिजिनरी एपेक्स ने बहुत ही सुचारू ढंग से किया और अतिथियों का सुंदर परिचय देते हुए कार्यक्रम को गरिमामयी रूप दिया। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ कि चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी प्रतिभागियों, प्रशिक्षकों और मेहमानों का हार्दिक स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने इस ज्ञानवर्धक पहल का हिस्सा बनने पर गर्व व्यक्त किया और सभी की लगन की सराहना की। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में अद्यतन रहना अत्यंत आवश्यक है और इस वर्कशॉप ने सभी को सशक्त करने का कार्य किया है। 13 सत्रों में आयोजित इस वर्कशॉप में निम्न विषयों को शामिल किया गया, जिसमें एआई का परिचय, कंटेंट मार्केटिंग रणनीतियाँ, कैनवा डिजाइन, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की मार्केटिंग, ईमेल मार्केटिंग, गूगल एवं मेटा विज्ञापन और प्रैक्टिकल असाइनमेंट्स के साथ लाइव इम्प्लीमेंटेशन शामिल था।

मुख्य प्रशिक्षक ऋषभ पटवारी ने अपने अनुभवों और व्यावहारिक उदाहरणों से प्रतिभागियों को विषय की गहराई से अवगत कराया। उनकी शैली रोचक और प्रेरणादायक रही। उनका मूल मंत्र था, सिर्फ सीखो नहीं, लागू करो और आगे बढ़ो। इस वर्कशॉप के कन्वीनर चंद्रा जैन ने समापन समारोह में प्रतिभागियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन किया, जिसमें उन्होंने स्पष्टता और उत्साहपूर्वक सभी सवालों के जवाब दिए और प्रतिभागियों को आगे भी सीखते रहने हेतु प्रेरित किया। समारोह के दौरान प्रतिभागियों ने फीडबैक और प्रशंसापत्रों के माध्यम से इस यात्रा की उपयोगिता को रेखांकित किया। सभी ने विषयों की प्रासंगिकता, प्रस्तुति की सरलता और लागू करने में सहजता की भरपूर सराहना की। निधि पालरेचा ने आभार जताया। उन्होंने आयोजन टीम, प्रशिक्षक, प्रतिभागियों और एपेक्स लीडरशिप का आभार व्यक्त करते हुए इस डिजिटल सशक्तिकरण यात्रा की सफलता के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

नारायणपुर जलाशय में जलस्तर बढ़ा

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। भारी बारिश के कारण नारायणपुर जलाशय में आवक बढ़ गई है और कृष्णा नदी का पानी चरणों में छोड़ा जा रहा है। जिले में कृष्णा नदी बेसिन के लोगों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने एहतियातन नदी बेसिन में न जाने का आदेश जारी किया है। वर्तमान में जलाशय से 7 गेटों के माध्यम से कृष्णा नदी में 29,226 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। नारायणपुर जलाशय में 30,000 क्यूसेक आवक है और यह 85.41 प्रतिशत भरा हुआ है। अधिकतम स्तर 492.25 मीटर से 491.15 मीटर पर पहुंच गया है। 33.313 टीएमसी क्षमता वाले जलाशय में 28.45 टीएमसी पानी संग्रहित किया गया है। आवक बढ़ने पर कृष्णा नदी में और पानी छोड़े जाने की संभावना के कारण रायचूर जिला प्रशासन ने लोगों को अपने पशुओं के साथ नदी के पास न जाने की चेतावनी दी है।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 180 लोगों ने कराई आँखों की जांच

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में भामाशाह कानसिंह राजपुरोहित की स्मृति में समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित की ओर से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कोयम्बत्तूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. समीक्षा मोदी और डॉ. कस्तूरी डाबले ने सेवाएं दी। राजपुरोहित ने बताया कि शिविर में 180 लोगों ने अपनी आँखों की जांच करवाई। जिसमें 55 लोगों को परामर्श के बाद चिन्हित कर ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र अस्पताल भेजा गया। उन्होंने कहा गत दो वर्षों से

निरंतर प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आँखों की दृष्टि समस्याओं को ठीक करने या सुधारने के लिए चिकित्सकिय परामर्श के बाद ऑपरेशन किया जाता है। विभिन्न प्रकार की स्थितियों जैसे कि मोतिया बिंद, ग्लूकोमा, रेटिनाइटिस पिगमेंटोसा और अपवर्तक आदि त्रुटियों के लिए, आँखों के ऑपरेशन किए जाते है। धुंधले लेंस को हटाकर उसकी जगह कृत्रिम लेंस लगाया जाता है। किसी को निकट दृष्टि, दूर दृष्टि समेत अन्य समस्या रहती है। आंखों में दबाव बढ़ जाता है और इस दबाव को कम करने के लिए ग्लूकोमा सर्जरी की जाती है। शिविर की व्यवस्थाएं विजयकांत बी. ने संभाली। इस मौके पर गवरीदेवी-कानसिंह सिया, राजेश सिंह, संतोष कंवर, वन्या कंवर, विराट सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बाबेल बने अध्यक्ष कांसवा बने मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत समिति बेंगलूरु का शपथ ग्रहण समारोह मुनि पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। अध्यक्ष दे-वराज रायसोनी ने नवमनोनित अध्यक्ष ललित बाबेल को संविधान और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

तत्पश्चात अध्यक्ष ललित बाबेल ने अपने प्रबुद्धमंडल की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष बीजी चंद्रशेखरैय्या, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मांडोत, मंत्री लाभेश कांसवा एवं सलाहकार के रूप में कन्हैयालाल चिप्पड़, माणक चंद मुथा, प्रकाश बाबेल एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में विपिन पितलिया, विकास जैन, महावीर सालेचा को गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुनि ने नवगठित टीम के लिए मंगलकामना करते हुए गुरुदेव तुलसी के अवधानों को जन जन तक प्रचार हो ऐसा आशीर्वचन प्रदान किया।

हवाई जहाज हादसे में हताहतों को श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के सदस्यों की ओर से अहमदाबाद के प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि अहमदाबाद के प्लेन

क्रैश में मारे गए लोगों की आत्मा की शान्ति के लिए, गायत्री मंत्र, नवकार महामंत्र का जाप करके दो मिनट मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। हमारा जीवन कितना क्षणभंगुर है कि सिर्फ 40 सेकंड के अंदर ही इतने लोगों की जाने चली गई और अनेकों घायल हो गए। अध्यक्ष विशाल बरन्दानी के साथ उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष उदेश पुरोहित, सह कोषाध्यक्ष रविन्द्र पुरोहित, रिशीराज सिंह, विशाल बोहरा, विनोद पुरोहित, अनिल पुरोहित, श्रीजीत मेनन, कान्ति लाल पुरोहित, दिलीप माली, नरेश जैन के साथ अनेक सदस्यों ने नम आंखों से श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कुशल शासन के माध्यम से मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र में बदला: बी.वाई. विजयेंद्र

उपलब्धियों पर आधारित फिल्म प्रदर्शनी का शुभारंभ

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान बड़े-बड़े घोटाले हुए। फिर एनडीए के दौर में इस देश का भविष्य उज्ज्वल है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने साबित कर दिया है कि भारत में भ्रष्टाचार मुक्त शासन देना संभव है।

यहां मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह विश्वास दिलाया है कि भारत अन्य विकसित देशों की श्रेणी में पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की 11 साल की सरकार ने साहसिक फैसले लिए हैं और भारत का मजबूती से नेतृत्व किया है तथा देश के लोगों को खुशियां दी हैं। प्रधानमंत्री भारत का नेतृत्व इस तरह से कर रहे हैं कि यह विश्वास जगे कि यह देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी ने पिछले 11 सालों में ऐसा सुशासन दिया है जो स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। यह शुभ अवसर है जब लगातार तीसरी बार सरकार ने 11 साल पूरे किए हैं। मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने कहा

कि इससे पहले भी उन्होंने मुख्यमंत्री के तौर पर काम किया है और अपना अनुभव प्राप्त किया है। मोदी का प्रशासन आंतरिक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की महानता का प्रमाण है। 10-15 साल पहले देश आतंकवादी गतिविधियों से दहल उठा था। नक्सलवाद का कहर देश के कई राज्यों में फैल गया था और देश में अस्थिरता का माहौल था। बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि दुनिया को भारत पर भरोसा नहीं था। नरेंद्र मोदी और देश के लौह पुरुष कहे जाने वाले अमित शाह के साहसिक फैसले से नक्सलवाद को लगभग कबायलीपन की हद तक उखाड़ फेंकना संभव हो पाया है। अनुच्छेद 370 को हटाकर जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने की स्थिति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि लाखों पर्यटक वहां जा रहे हैं।

2014 में स्थिति यह थी कि मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार लगातार घोटालों में उलझी रही। 2जी घोटाला, कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाला और हाउसिंग घोटाला समेत 12 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के घोटाले यूपीए सरकार के दौरान इस देश में हुए। उन्होंने बताया कि युवाओं का भारत के विकास पर से भरोसा उठ गया था। उन्होंने विश्लेषण किया कि देश की जनता इस नतीजे पर पहुंच गई है कि वे भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की उम्मीद नहीं कर सकते। अहमदाबाद विमान हादसा बहुत दुखद है। हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। ब्लैक बॉक्स भी मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में राजनीति करना ठीक नहीं है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 11 साल की उपलब्धियों पर आधारित फिल्म प्रदर्शनी का कलबुर्गी स्थित भाजपा जिला कार्यालय में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र, विधान परिषद में विपक्ष के उपनेता सुनील, विधायक बसवराज, पूर्व विधायक अमरनाथ पाटिल समेत कई नेता मौजूद थे। बाद में प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

जाति सर्वेक्षण कराने का अधिकार केंद्र सरकार के पास: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि 14वें वित्त आयोग की तुलना में 15वें वित्त आयोग में राज्य को केंद्र से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक मिलेंगे। सीएम सिद्धरामैया राजनीतिक रूप से केंद्र सरकार के खिलाफ बोल रहे हैं, क्योंकि वह गारंटी योजना के लिए धन आवंटित नहीं कर सके। मीडिया से बात करते हुए

उन्होंने कहा कि सीएम सिद्धरामैया ने कुछ भी नया नहीं कहा है और पहले भी कई बार झूठ बोल चुके हैं। अब उन्होंने फिर वही बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय अनुदान को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया था। उन्होंने इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि की है। सिद्धरामैया इसे जानते हैं और इसे छिपा रहे हैं। हमारी मांग है कि इसे 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया जाना चाहिए। जब 14वें वित्त आयोग की बैठक हुई, तो वहां कांग्रेस के पांच मंत्री मौजूद थे और उन्होंने उन पर राज्य की ओर से ठीक से बहस किए बिना अपनी गलतियों को छिपाने के लिए इस तरह की बात करने का आरोप लगाया। 14वें वित्त आयोग की तुलना में 15वें वित्त आयोग में राज्य को केंद्र से एक लाख करोड़ रुपये अधिक मिलेंगे। 14वें वित्त आयोग जितना पैसा राज्य को पहले ही मिल चुका है। इसमें दो साल और लगेंगे। सीएम सिद्धरामैया गारंटी योजना के लिए पैसा आवंटित न कर पाने को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक हमला बोल रहे हैं। यूपीए काल में राज्य की रेलवे परियोजना को 700 करोड़ रुपये मिले थे। इस साल केंद्र सरकार ने 7700 करोड़ रुपये दिए हैं, लेकिन राज्य सरकार इसके लिए मैचिंग ग्रांट नहीं दे पा रही है। केंद्र सरकार स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और सड़क समेत कई परियोजनाओं के लिए भी फंड मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस बारे में नहीं बताएगी। जाति सर्वेक्षण कराने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। मुख्यमंत्री लगातार पिछड़े वर्ग के लोगों की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। वे दस साल तक सीएम रहे, तब उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया। जाति सर्वेक्षण के मुद्दे पर सीएम काफी मुश्किलों में थे। आलाकमान ने उन्हें इससे बचा रखा है। हालांकि उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कराया गया जातिगत सर्वेक्षण अंतिम है। ईरान पर इजरायल का हमला चौंकाने वाला है, अमेरिका ने इस पर आपात बैठक भी की है। एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है, जिसका दुनिया पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी नेताओं को युद्ध रोकने के प्रयास करने चाहिए।

तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक में मानसून पहुंचा

अगले 3 दिनों तक भारी बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश तट पर है। यह मलनाड और उत्तरी कर्नाटक में प्रचंड रूप ले रहा है, जिससे कई स्थानों पर भारी बारिश हो रही है। दक्षिणी आंतरिक भागों में छिटपुट बारिश हुई है, और अगले तीन दिनों तक बारिश इसी तरह जारी रहेगी। मौसम विभाग ने उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, कोडागु, चिक्कमंगलूरु और शिवमोग्गा जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

बेलगावी, धारवाड़, हावेरी और हासन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। राज्य में पिछले एक सप्ताह से मानसून सक्रिय है, और बारिश की मात्रा में वृद्धि हुई है। शुक्रवार को अगुम्बे में 11 सेमी भारी बारिश हुई। मौसम विभाग, बेंगलूरु क्षेत्रीय केंद्र की जानकारी के अनुसार, मेंगलूरु में 9 सेमी, उडुपी में 8 सेमी, उप्पिनंगडी, गेरुसोप्पा, भटकल, पनम्बूर, बसवनगुडी, बेलटांगडी में 7 सेमी बारिश हुई। दक्षिण कर्नाटक, उत्तर कर्नाटक और कल्याण कर्नाटक में मध्यम बारिश हुई। चक्रवात बनने के कारण राज्य में बादल छाए रहेंगे और अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना है। बेंगलूरु के आसपास के जिलों में बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर ठंडी से तेज हवाएं चलेंगी। कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

आग में दो दुकानें और मालवाहक वाहन जलकर खाक

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु शहर के घंटाघर के पास शनिवार सुबह भीषण आग लग गई, जिसमें दो दुकानें और एक मालवाहक वाहन जलकर खाक हो गए। सुबह हुई इस घटना के बारे में संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। आग की चपेट में एक कपड़ा दुकान और एक कबाड़ की दुकान पूरी तरह आ गई, साथ ही पास में खड़ी एक मालवाहक गाड़ी भी जलकर खाक हो गई। सूचना मिलने पर पांडेश्वर और कादरी फायर स्टेशनों से दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में कई लाख रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई।

पुलिस स्टेशनों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में सभी परिवारों से जानकारी एकत्र करने का निर्देश

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने सुझाव दिया है कि पुलिस थानों में ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जिससे उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों या शहरों के हर घर का डेटा संग्रहित किया जा सके। उडुपी जिले के दौरे के दौरान उन्होंने कोटा पुलिस थाने का दौरा किया। वहां उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और पुलिसकर्मियों के प्रदर्शन की समीक्षा की। इस दौरान पश्चिमी क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमित सिंह, उडुपी जिला पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर व अन्य मौजूद थे। इस दौरान गृहमंत्री ने सवाल किया कि क्या पुलिस थाने के पास उनके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हर घर का डेटा है। जब अधिकारियों ने कहा कि ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई है, तो उन्होंने कहा ऐसा कदम

उठाया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में 30 गांव आते हैं, तो संबंधित गांवों में प्रत्येक घर का मुखिया कौन है, वहां कितने लोग हैं, उनका व्यवसाय और पृष्ठभूमि क्या है, इसकी जानकारी एकत्र की जानी चाहिए। जब अधिकारियों ने बताया कि नक्सल विरोधी बल ने पहले भी इस तरह का डेटा एकत्र किया है, तो मंत्री ने उन्हें इसका उपयोग करके सत्यापन करने का निर्देश दिया। इस दौरान मंत्री परमेश्वर ने थाने में आने वाले लोगों और शिकायत दर्ज कराने वालों की सूचना पुस्तिका स्वयं देखी। उसमें से दो लोगों को चुना और थाने के कर्मचारियों के मोबाइल से कॉल करके उनसे बात की। मंत्री ने कृष्णमूर्ति नामक व्यक्ति से बात की तो उसने बताया कि वह ऑटो में आया था और ड्राइवर ने मीटर चालू नहीं किया था। उसने 80 रुपए मांगे थे। जब उससे पूछताछ की तो वह 20 लोगों को लेकर आया और उसे धमकाया। पुलिस को ऐसे मामलों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्हें 20 लोगों के समूह के नेताओं को बुलाकर चेतावनी देनी चाहिए। अन्यथा यह छोटी सी घटना भविष्य में नफरत का कारण बनेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे हत्या और भीड़ हिंसा भड़केगी। मंत्री ने शिकायत दर्ज कराने वाली एक अन्य महिला से भी बात की। उसने अपनी पारिवारिक समस्याओं के बारे में बताया कि उसका पति उसके घर आया था और बच्चे को ले जाने के लिए हंगामा कर रहा था और उसने उससे तलाक की अर्जी भी दायर की है। महिला ने अनुरोध किया कि वह उसे परेशान करना बंद करे। मंत्री ने इस संबंध में कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि घरेलू हिंसा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। शिकायतकर्ता से स्पष्ट जानकारी मिलने के बाद गश्ती कर्मियों को 2-3 दिन तक मामले की निगरानी करनी चाहिए। यदि उसका पति वापस आता है और उसके साथ दुर्व्यवहार, मारपीट या धमकी देता पाया जाता है, तो कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि अनदेखी की गई, तो यह गंभीर मामलों और यहां तक कि हत्या तक का कारण बन सकता है। पुलिस कर्मियों से चर्चा के दौरान उन्होंने पूछा कि उन्हें सेवा में आए कितना समय हो गया है। जब एक कांस्टेबल ने कहा कि 17 साल हो गए हैं, तो मंत्री ने पूछा कि उन्हें अब तक पदोन्नति क्यों नहीं दी गई। थाने के कर्मचारी अच्छा काम कर रहे हैं। साथ ही मंत्री ने कर्मचारियों और अधिकारियों को निर्देश दिया कि एहतियाती उपाय जरूरी हैं।

बाढ़ के दौरान अपने घर में फंसी एक वृद्ध महिला को बचाया

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और पुलिस कर्मियों ने शनिवार को विजयपुरा जिले के बसवाना बागेवाड़ी में शहर में बाढ़ के दौरान अपने घर में फंसी एक वृद्ध महिला को बचाया। भारी बारिश के बाद शहर के बाहरी इलाके लक्ष्मी नगर इलाके में पानी घुसने पर 75 वर्षीय गौरवा भुटर अपने घर में फंस गई थीं। बुजुर्ग महिला अकेली थीं, क्योंकि उनके बच्चे काम पर गए थे और पोते-पोतियां स्कूल गए थे। पुलिस और एसडीआरएफ ने महिला को बचाया और उसे सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। कॉलोनियों में पानी घुसने के बाद घरों के निवासी अपने घरों से बाहर निकल आए। अधिकारियों ने कहा कि जल्द ही जल स्तर कम होने की उम्मीद है।

भगदड़ के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए जाति जनगणना का प्रस्ताव

केंद्र को बदनाम करने की कोशिश कर रहे सीएम सिद्धरामैया: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने आपत्ति जताई है कि मुख्यमंत्री ने दिल्ली में बैठकर केंद्र को बदनाम करने की कोशिश की है। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बड़ा फैसला लिया है और 16वें वित्त आयोग की बैठक में हिस्सा लिया है। उन्होंने राज्य की ओर से विचार-विमर्श करने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने इस बात की ओर ध्यान आकर्षित किया कि उन्होंने वित्त आयोग की बैठक में हिस्सा लिया और वित्तीय मुद्दे उठाए और कहा कि उन्हें ठीक किया जाना चाहिए।

दिल्ली की बैठक में उनका हिस्सा लेना स्वागत योग्य है। हालांकि, अगर आप मुख्यमंत्री को देखें तो यह पाप जैसा लगता है। गारंटी के कार्यान्वयन के लिए धन जुटाना संभव नहीं है। राज्य में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। इसलिए वे केंद्र पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया

कि कर्नाटक 100 रुपए देता है तो केवल 13 रुपए मिलते हैं। उन्होंने कहा कि वे आधा सच बोल रहे हैं। प्राप्त राशि का राज्य में सही तरीके से उपयोग नहीं हो रहा है। वे केंद्र सरकार की योजनाओं में कटौती कर रहे हैं। कुल मिलाकर राज्य सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए केंद्र पर आर-ोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि इनमें से कुछ भी सच नहीं है। जाति जनगणना मुद्दा पर राज्य सरकार करीब 3 महीने पहले हमारे संघर्षों को लेकर शर्मिंदा थी। उस समय सिद्धरामैया ने कहा था कि वे कांताराजू रिपोर्ट को लागू करेंगे।

उन्होंने कहा कि वे इसे अगली कैबिनेट बैठक में पेश करेंगे। 4-5 कैबिनेट बैठकों के बावजूद इसे लागू नहीं किया गया। 10 साल बीत चुके हैं, आंकड़े अवैज्ञानिक हैं, जल्दबाजी में ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। हर चीज पर चर्चा हो चुकी है। इसे नए सिरे से करने की जरूरत है। कांग्रेस के डी.के. शिवकुमार समेत मंत्रियों ने भी इसका विरोध जताया था। इस बीच अब उन्हें ज्ञान हो गया है। जब आरसीबी की जीत की भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, तो अब उन्होंने विषय को भटकाने के लिए जाति जनगणना का मुद्दा उठाया है। आखिरकार, वे इस बारे में कुछ नहीं कर सकते। केंद्र ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह जनसंख्या जनगणना और जाति जनगणना कराएगा। इस बात पर संदेह बढ़ रहा है कि जाति जनगणना राज्य सरकार के दायरे में आती है या नहीं।

वे भ्रम पैदा करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। राज्य सरकार-सिद्धरामैया के पास इसे तार्किक निष्कर्ष पर ले जाने का मन नहीं है। हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, भाजपा कार्यकर्ताओं को डराने की साजिश की जा रही है। इससे पहले, हमने अपने पार्टी नेताओं के साथ दक्षिण कन्नड़ का दौरा किया। हमने वहां के जिला मजिस्ट्रेट, कमिश्नर और एसपी से मुलाकात की। यह कोई सांप्रदायिक दमन दल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दल का गठन हिंदुओं को निशाना बनाने और भाजपा कार्यकर्ताओं को डराने की साजिश है। हम इसमें से किसी के आगे नहीं झुकेंगे। उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार इस तरह की दमनकारी रणनीति को अंजाम दे रही है, और हम इसका सामना करेंगे।

ईदगाह मैदान की दीवार ढहाई गई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

हुब्बल्ली में कित्तूर चेन्नम्मा सर्किल के पास ईदगाह मैदान की दीवार को शुक्रवार देर रात एक त्वरित कार्रवाई में ढहा दिया गया, ताकि चल रहे फ्लाईओवर निर्माण के लिए रास्ता बनाया जा सके। यह भूमि हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम (एचडीएमसी) की है। केसी सर्किल के पास फ्लाईओवर के काम के हिस्से के रूप में, लोक निर्माण विभाग (एनएच डिवीजन) ने अधिसूचित किया था कि ईदगाह मैदान की भूमि के एक हिस्से की आवश्यकता है। यह जानकारी आधिकारिक तौर पर हुब्बल्ली अंजुमन-ए-इस्लाम के साथ साझा की गई थी।

सभी आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, शुक्रवार रात को कड़ी पुलिस सुरक्षा के तहत ध्वस्तीकरण किया गया। लोहे के बैरिकेड और कंक्रीट की नींव को अर्थमूवर का उपयोग करके हटा दिया गया। काम के दौरान इसे बचाने के लिए मैदान के बीच में केंद्रीय ईदगाह संरचना को धातु की चादरों से ढक दिया गया था। सुरक्षा उपाय के रूप में क्षेत्र के चारों ओर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया था। सूत्रों ने बताया कि केसी सर्किल के पास दिन में ट्रैफिक जाम से बचने के लिए रात में तोड़फोड़ की गई। चूंकि अंजुमन-ए-इस्लाम को पहले ही सूचित कर दिया गया था, इसलिए काम का कोई विरोध नहीं हुआ।

क्षेत्रीय घटनाओं के आधार पर विशेष कार्रवाई बल का गठन किया गया: गृह मंत्री

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बताने का कोई इरादा नहीं

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि तटीय क्षेत्र में हुई और हो रही घटनाओं के आधार पर विशेष कार्रवाई बल (एसएएफ) का गठन किया गया था। तटीय क्षेत्र में एसएएफ के गठन पर विपक्षी नेताओं की आलोचना का जवाब देते हुए डॉ. परमेश्वर ने कहा कुछ भाजपा नेताओं ने उडुपी सहित एसएएफ के गठन पर आपत्ति जताई है। लेकिन इस बल की स्थापना क्षेत्र में हुई विशिष्ट घटनाओं के जवाब में की गई थी। किसी भी जिले को सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील बताने का कोई इरादा नहीं था। वास्तव में, मैंने लगातार कहा है कि ऐसी स्थिति पैदा नहीं होनी चाहिए। मैंने यहां तक अपील की है कि टास्क फोर्स का आदर्श रूप से उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। यदि कोई सांप्रदायिक अशांति नहीं होती है, तो बल अनावश्यक हो जाता है। अंततः यह लोगों पर निर्भर करता है कि वे तय करें कि इसकी उपस्थिति उचित है या नहीं। यदि इसकी आवश्यकता नहीं है, तो यह अपने आप में प्रचलित सांप्रदायिक सद्भाव का सकारात्मक संकेत है। इससे किसी भी क्षेत्र की गरिमा को प्रभावित करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। डॉ. परमेश्वर ने कहा उदाहरण के लिए, हमने नक्सल-संबंधी हत्याओं के जवाब में करकला क्षेत्र में एएनएफ (नक्सल-विरोधी बल) मुख्यालय स्थापित किया। क्या इससे उडुपी की गरिमा किसी भी तरह से कम हुई? क्या एएनएफ की मौजूदगी से क्षेत्र का कद कम हुआ? सिर्फ पुलिस की मौजूदगी का मतलब यह नहीं है कि किसी जगह की गरिमा से समझौता हो गया है। पुलिस आयुक्त दक्षिण कन्नड़ की देखरेख करते हैं और महानिरीक्षक तीन जिलों की निगरानी करते हैं – इनमें से कोई भी किसी क्षेत्र की गरिमा को प्रभावित नहीं करता है। उन्होंने जाति जनगणना के मुद्दे को भी संबोधित किया और पुष्टि की कि राज्य सरकार ने नए सिरे से गणना करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कई समुदायों और संगठनों ने पिछली जाति जनगणना के आंकड़ों की सटीकता पर असंतोष व्यक्त किया था। उन्होंने कहा पिछली जाति जनगणना लगभग दस साल पुरानी है और तब से लगभग 1.5 करोड़ लोग आबादी में जुड़ चुके हैं। जनता की चिंताओं और सुझावों पर विचार करने के बाद, सरकार ने वैज्ञानिक आधार पर नई जाति जनगणना करने का फैसला किया है। इस प्रक्रिया में नई जोड़ी गई आबादी को शामिल किया जाएगा। डॉ. परमेश्वर ने आगे स्पष्ट किया कि पहले के जाति सर्वेक्षण से कांताराजू और हेगड़े की रिपोर्ट को खारिज नहीं किया जाएगा, बल्कि उसकी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा केंद्र सरकार के विपरीत, जो केवल सामान्य जनगणना करती है, राज्य विभिन्न समुदायों की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थितियों को समझने के लिए एक कदम आगे बढ़ रहा है। इससे पहले कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में कानून और व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए गृह मंत्री डॉ जी परमेश्वर ने शुक्रवार को विशेष कार्रवाई बल (एसएएफ) का उद्घाटन किया – जो देश में अपनी तरह की पहली पहल है। नवगठित एसएएफ तीन जिलों उडुपी, शिवमोग्गा और दक्षिण कन्नड़ में काम करेगा। बल में कुल 258 कर्मी शामिल हैं, जिन्हें तीन कंपनियों में बांटा गया है – तीन जिलों के लिए एक-एक – और प्रत्येक में 78 अधिकारी हैं। एसएएफ में डीआईजीपी, एसपी, डीवाईएसपी, सहायक कमांडेंट, पीआई, आरपीआई, पीएसआई, एसआई, सीएचसी, सीपीसी और एपीसी सहित विभिन्न रैंक के अधिकारी शामिल होंगे, जो सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक मजबूत बहु-स्तरीय प्रतिक्रिया प्रणाली सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ जी परमेश्वर ने कहा कि यह पहल न केवल सुरक्षा को बढ़ाएगी बल्कि अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल के रूप में भी काम करेगी। उन्होंने आगे कहा जब मेंगलूरु में पुलिस कमिश्नर के पद पर कुलदीप जैन थे, तब मैंने सांप्रदायिकता विरोधी विंग बनाने की योजना की घोषणा की थी। कुछ हद तक कुलदीप जैन स्थिति को नियंत्रण में लाने में सफल रहे। हालांकि, दक्षिण कन्नड़ के लोगों की मानसिकता और कार्य संस्कृति अलग है, जो समृद्ध परंपरा में निहित है। फिर भी, सांप्रदायिक घृणा जिले की शांति और सद्भाव को खतरे में डाल रही है, और दूसरों तक फैलने की संभावना है। इसलिए, हमने सांप्रदायिक घृणा को रोकने और जिले में शांति बहाल करने के लिए एक विशेष कार्रवाई बल स्थापित करने का फैसला किया है।

258 कर्मियों वाले एक विशेष कार्रवाई बल का गठन

डॉ. परमेश्वर ने आगे बताया, हमने 258 कर्मियों वाले एक विशेष कार्रवाई बल का गठन किया है, जो नक्सल विरोधी बल के बराबर है। इस बल की प्राथमिक जिम्मेदारी जिले में शांति बनाए रखना है। पहले, हमने शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने का प्रयास करते हुए अधिक उदार दृष्टिकोण अपनाया था। दुर्भाग्य से, कुछ तत्वों ने इन प्रयासों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण सांप्रदायिक तनाव को सीधे संबोधित करने के लिए विशेष कार्रवाई बल का गठन किया गया। लोगों को शांति बनाए रखने में मदद करने के लिए सहयोग करना चाहिए, क्योंकि कम व्यवधान का मतलब विशेष कार्रवाई बल के लिए कम काम होगा। वर्तमान में, बल को तीन जिलों को सौंपा गया है, लेकिन यदि आवश्यक हो तो हम इसे अन्य जिलों में भी विस्तारित करने के लिए तैयार हैं।

सामुदायिक चिंताओं के प्रति यू टी खादर के दृष्टिकोण से असंतोष बढ़ रहा

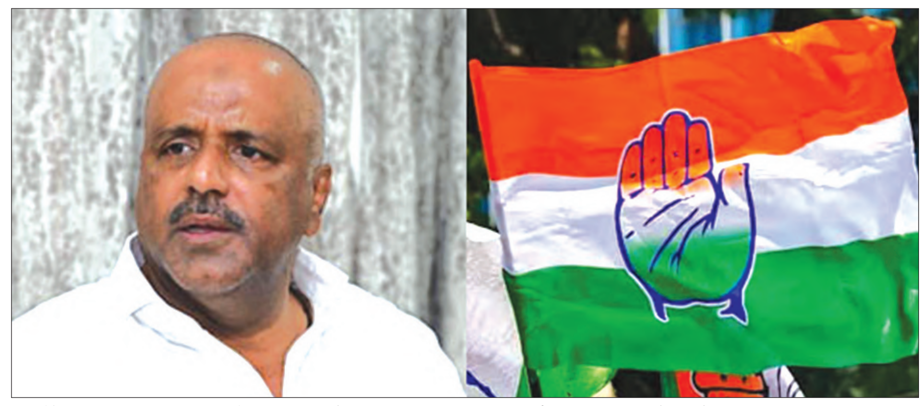

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोगों और समुदाय के नेताओं का कहना है कि यू टी खादर उनकी चिंताओं पर पर्याप्त रूप से प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के अनुसार, खादर को पूरा भरोसा है कि उन्हें मुसलमानों और ईसाइयों दोनों से वोट मिलेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि उनके पास कोई और व्यवहार्य विकल्प नहीं है। नतीजतन, वे और उनके करीबी सहयोगी समुदाय के मुद्दों को हल्के में लेते दिख रहे हैं। दूसरा, स्थानीय नेताओं का एक समूह – जिनमें से कई ने कांग्रेस के लिए जमीनी स्तर पर काम नहीं किया है – कथित तौर पर कांग्रेस नेतृत्व और यू टी खादर दोनों को गुमराह कर रहा है। लोगों ने यह भी देखा कि यू टी खादर के करीबी लोग व्यवसाय में शामिल हैं, खासकर रियल एस्टेट में, और भाजपा और एसडीपीआई नेताओं के साथ संबंध बनाए हुए हैं। यह आरोप लगाया जाता है कि भाजपा और एसडीपीआई कार्यकर्ता बिना देरी के अपनी परियोजनाओं और फाइलों को मंजूरी दिलाने में सक्षम हैं, जबकि वास्तविक कांग्रेस कार्यकर्ताओं और मुस्लिम समुदाय के सदस्यों को यू टी खादर और उनके कार्यालय द्वारा पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कथित तौर पर उल्लाल निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के अपने नेता के बारे में मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष को गंभीरता से ले रही है, क्योंकि हाल की घटनाओं और प्रशासनिक लापरवाही के कारण समर्थन में स्पष्ट कमी आई है। पिछले मानसून के मौसम में, उल्लाल में एक दुखद घटना हुई थी, जिसमें एक छोटी लड़की की घर पर दीवार गिरने से मौत हो गई थी। इस साल, इसी तरह की एक और आपदा ने एक छोटी लड़की की जान ले ली और बुजुर्ग महिलाओं की भी मौत हो गई, जिससे लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। प्रभावित परिवारों में से कई मुस्लिम समुदाय के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से हैं, जो खतरनाक इलाकों में रहते हैं, जहां घर पहाड़ियों या अस्थिर संरचनाओं के पास बने हैं। पर्यवेक्षकों का कहना है कि जबकि अन्य लोगों ने इन क्षेत्रों की भेद्यता को स्वीकार किया है, स्थानीय नेतृत्व सक्रिय रूप से कार्य करने में विफल रहा है। मानसून से पहले पुनर्वास या सुरक्षित आवास के वादे न तो किए गए और न ही पूरे किए गए। पिछले साल की घातक घटना एक चेतावनी के रूप में काम करनी चाहिए थी, लेकिन प्रतिक्रिया केवल संवेदना व्यक्त करने और घटनास्थल से चले जाने तक सीमित थी – बिना किसी दीर्घकालिक शमन उपायों के। इससे स्थानीय लोगों में यह धारणा और मजबूत हुई है कि ठोस कार्रवाई की जगह प्रतीकात्मक दौरे ने ले ली है। बढ़ते मोहभंग में यह आरोप भी शामिल है कि उनके विधायक राजनीतिक रूप से सुविधाजनक फैसले लेने में लगे हुए हैं – करीबी सहयोगियों के लिए तबादले और लाभ का पक्ष लेते हुए, जबकि समुदाय के कई लोग उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। आलोचक पार्टी के अंदरूनी घटनाक्रमों की ओर इशारा करते हैं, जहां मंत्री पद के विरोध को दरकिनार कर संवैधानिक पद देकर, प्रदर्शन के बजाय उच्च-स्तरीय वफादारी का हवाला दिया गया। मेंगलूरु और आसपास के इलाकों में, कई मुस्लिम परिवार कथित तौर पर संकट के समय में खुद को अकेला महसूस करते हैं, हाल की त्रासदियों को लगातार निगरानी विफलताओं का नतीजा मानते हैं। केपीसीसी को कई शिकायतें सौंपी गई हैं, जो व्यापक असंतोष को दर्शाती हैं। जिले भर में नेता के परिवार की कार्रवाइयों और प्रभाव की भी जांच की गई है, यहां तक कि गैर-मुस्लिम मतदाताओं और पुलिस परिवारों के सदस्यों में भी असंतोष सामने आया है।

शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने कानून एवं व्यवस्था के मुद्दों पर सख्त कार्रवाई का किया आह्वान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस आयुक्त कार्यालय में प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पश्चिमी रेंज के चार जिलों में कानून-व्यवस्था पर ध्यान केंद्रित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न मोर्चों पर कड़े कदम उठाने के निर्देश जारी किए। नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे को संबोधित करते हुए, अधिकारियों को ड्रग नेटवर्क पर निगरानी बढ़ाने और तस्करों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। यातायात नियमों के बढ़ते उल्लंघन, खासकर 18 साल से कम उम्र के नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों के बारे में भी चिंता जताई गई, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर घातक दुर्घटनाएं होती हैं। अधिकारियों को ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रवर्तन कार्रवाई के साथ-साथ जागरूकता अभियान चलाने के लिए कहा गया।

बैठक में महिलाओं, बच्चों और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यों के खिलाफ अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता पर जोर दिया गया। पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि आरोपी व्यक्ति न्याय से बच न सकें और दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए अदालत में मजबूत सबूत पेश करें। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों को शिकायत लेकर थाने आने वाले शिकायतकर्ताओं की बात सुनने और उनकी सुरक्षा करने के लिए याद दिलाया गया। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक डॉ एम ए सलीम ने की। पुलिस महानिरीक्षक (पश्चिमी रेंज) अमित सिंह, मेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी, डीसीपी सिद्धार्थ गोयल, दक्षिण कन्नड़ एसपी डॉ अरुण के, चिक्कमगलूरु एसपी विक्रम आमटे, उत्तर कन्नड़ एसपी नारायण और उडुपी एसपी हरिराम शंकर भी उपस्थित थे।

कैंसर पीड़ित बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय शुरू करने की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने कहा कि कैंसर से पीड़ित छात्रों को उपचार के साथ-साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए शहर के किदवई अस्पताल के पास एक आवासीय विद्यालय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राज्य भर में 3,500 बच्चे कैंसर से पीड़ित हैं और यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि वे सीखने के अवसर से वंचित न रहें। कैंसर एक ऐसी स्वास्थ्य समस्या है जिसका इलाज संभव है। बीमारी के चपेट में आते ही कई बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री बनने के बाद से ही वे गुणवत्ता, समानता और सुलभता को उच्च प्राथमिकता दे रहे हैं और कैंसर के कारण बच्चों के लिए शिक्षा कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। हमने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को किदवई के पास जगह तलाशने के लिए पहले ही सूचित कर दिया है। अगर हमें अपने विभाग से 3 एकड़ जमीन मिल जाती है, तो हम इस साल जुलाई से ही स्कूल शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सभी आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया है। बच्चों की पढ़ाई को सुविधाजनक बनाने के लिए स्कूल, उसके बगल में छात्रावास होगा और अभिभावकों को 5 से 6 साल के बच्चों की देखभाल करनी होगी। इसके लिए इस स्कूल में अलग से भवन समेत सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। साथ ही अस्पताल और स्कूल को मिनी बस जैसी वाहन व्यवस्था भी मुहैया कराई जाएगी। इस प्रोजेक्ट की रिपोर्ट कैंसर से पीड़ित और इलाज कराकर ठीक हो चुके लोगों ने तैयार की है। स्कूल को सभी तरह की सुविधाओं के साथ शुरू किया जाएगा। शुरुआत में अगर खुद का भवन नहीं है या भवन बनाना संभव नहीं है तो किराए के भवन में स्कूल शुरू किया जाएगा। शुरुआत में स्कूल को 10वीं कक्षा तक चलाया जाएगा। जरूरत पड़ी तो इसका विस्तार भी किया जाएगा। स्वास्थ्य समस्याओं के लिए इलाज बहुत जरूरी है। इसलिए किदवई अस्पताल के पास स्कूल शुरू करने की योजना है। आने वाले दिनों में अन्य जगहों पर भी इस तरह के स्कूल शुरू करने की योजना है। पहले चरण में डेढ़ हजार बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय शुरू किया जाएगा। इसके लिए सीएसआर फंड का इस्तेमाल किया जाएगा। हमने डॉ. राजकुमार के भाई वरदराजू के पोते-पोतियों का भी इस तरह की स्वास्थ्य समस्या के लिए इलाज किया है।

उन्हें इसकी कठिनाइयों का पता है। नए स्कूल के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सामान्य शिक्षा के अलावा छात्रों के साथ निकटता से बातचीत करने के लिए सुसज्जित किया जाएगा। शिक्षा मंत्री बनने के बाद उनके मन में कुछ नया करने का विचार आया। उन्होंने कहा कि इसी वजह से कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए बोर्डिंग स्कूल की स्थापना की जा रही है। सरकारी स्कूलों में केवल कन्नड़ माध्यम से पढ़ाई होने के कारण छात्रों की संख्या में काफी कमी आ रही है। इसे ठीक करने के लिए द्विभाषी माध्यम लागू किया जा रहा है। छात्र और अभिभावक अपनी सुविधानुसार माध्यम चुन सकते हैं। इस उपाय से आने वाले दिनों में सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कुछ स्कूलों में छात्रों की कमी है, ऐसे स्कूलों के छात्रों और शिक्षकों को पास के स्कूलों में आवंटित किया जाएगा।

स्थानांतरित होने वाले और समय बर्बाद करने वाले अधिकारियों को आने वाले दिनों में उनके संबंधित क्षेत्राधिकार के खराब स्कूलों का प्रभार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उस स्कूल के नतीजे सुधरने चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ट्रांसफर किए गए शिक्षकों को वापस शिक्षण कार्य पर लगाया जाएगा। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने 50 हजार शिक्षकों को प्रशिक्षित करने की अपील की है। शिक्षा विभाग अच्छे शिक्षकों द्वारा शिक्षण उपलब्ध कराने के लिए यूट्यूब चैनल शुरू कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे राज्य के सात-आठ हिस्सों में अपने स्टूडियो शुरू करेंगे।

19 जून को कर्नाटक कैबिनेट की बैठक की मेजबानी के लिए नंदी हिल्स तैयार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरुवासियों के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में से एक, नंदी हिल्स, अपने निचले हिस्से से लेकर शिखर तक, नागरिक कार्यों, पेड़ों की छंटाई, आसपास के सौंदर्यीकरण और बहुत कुछ के साथ व्यस्त है, क्योंकि यह 19 जून को कर्नाटक कैबिनेट की बैठक की मेजबानी के लिए तैयार है। कई विभागों के प्रतिनिधि पहाड़ी पर तैयारी करने में व्यस्त हैं। लोक निर्माण विभाग की एक टीम पहाड़ी की ओर जाने वाली सड़क पर कंधे बनाने का काम कर रही थी। बागवानी विभाग के कर्मचारी एक रेस्तरां के सामने बिछाने के लिए प्राकृतिक लॉन लाने में व्यस्त थे। बागवानी विभाग के एक अधिकारी ने कहा माले महादेश्वर हिल्स पर आयोजित कैबिनेट बैठक के बाद, अब नंदी हिल्स की बारी है कि वह राज्य कैबिनेट की मेजबानी करे। हमने वन विभाग से भी अनुरोध किया है कि वे यहां बड़ी संख्या में बंदरों को परेशान किए बिना उन्हें नियंत्रित करें। 1986 में, दूसरा

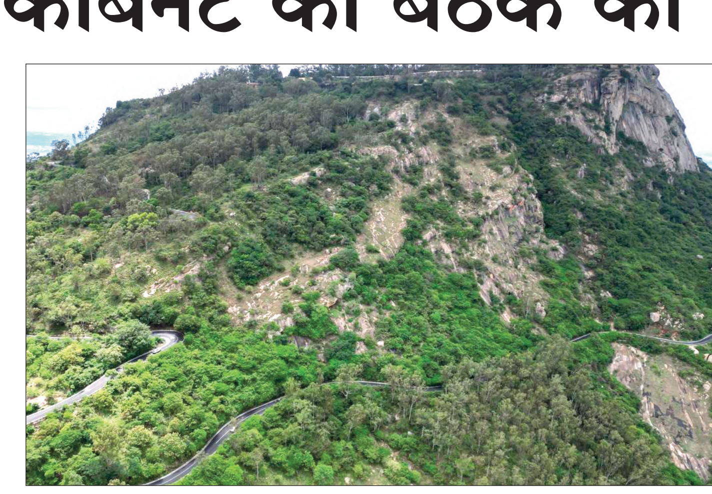

सार्क शिखर सम्मेलन, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने भाग लिया था, नंदी हिल्स पर नेहरू निलय में आयोजित किया गया था।

उस समय बंदरों को नियंत्रित करना भी एक बहुत बड़ा काम था। 19 जून को कैबिनेट की बैठक कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम (केएसटीडीसी) के मयूरा पाइन टॉप रेस्तरां में आयोजित की जाएगी। रेस्तरां का पूरा कायाकल्प किया जा रहा है। वॉशरूम से लेकर एयर कंडीशनिंग सिस्टम तक सब कुछ ठीक किया जा रहा था। मयूरा पाइन टॉप के प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा हम अपने बुनियादी ढांचे को उन्नत कर रहे हैं।

यह केएसटीडीसी के लिए एक मील का पत्थर होगा क्योंकि हम अपनी संपत्ति पर राज्य कैबिनेट की बैठक आयोजित करेंगे।

हम मीडिया और किसी भी अन्य आधिकारिक काम के लिए निर्बाध लाइव स्ट्रीमिंग सुनिश्चित करने के लिए अपने वाई-फाई की बैंडविड्थ भी बढ़ा रहे हैं।

बैठक के लिए तैयार किए जा रहे हॉल में मंत्री बैठेंगे, जबकि विशेष ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों, निजी सहायकों और अन्य लोगों के लिए अलग-अलग स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे। रेस्टोरेंट के ग्राउंड फ्लोर पर बने हॉल से चिक्कबल्लापुर शहर का नजारा साफ दिखाई देता है। चिक्कबल्लापुर में कैबिनेट की बैठक होने से जिले के लिए बड़ी घोषणाओं की काफी उम्मीदें हैं।

आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर पर कार्रवाई

एनआईए ने पांच स्थानों से आतंकियों को दबोचा

भोपाल, 14 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और राजस्थान के झालावाड़ में कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) से जुड़े एक साजिश के मामले में कई लोगों को दबोचा है, जिनके तार आतंकवादियों के साथ जुड़े हुए हैं।

एनआईए की ओर से बताया गया कि भारत में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे विभिन्न आतंकवादी और कट्टरपंथी नेटवर्क और संगठनों को नष्ट करने के अपने प्रयासों के तहत एनआईए ने एक मामला दर्ज किया था। यह मामला कमजोर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने की एचयूटी की साजिश से संबंधित है। युवाओं को भारत की लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने

और शरिया कानून द्वारा शासित इस्लामिक राज्य की स्थापना करने के लिए हिंसा फैलाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। एनआईए मामले में अपनी जांच जारी रखे हुई है।

उक्त जांच प्रतिबंधित संगठन इस्लामिक संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) की साजिश, जिसमें कि कमजोर मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने की दिशा में कार्य किया गया से संबंधित है। इसी के लिए भोपाल में तीन और राजस्थान के झालावाड़ में दो स्थानों पर गहन तलाशी ली गई। जिसमें कि एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान डिजिटल उपकरण जब्त किए, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

मामले में ज्ञात हुआ है कि एनआईए की ये पूरी कार्रवाई मध्य प्रदेश एटीएस की मदद से की गई है, जिसमें कि भोपाल के अशोका गार्डन क्षेत्र से मोहसिन नाम के युवक को हिरासत में लिया गया था। एटीएस और एनआईए टीम द्वारा जब पकड़े गए मोहसिन से सख्त पूछताछ की गई तो तमाम नाम सामने आए, जो केंद्र की मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के साथ ही भारत में शरिया कानून द्वारा शासित इस्लामिक राज्य की स्थापना करने के लिए हिंसा फैलाने के कार्य में संलिप्त हैं। उसके बाद योजना से एनआईए ने इन सभी को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की, जिसके तहत आज शनिवार को मप्र एवं राजस्थान दोनों राज्यों में धरपकड़ की गई।

उल्लेखनीय है कि भोपाल में मोहसिन खान को पिछले सप्ताह पकड़ा गया था और तब से लगातार उससे पूछताछ एवं अन्य आतंकी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की जा रही थी। न्यायालय द्वारा उसे कोर्ट में प्रस्तुत कर 16 जून तक रिमांड पर लिया गया है। फिलहाल मप्र के अलावा राजस्थान में झालावाड़ जिले के मनोहरथाना कस्बे में एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस की सहायता लेते हुए काजी चौक जामा मस्जिद के पास दबिश दी है और एक कपड़ा व्यापारी की दुकान और घर दोनों पर छापामार कार्रवाई की गई है। इस संबंध में झालावाड़ पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि एनआईए टीम की ओर से सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस को उनके साथ मौके पर कार्रवाई के लिए भेजा गया था, जिसमें कि संदिग्धोंथ पर कार्रवाई की गई।

एक्सिओम -4 मिशन का प्रक्षेपण 19 जून को

चेन्नई, 14 जून (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुभांशु शुक्ला के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रक्षेपण अब 19 जून को होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि फाल्कन नौ प्रक्षेपण यान में तरल आक्सीजन रिसाव (एलओएक्स रिसाव) की गड़बड़ी को सफलतापूर्वक ठीक कर लिया गया है।।

इस बीच केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा ''भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ले जाने वाले एक्सि-ओम-4 मिशन की प्रक्षेपण तिथि को फिलहाल 19 जून के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।''

उधर एक्सिओम स्पेस ने बताया कि वे लोग अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ज़्वेज़्दा सर्विस मॉड्यूल में दबाव विसंगति का आकलन करने के लिए नासा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एक्सि-ओम स्पेस अब एक्स-04 मिशन के प्रक्षेपण के लिए 19 जून को लक्ष्य बना रहा है।

गौरतलब है कि यह मिशन मूल रूप से 29 मई को प्रक्षेपित होना था लेकिन क्रू ड्रैगन मॉड्यूल के विद्युत हार्नेस में गड़बड़ी के कारण इसे आठ जून तक के लिए टाल दिया गया था।

प्रक्षेपण के लिए फाल्कन नौ प्रक्षेपण वाहन की तैयारी में देरी के कारण प्रक्षेपण को फिर नौ जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। बाद में प्रतिकूल मौसम के कारण प्रक्षेपण की तारीख दस जून कर दी गयी जिसे फिर 11 जून के लिये पुनर्निर्धारित किया गया। अब हालांकि प्रक्षेपण की संशोधित तिथि 19 जून तय की गयी है।

नीट यूजी 2025 का परिणाम घोषित

12.36 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी हुए उत्तीर्ण

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को अंडरग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 का परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित कर दिया, जिसमें 12.36 लाख से अधिक अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं।

इस साल राजस्थान के महेश कुमार ने 99.99 परसेंटाइल हासिल कर टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया है। वहीं, मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया को दूसरा स्थान और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी को तीसरा स्थान मिला है। लड़कियों में अविका अग्रवाल ने सबसे ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं।

एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के लिए ने सभी श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर भी जारी किया है। इस वर्ष सामान्य और ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों के लिए कटऑफ स्कोर 686 से 144 के बीच निर्धारित किया गया है। वहीं, सामान्य/ आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग, दिव्यांग वर्ग के

उम्मीदवारों के लिए यह कटऑफ स्कोर 143 से 127 के बीच है। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणियों के लिए कटऑफ स्कोर 143 से 113 के बीच निर्धारित है।

उल्लेखनीय है कि नीट-यूजी 2025 की परीक्षा चार मई को आयोजित की गई थी। परीक्षाएं देश के 552 शहरों के 5468 केंद्रों पर 13 भाषाओं में आयोजित हुई थी। देश के बाहर यह परीक्षा 14 शहरों में आयोजित की गयी जिसमें आबू धाबी, दुबई, बैंकॉक, कोलंबो, दोहा, काठमांडू, कुआलालंपुर, कुवैत सिटी, लागोस, मनामा, मस्कट, रियाद, शारजाह और सिंगापुर शामिल हैं।

इस वर्ष 22 लाख 76 हजार 069 अभ्यर्थियों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था जबकि कुल 22 लाख नौ हजार 318 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए और 12 लाख 36 हजार 531 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए।

पिछले वर्ष नीट-यूजी 2024 में 24 लाख छह हजार 079 विद्यार्थी ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था जबकि कुल 23 लाख 33 हजार 162 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे और 13 लाख 15 हजार 853 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए थे।

इस वर्ष अनारक्षित श्रेणी के 689366, अनुसूचित जाति के 333646, अनुसूचित जनजाति के 150224, अन्य पिछड़ा वर्ग के 948507, ईडब्लूएस के 154326 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छात्रों की संख्या 965996 और छात्राओं की संख्या 1310062 रही। इस वर्ष की परीक्षा में 939 विदेशी अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया जबकि 11 उभयलिंगी (थर्ड जेंडर) शामिल हुए।

इजराइल-ईरान की लड़ाई में फंसे जम्मू कश्मीर के 1300 छात्र

जम्मू कश्मीर के कई घरों में संशय और चिंता का माहौल

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 जून। इजराइल-ईरान की लड़ाई में करीब 1300 जम्मू कश्मीर के छात्र भी फंसे हुए हैं। उनकी सलामती को लेकर जम्मू कश्मीर के कई घरों में चिंता और संशय का माहौल है। परिजन लगातार केंद्र सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि उन्हें वहां से निकाला जाए। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला भी इसके प्रति गुहार लगा रहे हैं।

ईरान और इजराइल के बीच लगातार बढ़ते युद्ध जैसे हालात के बीच भारत में चिंता की लहर दौड़ गई है। खासतौर पर जम्मू कश्मीर से ताल्लुक रखने वाले छात्रों के परिवारों में बेचैनी बढ़ गई है, जो फिलहाल इरान में पढ़ाई कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विदेश मंत्रालय से अपील की कि वह ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

उन्होंने विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया है कि इरान में फंसे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा तत्काल सुनिश्चित की जाए। उनके परिवार बहुत चिंतित हैं और हम इस कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं।

हमारे छात्रों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठाया जाना चाहिए।

कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) ने भी केंद्र सरकार से अपील की है कि ईरान में फंसे छात्रों को जल्द से जल्द भारत लाया जाए।

ये छात्र पेशेवर शिक्षा, विशेष रूप से एमबीबीएस की पढ़ाई करने के लिए ईरान गए थे। छात्र संघ के अनुसार कई कालेज सैन्य ठिकानों के नजदीक हैं, जहां हमलों का खतरा ज्यादा है। गुरुवार रात से हमलों और सायरनों की आवाजें छात्रों को सोने नहीं दे रही हैं। छात्रों ने कहा कि वे पूरी तरह असहाय महसूस कर रहे हैं, और परिवार वाले भारत में लगातार खबरों से बेचैन हैं। कई लोगों ने बताया कि हम बहुत डरे हुए हैं। हमारे माता-पिता घर पर बहुत चिंतित हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने इस मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान में फारूक अब्दुल्ला ने इजराइल और ईरान से संयम बरतने और तनाव को बातचीत के जरिए हल करने की अपील की। उन्होंने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से आग्रह किया कि ईरान में पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

अधिकारियों ने कहा कि एसोसिएशन को सूचित किया गया था कि कई छात्र ऐसे कालेजों और विश्वविद्यालयों में नामांकित हैं जो महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों और रणनीतिक स्थलों के बेहद करीब स्थित हैं। वे लगातार हवाई हमलों, वायु रक्षा सायरन और उनके आसपास बढ़ती सैन्य गतिविधियों की आवाजें सुन रहे हैं। कल रात से, स्थिति तेजी से बिगड़ गई है। कुछ छात्र ऐसे शहरों में भी हैं जहां सीधे इजराइली हवाई हमलों की सूचना मिली है। छात्र डरे हुए हैं और पूरी तरह से असहाय महसूस कर रहे है।

संघ का कहना था कि तत्काल जोखिम और बढ़ते मनोवैज्ञानिक नुकसान को देखते हुए, हम आपके सम्मानित कार्यालय से इन छात्रों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्काल उपाय शुरू करने का आग्रह करते हैं।

हम विदेश मंत्रालय से अनुरोध करते हैं कि वह ईरान में भारतीय छात्रों और ते-हरान में भारतीय दूतावास के बीच समर्पित और उत्तरदायी संचार लाइनें स्थापित करे, और सत्यापित जानकारी, आपातकालीन दिशा-निर्देश और अपडेट प्रसारित करें।

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच भारत ने नई एडवाइजरी जारी की

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल में संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बीच, इजरायल स्थित भारतीय दूतावास ने देश में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए शनिवार को नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी की।

किसी भी आपात स्थिति में दूतावास के टेलीफोन नंबर +972-54-7520711 और +972-54-3278392, या ईमेल लेपी1.ींशश्ररींळींशर.सीीं.ळप पर संपर्क करने की सलाह दी है।

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट में कहा गया है कि क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए इजरायल में सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और इजरायली अधिकारियों तथा होम फ्रंट कमांड की ओर से जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है।

परामर्श में भारतीय नागरिकों से सावधानी बरतने, देश के भीतर सभी अनावश्यक यात्राओं से बचने तथा निर्दिष्ट सुरक्षा आश्रयों के निकट रहने का आग्रह किया गया है।

इसमें कहा गया है, हम भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सहित उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। इससे पहले शुक्रवार को इजरायल के

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें ईरान के खिलाफ इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के सैन्य अभियान शुरू करने के बाद विकसित स्थिति के बारे में जानकारी दी।

फोन कॉल के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का फोन आया। उन्होंने मुझे हालात के बारे में जानकारी दी। मैंने भारत की चिंताओं को साझा किया और क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी सहित विश्व के नेताओं से बात की।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कल रात से जर्मन चांसलर, भारतीय प्रधानमंत्री और फ्रांसीसी राष्ट्रपति सहित विश्व नेताओं के साथ बातचीत की है। प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप, रूसी राष्ट्रपति (ब्लादिमीर) पुतिन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री से भी बात करेंगे।

इसमें कहा गया है, नेताओं ने ईरान के विनाश के खतरे के मद्देनजर इजरायल की रक्षा जरूरतों के प्रति समझ दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह आने वाले दिनों में उनके साथ संपर्क में बने रहेंगे।

इससे पहले शुक्रवार को नेतन्याहू ने आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' शुरू करने की घोषणा की जो इजरायल की सुरक्षा के लिए ईरान के परमाणु खतरे को खत्म करने के लिए एक लक्षित सैन्य अभियान है।

देश में कोरोना संक्रमण से नौ मरीजों की मौत, कुल सक्रिय मामले 7400

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से नौ और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 87 हो गयी और 269 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ कुल सक्रिय मामले 7400 हो गये हैं। इससे पहले शुक्रवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7131 थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में महाराष्ट्र में कोराना संक्रमण से चार, केरल में तीन और राजस्थान और तमिलनाडु में एक-एक मरीज की मौत हो गयी है।

राष्ट्रीय राजधानी, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में सबसे ज़्यादा मामले सामने आ रहे हैं। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे जो आज बढ़कर 7400 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक

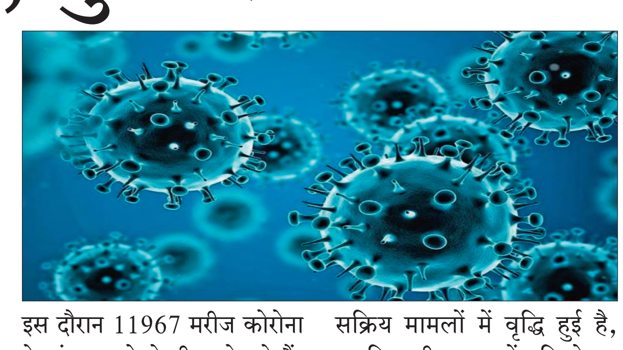

इस दौरान 11967 मरीज कोरोना के संक्रमण से से ठीक हो गये हैं।

पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले गुजरात से 79, कर्नाटक से 132, केरल से 54 और मध्य प्रदेश से 20 मामले सामने आये है और दिल्ली में 42, आंध्र प्रदेश में 15 और महाराष्ट्र में 16 मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है। केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, आज सुबह तक 54 सक्रिय मामले बढ़ने के साथ इसका आंकड़ा 2109 तक पहुंच गया है और राष्ट्रीय राजधानी में 42 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या घटकर 672 रह गई। गुजरात में 79 सक्रिय मामले बढ़ने से कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढकर 1437 पहुंच गयी है।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल में 747, महाराष्ट्र में 613, कर्नाटक में 527, तमिलनाडु में 232, उत्तर प्रदेश में 248, राजस्थान में 180, हरियाणा में 97, आंध्र प्रदेश में 102, मध्य प्रदेश में 120, छत्तीसगढ में 50, बिहार में 41, ओडिशा में 45, सिक्किम में 50, पंजाब में 29, जम्मू-कश्मीर में नौ, झारखंड में 25, असम में 26, तेलंगाना में आठ, पुड्डुचेरी में 10, मणिपुर और उत्त-राखंड में पांच-पांच, गोवा में छह, लद्दाख में तीन, चंड़ीगढ़ और त्रिपुरा में दो-दो सक्रिय मामले हैं।

सरकारी अधिकारियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने मास्क पहनना, बार-बार हाथ धोना और भीड़-भाड़ वाले इलाकों पर जाने से बचने की अपील की है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, मौसमी वायरल बुखार के भी फैलने के साथ, स्वास्थ्य पेशेवरों ने कोविड-19 को अन्य संक्रमणों से अलग करने की आवश्यकता पर बल दिया है।

राम मंदिर निर्माण पर अब तक 1621 करोड़ खर्च हुआ

अप्रैल 2026 तक पूरा हो जाएगा मंदिर का निर्माण

अयोध्या, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अभी जारी है। अब तक इस मंदिर के निर्माण में 1621 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। मंदिर का करीब 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। वित्तीय सत्र 2024-25 में मंदिर निर्माण समेत अन्य योजनाओं पर 652 करोड़ का खर्च आया है।

सात जून को मणिराम दास की छावनी में हुई ट्रस्ट की बैठक में आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया था। इसमें मंदिर निर्माण पर हुए खर्च का विवरण भी प्रस्तुत किया गया।

राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के निर्माण का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र, सप्त मंडपम, पुष्करणी का भी निर्माण कार्य पूरा है, अब केवल फिनिशिंग चल रही है। राम मंदिर के चारों ओर आयताकार परकोटा बन रहा है। इसके निर्माण का अभी 20 फीसदी काम बाकी है। इसी तरह शेषावतार मंदिर का भी

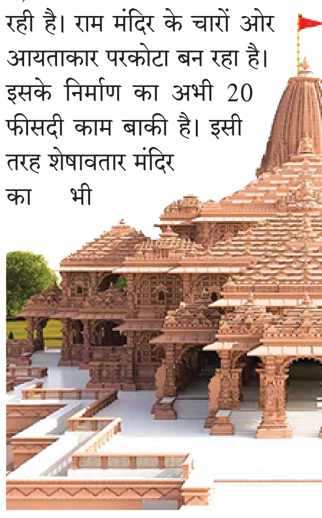

करीब 20 फीसदी निर्माण कार्य शेष है। मंदिर निर्माण की शुरुआत पांच अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने की थी। पिछले साढ़े चार सालों में मंदिर निर्माण पर करीब 1200 करोड़ व अन्य योजनाओं पर 400 करोड़ से अधिक खर्च किए जा चुके हैं।

मंदिर परिसर में अभी दक्षिण दिशा में प्रवेश द्वार का निर्माण चल रहा है। इसके बाद गेट नंबर तीन पर द्वार का निर्माण होगा। दक्षिण दिशा में ही संग्रहालय, विश्रामालय व ट्रस्ट कार्यालय भवन का भी निर्माण किया जाना है। इसके अलावा सरयू तट स्थित रामकथा संग्रहालय के सौंदर्यीकरण का काम लगातार जारी है। इन सभी निर्माण कार्यों को पूरा करने की समय सीमा अप्रैल 2026 तय की गई है। मंदिर समेत परिसर में निर्माणाधीन अन्य प्रकल्पों के निर्माण में कुल दो हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान राम मंदिर ट्रस्ट ने लगाया है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने मार्च से मई के बीच तीन माह में कुल 10, 433 वर्ग फीट जमीन एक करोड़ 55 लाख 40 हजार 800 रुपए में खरीदी है। बाग बिजेसी में कुल 3060 स्क्वायर फीट जमीन 47 लाख 20 हजार 800 रुपए में खरीदी गई है। बाग बिजेसी में ही विश्व मोहिनी से 6691 वर्ग फीट जमीन 98 लाख 20 हजार 800 रुपए में ट्रस्ट ने खरीदा है। इसके अलावा कोट रामचंद्र में 68.74 वर्ग फीट जमीन 10 लाख में खरीदी गई है।

बिजली कटौती से हाहाकार 31 हजार मेगावाट की मांग

गांवों में रोस्टर से बहुत कम मिल रही बिजली

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। गर्मी बढ़ने के साथ पूरे उत्तर प्रदेश में बिजली कटौती से हाहाकार मचा हुआ है। गांवों के साथ शहरों में भी यह समस्याएं बनी हैं। केबल जलने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। प्रदेश में पारे में बढ़ोतरी के साथ ही बिजली कटौती का दौर भी तेज हो गया है। शहरों में ट्रिपिंग और लो वोल्टेज से लोग परेशान हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में रोस्टर से करीब एक घंटे कम बिजली मिल रही है। बिजली कटौती बढ़ने की वजह से उमसभरी गर्मी में उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर उपकेंद्र घेरने और धरना- प्रदर्शन की भी सूचनाएं आ रही हैं। बिजली कटौती से ग्रामीण इलाकों के कल-कारखाने भी ठप्प हो गए हैं। सिंचाई न हो पाने की वजह से सब्जी की खेती भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीण इलाके के उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली आती है तो बीच-बीच में कटौती का दौर जारी रहता है। पावर कारपोरेशन के आंकड़े भले आधे घंटे की कटौती का दावा कर रहे हैं, लेकिन लोकल फॉल्ट घंटों तक बना रहता है। इतना ही नहीं जहां ट्रांसफार्मर जल गए हैं, उन्हें बदलने में कई दिन लग रहा है। कई अवर अभियंता तो इस वजह से भी ट्रांसफार्मर बदलने में आनाकानी करते हैं क्योंकि उनके क्षेत्र में ट्रांसफार्मर जलने की घटना से जुड़े आंकड़े अधिक होने पर कार्रवाई की धमकी दी गई है।

कई अभियंताओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि उनके सामने दोहरी समस्या हो गई है। ट्रांसफार्मर जलने की घटना पर कार्रवाई के साथ ही उपभोक्ताओं के गुस्से का भी शिकार होना पड़ता है। अभियंताओं ने बताया कि एक तरफ तापमान बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ बिजली की मांग अधिक है। ऐसे में ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाते हैं। उन्हें ठंडा रखने के इंतजाम भी पूरे नहीं हैं। ऐसे में कुछ देर के लिए फीडरवार कटौती की जाती है ताकि ट्रांसफार्मर जलने की संख्या नियंत्रित रहे।

सड़कों से गायब हैं रोडवेज की 3000 बसें, यात्री परेशान

लखनऊ की 30 प्रतिशत एसी बसें भी रूट से लापता

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। यूपी रोडवेज की तीन हजार बसें सड़कों से गायब हैं। लखनऊ की 30 प्रतिशत एसी बसें भी रूट से लापता हैं। उत्तर प्रदेश में रोडवेज की 3,000 बसें सड़कों पर नहीं चल पा रही हैं। इन बसों की हालत खराब है या फिर उन्हें चलाने के लिए स्टाफ की कमी है। लिहाजा, ये बसें डिपो में खड़ी हैं और यात्रियों को निजी या डग्गामार वाहनों से सफर करना पड़ रहा है। इससे यात्रियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है और रोडवेज को भी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

लखनऊ में ही 190 बसें खड़ी हैं। परिवहन निगम के पास कुल 13,599 बसें हैं। इनमें से रोजाना लगभग 11,000 ही चल पा रही हैं। बाकी बसें खराबी या स्टाफ की कमी के कारण डिपो से बाहर नहीं निकल पा रहीं। सबसे ज्यादा बसें गाजियाबाद में खड़ी हैं, उसके बाद लखनऊ का नंबर है। बसों के संचालन की बात की जाए तो वहीं, कानपुर, देवीपाटन, मेरठ और चित्रकूट जैसे इलाकों में हालात और भी खराब हैं। संख्या के आधार पर सबसे ज्यादा बसें खड़ी रहने के मामले में लखनऊ चौथे स्थान पर है। रोडवेज के पास कुल 700 एसी बसें हैं, जिनमें से रोजाना करीब 230 बसें रूट पर नहीं चल रही हैं। कानपुर, मेरठ, सहारनपुर और गोरखपुर परिक्षेत्र में एसी बसों की हालत ज्यादा चिंताजनक है। लखनऊ में 30 प्रतिशत से ज्यादा एसी बसें नाकाम खड़ी हैं। सहारनपुर में आधे से ज्यादा एसी बसें डिपो में ही खड़ी हैं।

डिपो में खड़ी बसों की वजह खराबी से अधिक अधिकारियों की लापरवाही है। अधिकारी न डिपो का निरीक्षण करते हैं और यात्रियों की शिकायतों पर ध्यान देते हैं। परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने कहा कि रोडवेज बसों के सड़कों पर नहीं उतर पाने का मामला गंभीर है। शिकायतों को देखते हुए तीन महीने का आकलन करते हुए रिपोर्ट मांगी गई है। खराब प्रदर्शन करने वाले अफसरों पर कार्रवाई होगी।

गाय के दूध के साथ गोबर और मूत्र की भी मिलेगी कीमत

गौशालाओं में लगेंगे कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। यूपी में अब गाय का दूध ही नहीं, उनका गोबर, मूत्र और पैर से कुचले गए खरपतवार की भी कीमत मिलेगी। इसके लिए गोशालाओं में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट लगेंगे। यहां पंचगव्य भी बनाया जाएगा। पहले चरण में आठ मंडलों में ये प्लांट लगाए जाएंगे। शुरुआत बरेली से होगी।

गो सेवा आयोग और पशुपालन विभाग मिलकर इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहे हैं। प्रदेश के हर जिले में गोशालाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। गोशालाओं में लगने वाले सीबीजी प्लांट में आसपास के किसान भी गाय का दूध, दही, गोबर व मूत्र आदि बेच सकेंगे। इससे न सिर्फ गोशालाओं की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि आसपास के गांवों के किसानों की भी आमदनी बढ़ेगी। साथ ही गोवंशों का संवर्धन भी होगा। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में गोशालाओं में सीबीजी प्लांट चल रहे हैं। प्लांट को ऑयल और गैस कंपनियों के

सहयोग से स्थापित किया गया है। ग्वालियर के लालटिपारा गोशाला के स्वामी देवानंद ने बताया कि प्लांट लगने के बाद गोबर और गोमूत्र से गाय के खाने का खर्चा निकल जाता है। दूध अतिरिक्त लाभ में है।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर के लालटिपारा गोशाला में चल रहे सीबीजी प्लांट और पंचगव्य प्लांट के बारे में स्वामी देवानंद और सिलीगुड़ी के प्रभु गुप्ता गो सेवा आयोग आए थे। इन्होंने वहां चल रहे प्लांट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दोनों ने कम्प्रेस्ड बायो गैस और पंचगव्य उत्पादों के संबंध में नवीन प्राद्योगिकी एवं मॉडल साझा किया। बताया कि सीबीजी संयंत्र गाय के गोबर को बायो सीएनजी (संपीड़ित प्राकृतिक गैस) और जैविक खाद में बदल देता है, जिससे कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए स्थायी विधियों को बढ़ावा मिलता है।

गाय के दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर को पानी में मिलाकर पंचगव्य बनाया जाता है। यह मिश्रण हिंदू धर्म में धार्मिक अनुष्ठानों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद विभाग के पूर्व निदेशक प्रो पीसी सक्सेना ने बताया कि पंचगव्य के उपयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। इससे कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन की पूर्ति होती है। शरीर की शुद्धि होती है। खेत की उर्वरता बढ़ाने और कीटनाशक के रूप में किया जाता है। अभी कुछ कंपनियों द्वारा पंचगव्य तैयार किया जाता है। औषधीय पंचगव्य आधा लीटर करीब एक से डेढ़ हजार रुपए में है, जबकि खेती से जुड़ा पंचगव्य दो सौ से लेकर एक हजार रुपए तक मिलता है।

कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के क्षेत्र में पूरे भारत में उत्तर प्रदेश नंबर वन पर है। प्रदेश में स्टेट लेवल कमेटी द्वारा अनुमोदित 47 बायो सीबीजी परियोजनाएं हैं, जिनकी क्षमता 407 टीपीडी और लागत 2589 करोड़ रुपए है। सबसे बड़ा सीबीजी प्लांट मथुरा में स्थापित है , जिसकी कुल क्षमता 42.6 टीपीडी है। जबकि 25 कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट चल रहे हैं, जिनकी क्षमता 213 टन प्रतिदिन (टीपीडी) है। प्रदेश में पूरे देश के सर्वाधिक 19 प्रतिशत सीबीजी प्लांट्स स्थापित हैं। इसके बाद गुजरात (16 प्रतिशत), महाराष्ट्र (9 प्रतिशत) का नंबर आता है।

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा, गौ सेवा आयोग और पशुपालन विभाग इस परियोजना पर काम कर रहा है। पहले चरण में आठ मंडल की गौशाला में प्लांट स्थापित कराया जाएगा। फिर अन्य मंडलों में इसे पहुंचाया जाएगा। शुरुआत बरेली से करने की तैयारी है। इससे गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन को बढावा मिलेगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पर्यावरण शुद्धता की दिशा में भी काम हो सकेगा।

गौसेवा आयोग ने बताया कि बरेली के मझगवां विकासखंड स्थित खनगवां श्याम गांव की गौशाला को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाते हुए गौ-आधारित खेती के लिए मॉडल बनाएंगे। यूपी की यह पहली गौशाला होगी, जहां पर पांच रुपए प्रति लीटर गौ-मूत्र खरीदा जाएगा। गौमूत्र से कीटनाशक जीवामृत, बीजामृत और घनजीवामृत तैयार होंगे। प्रस्तावित मॉडल को लागू करने के लिए गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्यामबिहारी गुप्ता ने शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभाकक्ष में गौ संरक्षण के लिए बनी मंडल स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक में मंडलीय अधिकारियों को पूरा प्रारूप समझाया। खनगवां श्याम की गौशाला का स्थलीय निरीक्षण भी किया। अध्यक्ष ने बताया कि खनगवां श्याम की गौशाला को गौ-आधारित खेती के लिए केंद्र बनाकर विकास खंड के 92 गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रत्येक गांव के उन किसानों को भी प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करेंगे, जिनके पास गाय है। जिन किसानों के पास गाय नहीं है उन्हें भी प्राकृतिक खेती के फायदे समझाए जाएंगे।

घर-घर शौर्य सम्मान महोत्सव

करगिल शहीद यशवीर सिंह की पत्नी सम्मानित

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। मध्य कमान की ओर से करगिल शहीद यशवीर सिंह की पत्नी मुनेश देवी को शुक्रवार को मेरठ स्थित उनके आवास पर सम्मानित किया गया। मध्य कमान के जनसम्पर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि भारतीय सेना 26वां करगिल विजय दिवस समारोह 26 जुलाई को मनाएगी। इसके उपलक्ष्य में घर-घर शौर्य सम्मान महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत शहीदों के परिजनों को उनके घर जाकर सम्मानित किया जा रहा है। शहीदों के परिजनों को सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया जा रहा है।

इसी क्रम मेरठ में फजलपुर रोहटा रोड निवासी मुनेश देवी को सम्मानित किया गया। उनके पति यशवीर सिंह करगिल युद्ध में जांबाजी का परिचय देते हुए शहीद हो गए थे। उन्हें मरणोपरांत वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। मुनेश देवी को सम्मानित करने के दौरान उनकी आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी ली गई। साथ ही उनकी समस्याओं को त्वरित गति से निस्तारित करवाने का आश्वासन भी दिया गया।

सीबीआई ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री का किया औचक निरीक्षण

ऑर्डनेंस फैक्ट्री में वित्तीय अनियमितता का मामला

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। सीबीआई ने कानपुर की ऑर्डनेंस फैक्ट्री का औचक निरीक्षण किया। टीम ने सेना के अधिकारियों के साथ मिलकर संयुक्त रूप से जांच की। औचक निरीक्षण में सीबीआई लखनऊ की एंटी करप्शन ब्रांच शामिल थी। सीबीआई की टीम देर रात तक फैक्ट्री में दस्तावेजों की समीक्षा कर रही थी। सेना के अधिकारी भी सीबीआई की टीम के साथ औचक निरीक्षण में शामिल हैं।

सीबीआई ने कालपी रोड स्थित ऑर्डनेंस फैक्टरी में वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाने के लिए औचक निरीक्षण किया है। हालांकि अधिकारी इस मामले में कुछ भी बताने से बच रहे हैं। सीबीआई का औचक निरीक्षण शनिवार को भी जारी रहा। इसके बाद जांच में सामने आए तथ्यों की जानकारी सामने आ सकती है। कालपी रोड स्थित ऑर्डनेंस फैक्टरी में तोप और गोलों का एक साथ निर्माण करती है। साथ ही सैनिकों के लिए जूते समेत तमाम अन्य सामग्री का निर्माण भी होता है। सीबीआई ऑर्डनेंस फैक्टरी में वित्तीय अनियमितता की पड़ताल कर रही है।

बीते मार्च महीने में कालपी रोड स्थित ऑर्डनेंस फैक्ट्री में कार्यरत जूनियर वर्क्स मैनेजर (जेडब्लूएम) विकास कुमार को पाकिस्तानी के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह फैक्टरी से अहम जानकारियां और दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट को भेज रहा था। वह पाकिस्तानी एजेंट नेहा शर्मा से फेसबुक के जरिए सम्पर्क में आया था। इसके बाद हनी ट्रैप का शिकार हो गया था।

पहलगाम हमले पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

रॉबर्ट वाड्रा पर एफआईआर का मामला हाईकोर्ट पहुंचा

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। पहलगाम हमले के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराए जाने की अर्जी हाईकोर्ट में दाखिल की गई है। सीजेएम हृषिकेश पांडे ने इस अर्जी की पोषणीयता पर सुनवाई के लिए 20 जून की तारीख तय की है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के राष्ट्रीय संयोजक कुलदीप तिवारी की ओर से उनके अधिवक्ताओं ने अर्जी दी। कोर्ट के संज्ञान में लाया गया कि रॉबर्ट वाड्रा ने पहलगाम घटना के लिए पूरे हिंदू समाज को जिम्मेदार ठहराया था। रॉबर्ट वाड्रा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा था कि सरकार हिंदुत्व की बात करती है इसलिए अल्पसंख्यक मुसलमान असहज और परेशान रहते हैं। अगर आतंकवादी लोगों की पहचान देख रहे हैं तो वे ऐसा क्यों कर रहे हैं। ऐसी घटनाओं से आतंकी संगठनों को यह लगता है कि हिंदू लोग मुसलमान के लिए परेशानी खड़ी कर रहे हैं। वाड्रा ने यह भी कहा था की पहचान देखना और किसी को मार देना, यह प्रधानमंत्री के लिए एक संदेश है क्योंकि मुसलमान कमजोर महसूस कर रहे हैं।

चीन के जालसाजों से जुड़े हैं साइबर ठगों के तार

10 करोड़ की साइबर ठगी में 15 गिरफ्तार

लखनऊ, 14 जून (न्यूज़ लायंस)। रेड्डी अन्ना एप के जरिये करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के तार चीन के साइबर जालसाजों से जुड़े हैं। पुलिस की प्रारंभिक छानबीन में इसका खुलासा हुआ है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सरगना गन्नी की तलाश की जा रही है। सरगना के पकड़े जाने के बाद कई अहम राज उजागर होंगे।

डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक गिरफ्तार किए गए 15 आरोपियों में सर्वाधिक बिहार के हैं। वहीं, एक मध्य प्रदेश का रहने वाला है। आरोपियों से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक गिरोह से जुड़े जालसाज अभी भी मध्य प्रदेश और बिहार में सक्रिय हैं। अलग-अलग शहरों में गिरोह दफ्तर खोलकर फर्जीवाड़ा कर रहा है। इसके पीछे चीन के साइबर अपराधियों का हाथ है, जो आर्थिक व्यवस्था को चोट पहुंचाना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी कई चाइनीज एप का भी इस्तेमाल करते थे। बताया जा रहा है कि सरगना गन्नी दुबई में है। पुलिस आरोपी को वापस भारत लाने के लिए पत्राचार करेगी।

आरोपियों के पास बड़ी मात्रा में मोबाइल फोन और लैपटॉप मिले हैं। जल्दबाजी के कारण पुलिस टीम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खंगाल नहीं पाई। अब कोर्ट से अनुमति लेकर आरोपियों के लैपटॉप और मोबाइल फोन का डेटा खंगाला जाएगा। डेटा एनालिसिस से पता चलेगा कि गिरोह की जड़ें कहां-कहां हैं। गिरोह ने किन-किन बैंकों में कहां पर खाते खुलवाए हैं, इसका ब्योरा भी मिलेगा। इसके बाद इन खातों को बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी। साइबर थाना, साइबर सेल और पीजीआई थाने की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को 10 करोड़ से अधिक की ठगी करने वाले गिरोह का राजफाश किया था। 15 आरोपियों को वृंदावन योजना स्थित एक फ्लैट से पकड़ा था। आरोपी गेमिंग एप और निवेश में मुनाफे का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे।

जिज्ञासा

रात को क्यों निकलता है चमगादड़

बच्चो, शाम ढलते ही चमगादड़ दिखने लगता है। उन्हें देखकर आपके मन में यह बात जरूर उठती होगी कि आखिर क्या कारण है कि चमगादड़ रात में ही निकलता है, दिन में नहीं?

दरअसल, चमगादड़ के रात में निकलने के दो कारण हैं। रात के समय भोजन के लिए उसे अन्य पक्षियों की अपेक्षा कम मेहनत करनी पड़ती है और आसानी से वह भोजन की व्यवस्था कर लेता है। दूसरी बात कि सांप, उल्लू, बाज और बैट हॉक (एशियन बर्ड) जैसे चमगादड़ को खाने वाले पक्षी दिन के समय सक्रिय रहते हैं। अगर चमगादड़ दिन में निकला, तो उसकी जान की खैर नहीं। ये सारे पक्षी उसका शिकार करने का एक भी मौका नहीं चूकेंगे, और बेचारे चमगादड़ को अपनी जान से हाथ धोना पड़ेगा। दिन में चमगादड़ पेड़ के गुच्छों में या गुफाओं में झूलता रहता है।

मक्खी का दिमाग

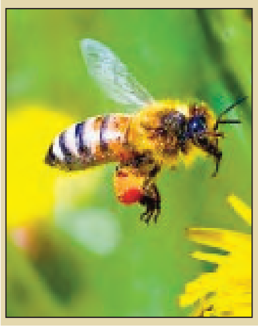

एक मधुमक्खी का दिमाग बहुत तेज और चमत्कारी होता है। वह पराग कण इकट्ठे करने में खर्च होने वाली ऊर्जा का सटीक अनुमान लगा सकती है। वह देखकर ही दूरी का अनुमान भी लगा लेती हैं।

तबाही का दूसरा नाम सुनामी

सुनामी जापानी शब्द है, जो सू और नामी से मिल कर बना है सू का अर्थ है- समुद्र तट और नामी का अर्थ है- लहरें। सुनामी लहरें समुद्री तट पर खतरनाक ढंग से हमला करती हैं और जान-माल का बुरी तरह नुकसान कर सकती हैं। अक्सर समुद्री भूकम्पों की वजह से ये तूफान पैदा होते हैं...

समुद्र के भीतर अचानक जब बड़ी तेज हलचल होने लगती है, तो उसमें उफान उठता है, जिससे ऐसी लंबी और बहुत ऊंची लहरों का रेला उठना शुरू हो जाता है, जो जबरदस्त आवेग के साथ आगे बढ़ता है। इन्हीं लहरों के रेले को सुनामी कहते हैं। प्राकृतिक आपदाओं में सुनामी तबाही का दूसरा सबसे बड़ा नाम है।

क्या है सुनामी

दरअसल, सुनामी बहुत बड़ी-बड़ी लहरें होती हैं, जिनकी चौड़ाई सैंकड़ो किलोमीटर तक हो सकती है, यानी इन लहरों के निचले हिस्सों के बीच का फासला सैंकड़ों किलोमीटर का होता है। पर जब ये तट के पास आती हैं, तो लहरों का निचला हिस्सा जमीन को छूने लगता है, इनकी गति कम हो जाती है और ऊंचाई बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में जब ये तट से टकराती हैं, तो तबाही होती है। इन लहरों की गति 400 किलोमीटर प्रति घंटा तक और ऊंचाई 10 से 17 मीटर तक होती है, यानी पानी की चलती दीवार जैसी दिखती हैं और वह भी खारा पानी।

पहले सुनामी को समुद्र में उठने वाले ज्वार के रूप में भी लिया जाता रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल, समुद्र में लहरें चांद, सूरज और ग्रहों के गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से उठती हैं, लेकिन सुनामी लहरें इन आम लहरों से अलग होती हैं। अक्सर समुद्री भूकम्पों की वजह से ये तूफान पैदा होते हैं। प्रशांत महासागर में सुनामी की घटनाएं बहुत आम हैं, पर बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर व अरब सागर में सुनामी आमतौर पर कम ही आती हैं। शायद यही कारण है कि भारतीय भाषाओं में सुनामी के लिए विशिष्ट नाम नहीं है।

इसलिए आती है सुनामी

सुनामी लहरों के पीछे वैसे तो कई कारण होते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा असरदार कारण है भूकंप। इसके अलावा जमीन धंसने, ज्वालामुखी फटने, किसी तरह का विस्फोट होने और कभी- कभी उल्कापात के असर से भी सुनामी लहरें उठती हैं।

भूकंप का प्रभाव

जब कभी भीषण भूकंप की वजह से समुद्र की ऊपरी परत अचानक खिसक कर आगे बढ़ जाती है, तो समुद्र अपनी समांतर स्थिति में ऊपर की तरफ बढ़ने लगता है। जो लहरें उस वक्त बनती हैं, वो सुनामी लहरें होती हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं कि हर भूकंप से सुनामी लहरें बनें। इसके लिए भूकंप का केंद्र समुद्र के अंदर या उसके आसपास ही होना जरूरी है।

तट आगमन पर प्रभाव

जब ये सुनामी लहरें किसी भी महाद्वीप की उस परत के उथले पानी तक पहुंचती हैं, जहां से वो दूसरे महाद्वीप से जुड़ा है और जो कि एक दरार के रूप में देखा जा सकता है। वहां सुनामी लहर की तेजी कम हो जाती है। वो इसलिए, क्योंकि उस जगह दूसरा महाद्वीप भी जुड़ रहा है और वहां धरती की जुड़ी हुई परत की वजह से दरार जैसी जो जगह होती है, वो पानी को अपने अंदर रास्ता देती है। लेकिन उसके बाद भीतर के पानी के साथ मिल कर जब सुनामी किनारे की तरफ बढ़ती है, तो उसमें इतनी तेजी होती है कि वो 30 मीटर तक ऊपर उठ सकती है और उसके रास्ते में चाहे पेड़, जंगल या इमारतें कुछ भी आएं, सभी का सफाया कर देती है।

सुनामी की भविष्यवाणी

सुनामी के बारे में भी अंदाजा नहीं लगा जा सकता था, लेकिन महाकाल रूपी सुनामी का डर अब समुद्र के किनारे रहने वाले लोगों को ज्यादा नहीं सताएगा। बिना बताए चुपके से अपनी आगोश में समेट लेने वाली इस जानलेवा लहर के बारे में अब पहले से भविष्यवाणी की जा सकेगी। वैज्ञानिकों ने सुनामी की भविष्यवाणी करने और इसकी विनाशता के बारे में पहले से चेताने का एक गणितीय फार्मूला निकाला है। न्यूकासल यूनिवर्सिटी के मैथ्स के प्रोफैसर रॉबिन जॉन्सन की अगुआई में वैज्ञानिकों ने इस फार्मूले को खोजा है। सुनामी के अब तक के रिकॉर्ड और महाद्वीपों की स्थिति को देखकर वैज्ञानिक कुछ अंदाजा भी लगा सकते हैं।

सुनामी का कहर

26 दिसंबर, 2004 को हिंद महासागर के गर्त में 9.15 की तीव्रता वाले भूकंप के कारण आई सुनामी ने भारत सहित दुनिया के कई देशों में भारी तबाही मचाई। सबसे ज्यादा इंडोनेशिया प्रभावित हुआ, सबसे ज्यादा लोग सुमात्रा द्वीप पर मारे गए। समुद्र से आती सुनामी लहरों से अपनी जान बचाने के लिए लाखों मछुआरों ने दूर भागने की कोशिश की, लेकिन पलक झपकते ही तेज लहरों ने उन्हें मौत की आगोश में ले लिया। इस आपदा में ढ़ाई लाख से भी ज्यादा लोगों की जान गई। भारत में सुनामी की वजह से 730,000 लोग विस्थापित हुए। सुनामी की एक 65 फुट ऊंची लहर श्रीलंका में ट्रैक पर चल रही एक ट्रेन को ही बहा ले गई और उसमें सवार 1000 लोग बेमौत मारे गए।

इन्हें है खतरा

धरती की जो प्लेट्स या परतें जहां-जहां मिलती हैं, वहां के आसपास के समुद्र में सुनामी का खतरा ज्यादा होता है। जैसे आस्ट्रेलियाई परत और यूरेशियाई परत जहां मिलती हैं, वहां स्थित है सुमात्रा, जोकि दूसरी तरफ फिलीपीनी परत से जुड़ा हुआ है। सुनामी लहरों का कहर वहां भयंकर रूप में देखा जा रहा है।

ये भी जानें

सूरज के साथ सफर

- कमल का फूल सूर्योदय के साथ खिलता है और शाम होते-होते मुरझा-सा जाता है मानो वह पुन: बंद हो गया हो।
- सूरजमुखी के फूल का मुंह सुबह सूर्य की ओर होता है, दोपहर में ऊपर (सूर्य की ओर) तथा शाम को पश्चिम की ओर होता है।
- अफ्रीका के 'आइवरी कोस्ट' के जंगलों में एक ऐसा वृक्ष होता है, जिसके पत्ते दिन में फैलते हैं और रात को सिकुड़ जाते हैं। रात को बंद पत्तों वाला यह वृक्ष एक फुटबॉल की तरह दिखाई देता है।
- अमेरिका में एक ऐसा वृक्ष भी पाया जाता है, जो हिलने पर मनुष्य के हंसने के समान आवाज करता है।
- भारत में छुई-मुइ का पौधा भी मिलता है। इसे छूते ही इसकी पत्तियां सिमट जाती हैं। हाथ दूर करते ही इसकी पत्तियां पुन: धीरेधीरे खुलने लगती हैं। ये पत्तियां इमली की पत्तियों जैसी होती हैं।
- एक ऐसा वृक्ष भी है, जो अलग-अलग जाति व प्रकार के 14 फूल देता है। इन फूलों के रंग, आकार और प्रकार भी अलग-अलग होते हैं।
- बाज पक्षी अपने पंखों को लगभग नौ फुट तक फैला सकता है।
- उल्लू अपनी गर्दन को लगभग 270 डिग्री तक घुमा सकता है।
- न्यूजीलैंड में पाए जाने वाले पक्षी किवी की नज़र कमजोर होती है, वह केवल 6 फुट की दूरी तक ही देख पाता है।
- आस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला पक्षी ऐमू पत्थर लकड़ी सब हज्म कर जाता है।
- मादा बुलबुल गाती नहीं है, केवल नर ही गाता है।

दोस्ती हो तो ऐसी

नदन वन में रामू हिरण, मिक्की चूहे और कालू बाज की दोस्ती हो गई। जंगल में जिसे भी पता लगा, उसीने उनका मजाक उड़ाया। भीमू भालू ने तो यहां तक कह दिया, 'यह दोस्ती दो दिन से ज्यादा नहीं चलने वाली। देखना, कालू मिक्की को दोस्ती की आड़ में खा जाएगा।'

रामू हिरण के झुंड के एक सदस्य ने उनका मजाक बनाते हुए कहा, 'कहां तू इतना बड़ा और कहां तेरे छोटे-छोटे दोस्त। बाज तो हमेशा से लालची रहे हैं, वो तुम से क्या दोस्ती निभाएगा। और चूहे जैसे छोटे से जानवर से दोस्ती करके तुम्हें क्या फायदा।'

तीनों की दोस्ती पर हर किसी ने ऐतराज जताया, परन्तु उन्होंने किसी की परवाह नहीं की। तीनों रोजाना सवेरे नदी के किनारे मिलते और मिलकर खेलते। कभी मिक्की रामू के कान में अपनी पूंछ से छेड़छाड़ करता, तो कभी रामू कालू को अपनी पीठ पर घूमाता। इस तरह दिन बीतते गए। एक दिन वन में एक शिकारी आया। उसने शेर को पकड़ने के लिए रात को जाल बिछाया। सवेरे नदी पर पानी पीने निकले रामू हिरण और हिरणों के झुंड का सरदार उसमें फंस गए। सुबह शिकारी अपने बिछाए जाल की ओर निकल पड़ा। उधर, नदी के दूसरे किनारे मिक्की और कालू रामू का इंतजार कर रहे थे। जब बहुत समय बीत जाने के बावजूद रामू नहीं आया, तो मिक्की ने कालू को कहा, 'भाई, तू जाकर देख, कहीं रामू बीमार तो नहीं हो गया। उसने तो आज बहुत देर कर दी, मुझे तो उसकी चिंता हो रही है।'

कालू उड़कर रामू को देखने के लिए निकला। उसने इधर-उधर देखा, पर उसे रामू नजर नहीं आया। तभी उसे रामू केझुंड़ का एक हिरण नजर आया। वह रो रहा था। कालू ने उससे रोने का कारण पूछा, तो उसने बताया, 'कालू, हमारे झुंड़ का सरदार और रामू दोनों शिकारी के जाल में फंस गए हैं।'

हिरण की बात सुनते ही कालू फटाफट उड़कर मिक्की के पास आया और उसे सारी स्थिति के बारे में बताया। मिक्की ने कहा, 'कालू, तुम घबराओ मत। तुम मुझे वह जगह बता दो, जहां रामू शिकारी के जाल में फंसा हुआ है। मैं अभी उसे जाकर बचाता हूं।' 'वह जगह नदी का दूसरा किनारा है, जहां जानवर पानी पीने आते हैं। तुम जब तक वहां पहुंचोगे, वह शिकारी हमारे दोस्त को मार चुका होगा। इस लिए अगर तुम्हें कोई ऐतराज ना हो, तो मैं तुम्हें अपने पंजों से पकड़ कर वहां ले जाता हूं। ऐसे हम जल्दी वहां पहुंच जाएंगे,' कालू ने कहा।

मिक्की को कालू का आईडिया पसंद आया। कालू ने मिक्की को अपने पंजे से पकड़ लिया और उसको लेकर उड़ चला। रास्ते में जितने भी जानवरों ने देखा उन्होंने यही सोचा कि शायद कालू मिक्की को मार कर खाने के लिए ले जा रहा है।

कालू मिक्की को उस जगह ले गया जहां रामू और उसके झुंड़ का सरदार जाल में फंसे हुए थे। मिक्की ने कालू को कहा, 'यार, तू उड़कर यह देख कि कहीं शिकारी तो नही आ रहा है। तुम उस पर नजर रखो, मैं अपने तीखे दांतों से जाल को काट देता हूं।'

मिक्की ने जाल काटना शुरू किया। जाल बहुत बड़ा था और मिक्की अकेला। फिर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। उधर जाल में फंसे रामू को सरदार मिक्की के साथ दोस्ती करने के लिए धन्यवाद कर रहा था। उसने मिक्की से कहा, 'मुझे तुम लोगों की दोस्ती पर ऐतराज था, परन्तु तुम लोगों ने आज अपनी सच्ची दोस्ती साबित करके दिखाई है।'

तभी कालू ने वहां आकर कहा, 'मिक्की जल्दी कर, थोड़ी दूरी पर मुझे एक इंसान इधर आता हुआ दिखाई दिया है। लगता है कि वही शिकारी है। मिक्की ने जाल को काटने का काम और तेज कर दिया। मिक्की और कालू को रामू और उसके सरदार की मदद करते हुए देख कर दूसरे जानवर भी उनकी मदद के लिए वहां आ गए।

भीमू भालू ने शिकारी पर अचानक हमला कर दिया। अकस्मात हुए हमले से शिकारी डर गया और वहां से भाग गया। मिक्की ने अपने नुकीले दांतों से जाल को काट दिया और रामू व सरदार को आजाद करवाया। अब सभी उनकी दोस्ती की तारीफ कर रहे थे और कह रहे थे, 'दोस्ती हो तो ऐसी।'

हम बताएं, आप बनाएं

ये हमारा सौरमंडल

बच्चो सौरमंडल का जिक्र आते ही आप सूर्य और उसके गिर्द घूमते ग्रहों के बारे में सोचने लग गए होंगे। सभी ग्रह गुरुत्वाकर्षण के कारण सूर्य के गिर्द एक सीमित दूरी और रफ्तार से घूमते रहते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अब हमारे सौरमंडल में नौ ग्रहों की बजाए 8 ग्रह हैं। 2006 में नौवें ग्रह प्लूटो को सौरमंडल से बाहर करके एक बोने ग्रह का दर्जा दे दिया गया था। आइए जानें-

सूर्य- यह पृथ्वी से 109 गुणा बड़ा है। इसका पुंज संपूर्ण सौरमंडल के 99.98 प्रतिशत के समकक्ष है। इसमें लगातार आणविक विखंडन होता रहता है, जो हाइड्रोजन को हीलियम में बदलता है। इसकी पीली सतह को फोटोस्फीयर कहते हैं।

मरक्यूरी (बुद्ध ग्रह)- यह हमारे सौरमंडल का सबसे पहला और सबसे छोटा ग्रह है, जो चांद जैसा दिखाई देता है। यह सूर्य की परिक्रमा 87.969 दिनों में पूरी करता है। इस ग्रह पर कोई वातावरण नहीं।

वीनस- (शुक्र ग्रह)- दूसरा ग्रह वीनस पृथ्वी का पड़ोसी ग्रह भी माना जाता है। यह सूर्य की परिक्रमा 224.7 दिनों में पूरी करता है। सबसे चमकदार होने के कारण इसे ध्रुव तारा भी कहा जाता है। प्यार और सौंदर्य की प्रतीक रोमन देवी वीनस पर इसका नाम पड़ा।

पृथ्वी-हमारी प्यारी पृथ्वी सौरमंडल के तीसरे ग्रह के रूप में जानी जाती है। केवल इस पर ही जीवन मुमकिन है। यह सूर्य की परिक्रमा लगभग 365 दिनों (1 साल) में पूरी करती है। इसका 71 प्रतिशत भाग पानी से ढंका है, जिस कारण इसे नील ग्रह भी कहा जाता है। इसके वातावरण में 21 प्रतिशत आक्सीजन, 78 प्रतिशत नाइट्रोजन है। जीव-जंतुओं और प्रकृति के आधार पर पृथ्वी सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है।

मार्स- (मंगल ग्रह) - मंगल को लाल ग्रह भी कहा जाता है, क्योंकि आयरन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा के कारण इसका रंग लाल प्रतीत होता है। पृथ्वी की तरह ही इसके भी दोनों ध्रुवों पर बर्फ पाई जाती है। सूर्य का चक्कर यह लगभग 686.98 दिनों में पूरा करता है।

जूपिटर- (बृहस्पति) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह, जिसमें पृथ्वी जैसे 1 हजार से अधिक ग्रह समा सकते हैं। इसके 63 चांद हैं। यह ग्रह गैसों का विशाल भंडार है, जिसमें 75 प्रतिशत हाइड्रोजन है, जिसके कारण इसके धरातल पर विशाल तूफान चलते रहते हैं।

सैटर्न (शनि ग्रह) - सौरमंडल में छठे स्थान पर दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है। इसके कम से कम 62 चंद्रमा हैं। इस ग्रह के चारों ओर मौजूद गोल छल्ले उन बर्फ और पत्थर के टुकड़ों से बने हैं, जो शायद कॉमैट्स और एस्टेरॉइड्स के हिस्से रहे हों। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 29 वर्ष 168 दिन लग जाते हैं।

यूरेनस- सातवां ग्रह यूरेनस तीसरा सबसे बड़ा ग्रह है। शनि ग्रह की भांति ही इसके इर्द-गिर्द भी छल्ले हैं। यह सूर्य की परिक्रमा 84 सालों में पूरी करता है।

नैप्च्यून- यह सबसे दूरस्थ ग्रह है। सूर्य की परिक्रमा 164.79 सालों में पूरी करता है, लेकिन इसका वर्ष इतना बड़ा है कि इसकी पहली परिक्रमा जुलाई 2011 में पूरी होगी।

नॉलेज बाइट

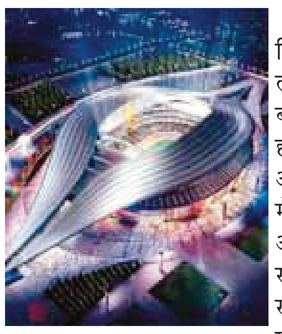

बच्चो, पिछले दिनों क्रिकेट का बुखार लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा था। पर यहां हम आपको प्राचीन ओलंपिक खेलों के बारे में बताने लगे हैं। आपको बता दें कि सबसे पहले ओलंपिक खेल ग्रीस के ओलंपिया शहर में खेले गए थे, लेकिन आधुनिक ओलम्पिक खेलों का इतिहास शुरू होता है 1896 से जब एक बार फिर ग्रीस में इन खेलों की शुरुआत हुई। तब से लगातार हर चार साल में इन खेलों का आयोजन होता रहा है, बस 1940 और 1944 को छोड़कर जब ये खेल विश्वयुद्ध के कारण नहीं हो पाए। यह विश्व का सबसे बड़ा खेलों का आयोजन होता है, जिसमें दुनिया के कई देश शामिल होते हैं।

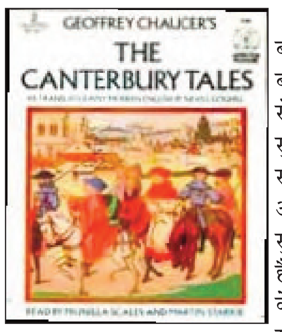

अब किताबों की बात। आपने किताबों के बारे में कई तरह के रोचक तथ्यों के बारे में सुना होगा। सबसे बड़ी, सबसे छोटी किताब आदि के बारे में तो आप सुन चुके होंगे। हो सकता है सबसे महंगी किताब के बारे में भी आपने सुना हो, मगर यहां हम आपको अंग्रेजी के लेखक जैफरी चौसर की लिखी 'कैंटबरी टेल्स' के बारे में बताने लगे हैं। इसे अब तक की सबसे मंहगी पुस्तक माना जा सकता है। सन 1998 में हुई नीलामी में पहले संस्करण की एक प्रति 46 लाख पाउंड में बिकी और इसे खरीदा लंदन के एक पुस्तक विक्रेता मैग्स ब्रदर्स ने। यह पहला संस्करण 1477 में छपा था। प्रतियां थीं सिर्फ एक दर्जन।

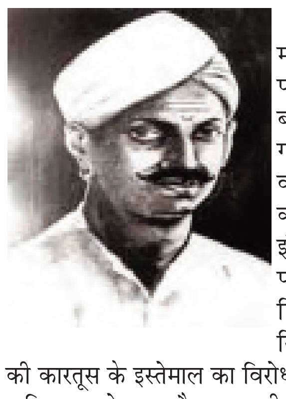

अंत में बात शहीद मंगल पांडे की। मंगल पांडेय उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के नागवा गांव के रहने वाले थे। वह ईस्ट इंडिया कंपनी की 34 वीं बंगाल नेटिव इंफैन्ट्री रैजिमैंट की पांचवी कंपनी के सिपाही थे। भारतीय सिपाही एक नई तरह की कारतूस के इस्तेमाल का विरोध कर रहे थे, जिस पर कथित रूप से गाय और सुअर की चर्बी चढ़ी थी। चलाने से पहले इसे मुंह से काटना पड़ता था। इसके विरोध में मंगल पांडेय ने कलकत्ता के निकट, बैरकपुर में एक अंग्रेज अधिकारी पर हमला किया, जिसके बाद उनका कोर्ट मार्शल हुआ और उन्हे फांसी पर लटका दिया गया। इस घटना के बाद अंग्रेजों के खिलाफ असंतोष की आग ऐसी फैली कि उसने गदर का रूप ले लिया।

खालिस्तानियों के विरोध के बाद भी आतंकियों पर लगाम लगाने कनाडा-भारत ने कर ली डील

ओटावा, 14 जून (एजेंसियां) ।

भारत और कनाडा के बीच हुए एक समझौते का खालिस्तानी जमकर विरोध कर रहे थे। आतंकियों पर लगाम कसने वाली यह डील फिर भी भारत और कनाडा के बीच कर ली गई। दोनों देशों ने आतंकवाद, अंतरराष्ट्रीय अपराध और उग्रवादी गतिविधियों से निपटने के लिए एक महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी साझा करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच लगभग दो साल पहले 2023 में शुरू हुए तनाव को कम करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। प्रस्तावित समझौते के तहत दोनों देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियां आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और ट्रांसनेशनल क्राइम सिंडिकेट्स के संबंध में खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान करेंगी। कनाडा के लिए यह पहल उन मामलों में भी महत्वपूर्ण है जहां कथित तौर पर एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग यानी न्यायेतर हत्या की जांच की जा रही है। यहां सबसे खास बात ये है कि कनाडा ने खालिस्तानियों के विरोध के बावजूद भारत के साथ इस तरह की बड़ी डील की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने बताया कि इस समझौते की डिटेल को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है, और यह स्पष्ट नहीं है कि इसे सार्वजनिक रूप से कब घोषित किया जाएगा। हालांकि, संभावना जताई जा रही है कि इसे जी-7 सम्मेलन के दौरान घोषित किया जा सकता है, जहां भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच मुलाकात होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि नया तंत्र पहले से मौजूद व्यवस्थाओं की तुलना में अधिक व्यापक और उच्चस्तरीय होगा। प्रारंभिक चरण में इसमें पुलिस बलों के बीच बातचीत होगी, लेकिन बाद में इसमें अन्य एजेंसियों को भी शामिल किया जा सकता है। हाल के दिनों में दोनों देशों ने आपसी संबंध सुधारने के लिए छोटे-छोटे प्रयास किए हैं, जैसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कार्नी को चुनाव जीतने पर बधाई देना और दोनों नेताओं के बीच टेलीफोन पर संवाद। मोदी को जी-7 सम्मेलन में आमंत्रित करना भी इस बात का संकेत है कि प्रधानमंत्री कार्नी ट्रूडो के कार्यकाल में बिगड़े रिश्तों को सुधारने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।कार्नी ने कहा है कि उनकी प्राथमिकताओं में विदेशी हस्तक्षेप और ट्रांसनेशनल क्राइम से मुकाबला शामिल है।

न्यूज़ ब्रीफ

ट्रंप के बड़ेबोल.....भारत और पाकिस्तान के बीच दुश्मनी खत्म कराऊंगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और वे दोनों देशों को एक साथ ले आएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं।व्हाइट हाउस' में एक विधेयक पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में ट्रंप ने कहा, हम उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) को एक साथ लाने जा रहे हैं। मैंने भारत और पाकिस्तान से कहा कि कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और मैं कुछ भी हल कर सकता हूं। भारत लगातार यह कहता रहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से पूछा कि यह दुश्मनी कब से चली आ रही है, तब उन्होंने कहा 2,000 साल से, जिस पर उन्होंने (ट्रंप ने) मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ओह, यह एक बड़ी समस्या है। उन्होंने कहा, मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, मैंने व्यापार के जरिये रोका। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में कभी कोई खबर लिखी हुई देखी है, लेकिन यह बहुत, बहुत बढ़िया था। वे तैयारी कर रहे थे।ट्रंप ने कहा कि हमला करने की बारी पाकिस्तान की थी और अंततः वे परमाणु हथियारों का रुख करते। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने परमाणु जंग को रोक दिया। मैंने दोनों से बात की, मैं दोनों देशों के नेताओं का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं और मैंने उनसे बात की। मैंने व्यापार के बारे में बात की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, मैंने यह बात उन दोनों (भारत और पाकिस्तान के नेताओं) से कही।

ट्रंप ने ईरान से कहा, हमले में हमारा रोल नहीं, लेकिन इजराइल को पूरी सुरक्षा मिलेगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि इजरायल ने ईरान पर जो हमले किए हैं, उससे अमेरिका का कोई लेना देना नहीं हैं। लेकिन उन्होंने यहां स्वीकार किया कि उन्हें पहले ही इजरायल के हमले की जानकारी हो गई थी। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि इजरायल ऐसा कुछ करने वाला है। इस तरह ट्रंप ने साफ किया कि इजरायल के हमले में अमेरिका का कोई हाथ नहीं है, लेकिन दूसरी तरफ लगे हाथों ईरान को जता दिया कि इजरायल पर हमले का प्रयास होने पर जवाब मिलेगा। अमेरिका ने कहा कि ईरान की ओर से किसी हमले के जवाब में अमेरिका का चुप नहीं बैठेगा और इजरायल का बचाव करेगा। इस तरह ट्रंप के बयान से साफ दिखता है कि अमेरिका डबल गेम खेल रहा है। एक ओर ईरान पर इजरायल की ओर से हमले का विरोध नहीं किया। वहीं उसी अटैक के बहाने ईरान पर दबाव भी बना दिया। ट्रंप ने कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि ईरान के पास परमाणु बम हो। इसलिए हम चाहते हैं कि ईरान बातचीत के लिए टेबल पर आए।

सिंधु जल संधि पर चेतावनी देने के साथ प्रार्थना भी कर रहे पाकिस्तान के नेता

ब्रुसेल्स (बेल्जियम)। पाकिस्तान के चेहरे से आतंकवाद का नकाब नोचे जाने के बाद उसके नेता दुनियाभर में

द्विअर्थी संवादों से जगहंसाई करवा रहे हैं। पहलगाम में आतंकी हमला करने के बाद भारत के सिंधु जल संधि पर वह गरम होने के साथ चिरौरी (प्रार्थना) भी करते नजर आते हैं। कुछ ऐसा ही ब्रुसेल्स में 13 जून को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कर दिखाया। बिलावल ने देश के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा कि पर्यावरण संसाधनों, खासकर पानी को हथियार में बदलने से क्षेत्र में शांति के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बिलावल ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि के तहत पानी को रोकता है, तो पाकिस्तान के पास इसका कड़ा जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि जैसे समझौतों को कमजोर करने से क्षेत्रीय शांति को नुकसान पहुंच सकता है और दक्षिण एशिया संघर्ष की ओर बढ़ सकता है। बिलावल ने कहा, भारत की आक्रामकता का जवाब नहीं दिया जाएगा। हम अपनी जमीन पर डटे रहेंगे। बताया गया है कि इससे पहले बिलावल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने बेल्जियम के सांसदों, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और यूरोपीय संसद के प्रमुख सदस्यों से मुलाकात की।

मध्य पूर्व में बिगड़े हालात के लिए ईरान जिम्मेदार इजराइल की रक्षा करेगा फ्रांस : राष्ट्रपति मैक्रों

इस्तांबुल (तुर्किये)/पेरिस (फ्रांस) , 14 जून (एजेंसियां) ।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि ईरान के हमला करने पर उनका देश इजरायल की रक्षा करेगा। उन्होंने यह जरूर साफ किया कि फ्रांस आक्रामक अभियान में हिस्सा नहीं लेगा। मैक्रों ने ईरान पर इजराइली हवाई हमलों के बाद बढ़े तनाव के जवाब में राजनयिक मार्ग की वकालत की। इसके अलावा मैक्रों ने साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से फिलिस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को स्थगित करने की पुष्टि की।

तुर्किये की सरकारी न्यूज एजेंसी अनादोलू की खबर में इस पर व्यापक चर्चा की गई है। अनादोलू के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों ने यह घोषणा शुक्रवार को की। मैक्रों ने कहा कि अगर ईरान जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर हमला करता है, तो फ्रांस इजरायल की रक्षा और बचाव के लिए आगे आएगा। उन्होंने कहा कि बढ़े तनाव को खत्म करने के लिए कूटनीतिक मार्ग बेहतर विकल्प हो सकता है।

मैक्रों ने कहा, पूरे क्षेत्र में अस्थिरता के बड़े जोखिम का सामना करते हुए फ्रांस अब सभी पक्षों से आग्रह करता है कि वे तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए सबसे अधिक संयम बरतें। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा एक गंभीर मामला है। एक अस्तित्वगत मामला है। इसे अब बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि ईरान ने सीमित निम्न-स्तरीय यूरेनियम संवर्धन की अनुमति देने वाले अमेरिकी प्रस्ताव को गंभीरता से नहीं लिया।

उन्होंने कहा, मैं इसे अत्यंत स्पष्टता के साथ कहता हूं कि ईरान के परमाणु हथियारों की ओर बढ़ने का जोखिम क्षेत्र, यूरोप और व्यापक रूप से सामूहिक स्थिरता के लिए खतरा है। हम ऐसी दुनिया में नहीं रह सकते जहां ईरान के पास परमाणु बम हो, क्योंकि यह एक अस्तित्वगत खतरा है और हमारी सुरक्षा के लिए खतरा है।

फ्रांस में शुक्रवार को आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की बैठक के बाद मैक्रोन ने यह भी घोषणा की, हमने अपने यहां सभी संभावित खतरों का सामना करने के लिए सेंटिनेल ऑपरेशन को मजबूत करने का फैसला किया है। नागरिकों, सैनिकों और दूतावासों की सुरक्षा की गारंटी के लिए कई उपाय अपनाए गए हैं।

उन्होंने यह भी पुष्टि की कि न्यूयॉर्क में फ्रांस और सऊदी अरब के संयुक्त रूप से आयोजित संयुक्त राष्ट्र समर्थित सम्मेलन को सुरक्षा कारणों से स्थगित कर दिया जाएगा। जल्द से जल्द नई तारीख तय की जाएगी। मैक्रॉन ने कहा, यह स्थगन किसी भी तरह से दो-राज्य समाधान के कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ने के हमारे दृढ़ संकल्प को कमजोर नहीं करेगा। चाहे परिस्थितियां कुछ भी हों। मैंने फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। यह पूर्ण है, और यह एक संप्रभु निर्णय है।

फ्रांसीसी प्रसारक बीएफएम टीवी चैनल-13 के अनुसार, ऑपरेशन सेंटिनेल के तहत सेना के 7,000 जवानों को प्रतिदिन पूजा स्थलों और संवेदनशील स्थलों के साथ-साथ स्कूलों, पर्यटन स्थलों, ट्रेन स्टेशनों और हवाई अड्डों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैनात किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर कहा गया है, इसका उद्देश्य फ्रांसीसी लोगों को रोजमर्रा के खतरों से बचाना है।

ऑपरेशन सेंटिनेल को फ्रांस में जनवरी 2015 के हमलों के बाद प्रभावी किया गया था। राष्ट्राध्यक्ष मैक्रों ने ईरानी सैन्य और परमाणु स्थलों पर इजराइल के बड़े हमलों के कुछ घंटों बाद यह बात कही। शुक्रवार की सुबह मैक्रों ने स्थिति पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद की बैठक की। उन्होंने बैठक के बाद कहा कि फ्रांस अपने हर नागरिक की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में सैन्य उपस्थिति पहले से है। उसे और सचेत कर दिया गया है।

इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार शाम कहा कि ईरान पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने के लिए जिम्मेदार है। ईरान परमाणु बम बनाने के महत्वपूर्ण चरण के करीब है। ऐसा होने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने देश के नागरिकों को मध्य पूर्व के देशों की यात्रा न करने की सलाह दी है।

ईरान-इजराइल के बीच हवाई संघर्ष तेज, तेल अवीव और तेहरान में भीषण विस्फोट

तेहरान (ईरान)/तेल अवीव (इजराइल) , 14 जून (एजेंसियां) ।

इजराइल की सैन्य कार्रवाई से प्रतिशोध की आग में झुलस रहे ईरान के जवाबी हमले से स्थिति और विस्फोटक हो गई है। अब से कुछ देर पहले ईरान की राजधानी तेहरान और इजराइल की राजधानी तेल अवीव पर भीषण विस्फोट हुए हैं। दोनों देशों ने मिसाइल और ड्रोन दागकर लोगों को थर्रा दिया।

अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के कारण तेल अवीव और तेहरान में और भीषण विस्फोट हुए हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरानी मिसाइलों ने यरुशलम में भारी तबाही मचाई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने माना है कि ईरान की मिसाइलें इजराइल में गरजी हैं। इससे उत्तरी इजराइल में काफी देर तक सायरन बजते रहे। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने कहा कि बीजिंग इजराइल की ईरान पर की गई सैन्य कार्रवाई के बाद बने हालात से चिंतित है। बीजिंग का मानना है कि क्षेत्र में तनाव बढ़ाना किसी के हित में नहीं होगा। चीन ने कहा कि इजराइल, ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन न करे। संयुक्त राज्य अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजराइल में ईरानी हमलों में एक महिला की मौत हो गई और लगभग 40 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि आज हमने ईरान से तीन बैलिस्टिक मिसाइलों का सामना किया। कल से अब तक ईरान ने लगभग 150 मिसाइल दागीं। उन्होंने कहा कि ईरान के पास मात्र2,000 बैलिस्टिक मिसाइलें हैं। वह ज्यादा दिन टिक नहीं पाएगा। खबर के अनुसार, ईरान ने अपने परमाणु स्थलों पर हमलों के जवाब में इजराइल पर मिसाइलें दागकर उसकी नाक में दम कर दिया है। इजराइली लड़ाकू विमानों और ड्रोन ने शुक्रवार रात और शनिवार सुबह ईरान के कई हिस्सों में तबाही मचाई और तेहरान के परमाणु स्थलों और सैन्य नेतृत्व पर हमला किया है। हमलों के बाद ईरान की ओर से जवाबी मिसाइलों की बौछार की गई। इनमें से कई मिसाइलें तेल अवीव में इमारतों से टकराईं। इस दौरान कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

फलस्तीन मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन स्थगित

फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च-स्तरीय सम्मेलन आयोजित होना था, लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया है। इजराइल और फलस्तीन के लिए द्वि-राष्ट्र समाधान पर अगले हफ्ते प्रस्तावित संयुक्त राष्ट्र के एक महत्वपूर्ण सम्मेलन को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। फ्रांस और सऊदी अरब को 17 से 20 जून तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से आयोजित किए जाने वाले उच्च-स्तरीय सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करनी थी। मैक्रों उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें इस सम्मेलन में हिस्सा लेना था। फलस्तीनी प्राधिकरण को उम्मीद थी कि यह सम्मेलन लंबे समय से बंद पड़ी शांति प्रक्रिया को बहाल करने में मददगार साबित होगा।

शांति पुरुष का सपना देख रहे ट्रंप को इजराइल ने दिया झटका, पुतिन पहले ही दिखा चुके आईना

तेलअवीव, 14 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में वैश्विक मंच पर शांति पुरुष बनने का सपना देख रहे थे। लेकिन उनके इस मिशन को उनके करीबी सहयोगी इजरायल और उससे पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तगड़ा झटका दिया है। इजरायल ने ट्रंप की सलाह को नजरअंदाज कर ईरान पर सैन्य हमला किया, जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराकर ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों को चुनौती दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से इजरायल से ईरान पर हमला न करने की अपील की थी। ट्रंप ने कहा था कि उनका लक्ष्य शांति स्थापित करना है। लेकिन इसी अपील के कुछ घंटों बाद, ट्रंप के करीबी दोस्त इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भीषण हमले की घोषणा कर दी।यह हमला ट्रंप के उस उद्देश्य को एक और झटका है, जिसमें वह खुद को शांति पुरुष बता रहे थे। इससे पहले, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी ट्रंप की यूक्रेन में युद्धविराम की अपील को खारिज कर दिया था। इसके साथ ही, इजरायल ने गाजा पट्टी में भी एक और बड़ा सैन्य अभियान जारी रखा है। यहां भी ट्रंप प्रशासन की देखरेख में हुआ संघर्षविराम अब टूट चुका है।

ओमान में बातचीत से पहले हमला

ट्रंप के मित्र और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ यूक्रेन-रूस, इजरायल-गाजा और इजरायल-ईरान इन तीनों संकटों में मध्यस्थता कर रहे हैं। वह रविवार को ओमान में ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करने वाले थे। ऐसे में इजरायल का हमला न केवल चौंकाने वाला प्रतीत हो रहा है, बल्कि अमेरिकी कूटनीति को भी कमजोर करता है।हालांकि ट्रंप ने बाद में खुद को इजरायल से पूरी तरह अलग नहीं किया। कुछ सूत्रों ने कहा कि अमेरिका के सार्वजनिक बयानों का उद्देश्य ईरान को चौंकाना था। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान ने उनकी शर्तें मानने से इनकार कर दिया और हमला 60-दिवसीय अल्टीमेटम के एक दिन बाद हुआ, हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इसके बावजूद विटकॉफ की बातचीत क्यों तय थी।

अमेरिका-इजरायल के रुख में दरार

पूर्व पेंटागन अधिकारी और वॉशिंगटन इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ फेलो डैना स्ट्रौल ने कहा, हम स्पष्ट रूप से देख रहे हैं कि अमेरिका और इजरायल के दृष्टिकोण में अब एक मोड़ आ गया है। उन्होंने कहा कि ये हमले ईरान के परमाणु कार्यक्रम को कुछ समय के लिए बाधित करेंगे, लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका और इजरायल अब एक साथ मिलकर आगे क्या करेंगे। स्ट्रौल ने यह भी कहा कि ट्रंप और इजरायल के बीच पहले से ही मतभेद उभर रहे थे, खासकर जब ट्रंप ने सीरिया पर लगे प्रतिबंध हटा दिए थे और पूर्व इस्लामी लड़ाका अहमद अल-शराआ को सत्ता में आने के बाद स्वीकार कर लिया।

मोहम्मद यूनुस राजनीतिक अस्थिरता के बीच लंदन में बीएनपी को साध बांग्लादेश लौटे

ढाका, 14 जून (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश में आगामी आम चुनाव की तारीखों की घोषणा पर मची राजनीतिक अस्थिरता के बीच अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रो, मोहम्मद यूनुस लंदन से आज स्वदेश लौट आए। मुख्य सलाहकार के वरिष्ठ सहायक प्रेस सचिव फोयेज अहमद ने कहा कि वो चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पूरी कर ढाका लौटे। इस दौरान लंदन में प्रो. यूनुस की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान से कल हुई मुलाकात ने राजनीतिक विश्लेषकों के कान खड़े कर दिए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान आम चुनाव की मांग पर अंतरिम सरकार को घेरते रहे हैं। वह 16 साल से लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं। इस मुलाकात के बाद उनके स्वदेश लौटने की संभावना बढ़ गई है। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने लंदन के एक होटल में शुक्रवार को प्रो. यूनुस से मुलाकात की। दोनों के बीच बांग्लादेश के अगले आम चुनाव, सुधार और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। सनद रहे लंदन में दोनों के बीच चर्चा के बाद जारी बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया, %%मुख्य सलाहकार ने घोषणा की है कि चुनाव अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े तक होंगे। यदि सभी तैयारियां पूरी हो जाती हैं तो चुनाव 2026 में रमजान की शुरुआत से पहले के सप्ताह में भी हो सकते हैं। सनद रहे तारिक रहमान यही मांग करते रहे हैं।

इस बयान में यह भी कहा गया कि बीएनपी अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया का भी मानना है कि अगर चुनाव इसी समय पर कराए जाएं तो बेहतर होगा। राजनीतिक विश्लेष मानकर चल रहे हैं कि मोहम्मद यूनुस और तारिक रहमान के बीच हुई बैठक बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। इस समय खालिदा जिया की बीएनपी बांग्लादेश में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पर चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाया चुका है। लंदन में प्रो. यूनुस का ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से मुलाकात का भी कार्यक्रम था। स्टारमर ने अवामी लीग की चिंताओं के बाद यूनुस से मिलने से इनकार कर दिया।

खबर के अनुसार, इस दौरान प्रो. यूनुस ने पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन से टेलीफोन पर बातचीत की। 12 जून को उन्हें लंदन के सेंट जेम्स पैलेस में किंग चार्ल्स तृतीय हार्मनी अवार्ड मिला। उन्होंने इंडो-पैसिफिक के लिए यूके संसदीय अवर सचिव कैथरीन वेस्ट, यूके हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर सर लिंडसे हॉयल, यूके के व्यापार और व्यापार सचिव और व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स, यूके के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोनाथन पॉवेल, एयरबस के कार्यकारी उपाध्यक्ष वाउटर वान वर्श और मेन्जीस एविएशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष चार्ल्स वाइली, राष्ट्रमंडल महासचिव शर्ली अयोर्कर बोचवे और ब्रिटेन के सांसदों के एक समूह से मुलाकात की।

ईरान– इजराइल जंग से भारत सहित दुनियाभर के बाजार में हड़कंप

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागी, जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव और भयावह दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट आई और तेल की कीमतों में उछाल देखने को मिला।

अमेरिकी शेयर बाजार वॉल स्ट्रीट में भारी गिरावट

भारत समेत दुनिया भर के बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिकी शेयर बाजार इंडेक्स एसएंडपी 500 में 1.1 फीसदी की गिरावट आई, जिससे एक हफ्ते की तेजी बंद हो गई। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स में 7.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो मार्च 2022 के बाद सबसे तेज उछाल है। भारत में भी शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी में करीब 0.7 फीसदी की गिरावट आई, निफ्टी शुरुआत में करीब 1 फीसदी से ज़्यादा टूट गया था। तेल शेयरों में गिरावट हुई, जबकि ओएनजीसी और आइल इंडिया ने कच्चे तेल की तेजी से लाभ कमाया।

अडानी पोर्ट में 3 फीसदी की गिरावट हुई, जिसका कारण इजराइल के हाइफा पोर्ट से जुड़े होने के कारण हुआ। व्यापक बाजार दबाव में था और विदेशी निवेशक भारतीय इक्विटी में शुद्ध विक्रेताएं हैं।

सोमवार को बाजार में उथल-पुथल दिखाई दे सकती है, तेल की कीमतों में और वैश्विक अर्थव्यवस्था में हो सकती है अध्यापक बाधा।

तकनीकी विश्लेषकों के अनुसार निफ्टी के 24,500 एक महत्वपूर्ण समर्थन स्तर है जिसका उलंघन और नुकसान ला सकता है। अगर ये युद्ध जारी रहता है तो बाजार में और उथल-पुथल आ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

स्पाइसजेट का मुनाफा तीन गुना होकर 325 करोड़ पहुंचा

मुंबई। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 119 करोड़ रुपये था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपये से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपये हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपये रह गया ।

भारत में तेज रफ्तार कारें बनी अब हकीकत

नई दिल्ली। भारत में अब तेज रफ्तार कारें अब सपना नहीं बल्कि हकीकत है। देश की सबसे तेज कारें अब इलेक्ट्रिक हैं और वो भी मेड-इन-इंडिया। टाटा हैरियर ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी 9ई और महिंद्रा बीई 6 जैसी मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी अब सिर्फ 6.3 से 6.7 सेकेंड में 100 की रफ्तार पकड़ लेती हैं। इनकी कीमत 18.90 लाख से 30.50 लाख रुपये के बीच है, जो आम खरीदारों की पहुंच में है। टाटा हैरियर ईवी सबसे तेज टाटा कार है जो 6.3 सेकंड में 100 की रफ्तार पकड़ सकती है। इसमें 65 और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी विकल्प, 627 किमी तक की रेंज और ड्यूल मोटर ऑल-व्हील ड्राइव जैसी खूबियां हैं। महिंद्रा एक्सयूवी 9ई 6.7 सेकेंड में 100 की स्पीड पकड़ती है और इसकी रेंज 656 किमी तक जाती है। इसमें इंग्लो प्लेटफॉर्म, फास्ट चार्जिंग और कूपे जैसा स्टाइल है। वहीं महिंद्रा [illegible] 6 भी 6.7 सेकेंड में 0-100 की स्पीड तक पहुंचती है, इसका डिज़ाइन बोल्ड है और 683 किमी तक की रेंज देती है। अब ईवी सिर्फ पैसे और पर्यावरण की बात नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और थ्रिल का भी दूसरा नाम बन चुकी हैं। इन मेड-इन-इंडिया कारों ने दिखा दिया है कि अब बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी कंपनियों की रफ्तार को टक्कर देने के लिए बैटरी से चलने वाली भारतीय कारें भी तैयार हैं। बता दें कि कुछ साल पहले तक 7 सेकेंड से कम समय में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार हासिल करना केवल महंगी लग्जरी सेडान या हाई-एंड एसयूवी का सपना होता था। लेकिन अब यह सपना भारत में बना हकीकत है।

भारतीय बाजार में टाटा की एसयूवी हैरियर ईवी लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक एसयूवी हैरियर ईवी को लॉन्च कर दिया है। टाटा मोटर्स ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 21.49 लाख रुपये तय की है। टाटा हैरियर ईवी को लेकर ग्राहकों में लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई थी, और अब इसके लॉन्च के साथ कंपनी ने एक बार फिर भारतीय ईवी मार्केट में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज की है। इस इलेक्ट्रिक वाहन की बुकिंग 2 जुलाई से शुरू होगी। यह एसयूवी एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर से अधिक की ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम है, जो इसे लंबी यात्राओं के लिए बेहद उपयुक्त बनाता है। इस ईवी में कंपनी ने कई आधुनिक और यूनीक फीचर्स जोड़े हैं। इसमें दिया गया नया 540-डिग्री कैमरा सिस्टम पारंपरिक 360-डिग्री कैमरे से अलग है, क्योंकि यह ट्रांसपेरेंट मोड में सड़क के नीचे की स्थिति भी दिखा सकता है, जिससे खराब रास्तों और गड्ढों में चलाना आसान होता है। टाटा हैरियर ईवी में छह मल्टी-टेरेन ड्राइविंग मोड दिए गए हैं जो विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर ट्रैक्शन और कंट्रोल प्रदान करते हैं। इस गाड़ी में 14.5 इंच का नियो क्यूएलईडी इंफोटेनमेंट सिस्टम लगा है, जो टाटा की किसी भी कार में अब तक का सबसे बड़ा डिस्प्ले है। इसके अलावा डिजिटल रियर व्यू मिरर की सुविधा भी दी गई है, जो कैमरे की मदद से रियर व्यू दिखाता है और डैशकैम के तौर पर काम करता है। हैरियर ईवी इन सभी खूबियों के साथ एक प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी के रूप में सामने आई है।

एसबीआई ने लोन दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की, नई दरें 15 जून से प्रभावी

एसबीआई का होम लोन 0.50 फीसदी हुआ सस्ता, अब 7.50 फीसदी पर मिलेगा कर्ज

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो रेट में संशोधन के करने के बाद कई बैंकों ने अपने लेंडिंग रेट में कटौती की है। इसी कड़ी में देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी प्रमुख लोन दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की है। नई दरें 15 जून से लागू होंगी। स्टेट बैंक ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि लोन की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एसबीआई से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो जाएगा। अब एसबीआई की होम लोन की ब्याज दर सालाना आधार 7.50 फीसदी से शुरू होंगी। ये नई दरें 15 जून, 2025 से प्रभावी होंगी।

इस कटौती के बाद एसबीआई होम लोन की ब्याज दर उधारकर्ता के सिबिल स्कोर के आधार पर 7.50 फीसदी से 8.45 फीसदी तक होगी। एसबीआई होम लोन मैक्सगेन ओडी ब्याज दर 7.75 फीसदी से 8.70 फीसदी के बीच है। इसके अलावा टॉप अप होम लोन के लिए ब्याज दर 8 फीसदी से 10.50 फीसदी के बीच है। इससे पहले यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.50 फीसदी तक घटाई है। स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का ऋणदाता बैंक है। रेपो दर में कटौती से विभिन्न ऋण-लिंक्ड बेंचमार्क प्रभावित होते हैं, जिनमें बाहरी बेंचमार्क दर (ईबीआर), बाहरी बेंचमार्क उधार दर (ईबीएलआर) और रेपो लिंक्ड उधार दर (आरएलएलआर) शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि रेपो रेट में कटौती करने से बैंकों को केंद्रीय बैंक से कम ब्याज दरों पर लोन मिलता है, जिसके चलते बैंक ग्राहकों को होम लोन सस्ती दरों पर देते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है, जो घटकर अब 5.50 फीसदी पर आ गई है। आरबीआई के रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों ने भी अपने लोन दरों में कटौती शुरू कर दी है।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की विदेशी मुद्रा कमाई में भारत हिस्सा ज्यादा

मुंबई (ईएमएस)। भारत में मेक इन इंडिया नीति के प्रयासों ने देश के स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को विदेशी बाजारों तक पहुंचाने में मदद की है। चीन की बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर निर्मित उत्पादों के साथ भारतीय कंपनियां अब विश्वभर में अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए हैं। इन कंपनियों के साथ ही भारतीय मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बना रही हैं। सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत कुछ कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिल रही है। ओप्पो और रियलमी मोबाइल इंडिया ने विदेशी मुद्रा में कहीं-कहीं उच्च आंकड़े प्राप्त किए चीन पर लगे टैरिफ और तनावों ने चीनी कंपनियों को भारत की ओर मोड़ने पर मजबूर किया है, जिससे भारत वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक महत्वपूर्ण निर्यात केंद्र बन सकता है। इस उत्थान से मानव समुदाय को नये उत्पादों और तकनीकी उन्नति में लाभ होगा, जिससे भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा है।

भारत आईआरईएल के साथ 13 साल पुराना निर्यात समझौता रोकेगा

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

भारत की रेयर अर्थ प्रोसेसिंग की क्षमता में वृद्धि होगी

भारत सरकार ने अपनी रेयर अर्थ मेटल्स को घरेलू जरूरतों के लिए बचाने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इसके तहत, सरकार ने स्टेट-रन कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) से जापान के साथ 13 साल पुराने निर्यात समझौते को रोकने के लिए कहा है। जापान का यह इस्तेमाल होता है इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर में। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में आईआरईएल को रेयर अर्थ, खासकर नियोडिमियम, का निर्यात रोकने को कहा है।

इससे भारत की रेयर अर्थ प्रोसेसिंग की क्षमता में वृद्धि होगी। यह भी उजागर करना जरूरी है कि भारत की जरूरतें हों तो उन्हें अपने अंदर ही पूरा किया जा सके। आईआरईएल की ओर से यह कदम भारत की स्वायत्तता और उसकी मजबूती का प्रतीक है। आने वाले समय में हमें देखने को मिलेगा कि कैसे यह फैसला भारतीय रेयर अर्थ उद्योग को एक नई दिशा देगा। बता दें कि भारत के पास दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा रेयर अर्थ मेटल्स रिजर्व है, जो 6.9 मिलियन मीट्रिक टन है, लेकिन अभी मैग्नेट प्रोडक्शन की कोई घरेलू व्यवस्था नहीं है। मार्च 2025 तक भारत ने 53,748 मीट्रिक टन रेयर अर्थ मैग्नेट आयात किए, जो ज्यादातर चीन से आए। आईआरईएल ओडिशा में एक एक्सट्रैक्शन प्लांट और केरल में एक रिफाइनिंग यूनिट चलाता है।

क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय की आयकर विभाग कर रहा जांच

मुंबई। अगर आपने क्रिप्टोकरेंसी से कमाई की है और उसे आयकर रिटर्न में नहीं दिखाया है, तो आपको अब सतर्क रहने की आवश्यकता है। आयकर विभाग ने ऐसे हजारों लोगों को ई-मेल भेजकर उनकी क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय की जानकारी देने के लिए साधारित किया है। माना जा रहा है कि कुछ लोग बिना हिसाब की आय को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश कर रहे हैं और टैक्स चोरी या मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका भी है। आयकर विभाग ने इन लोगों से उनके आय से संबंधित जानकारी देने के लिए योग्यता की मांग की है। यह कार्रवाई क्रिप्टो एक्सचेंजों से मिले टीडीएस डेटा और करदाताओं द्वारा दाखिल आईटीआर के बीच मिलान के आधार पर की जा रही है।

पंजाब के दूध, घी और पनीर के 1162 में से 415 सैंपलों में मिलावट: रिपोर्ट

पंजाब में भोजन सुरक्षा विभाग ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में बिकने वाले दूध, पनीर, और घी में सब कुछ ठीक नहीं है। विभाग ने लिए गए 1162 सैंपलों से पता चला कि 415 सैंपलों में मिलावट थी। रिपोर्ट के अनुसार इन नमूनों में प्राकृतिक वसा की बजाय रिफाइंड ऑयल, वैजिटेबिल ऑयल, पनीर में एसिड, सोया की अत्यधिक मौजूदगी, तेल, डिटर्जेंट, और यूरिया मिला हुआ था। कुछ नमूनों में ग्लूकोज को भी मिलाया गया था। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट ने खुलासा किया कि 26.71 प्रतिशत दूध, 21.62 प्रतिशत घी, और 48.02 प्रतिशत पनीर के सैंपल मानवीय उपयोग के लिए असुरक्षित पाए गए हैं। आईसक्रीम और खोया में भी गड़बड़ी पाई गई। आईसक्रीम और खोया में भी गड़बड़ी पाई गई आंकड़ों के मुताबिक इन असुरक्षित सैंपलों का सेवन करने से व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

इजराइल –ईरान तनाव: भारत सरकार सतर्क अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं

मुंबई, 14 जून (एजेंसियां)।

इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ते जा रहे हैं और इसके विभागीय असर को लेकर भारत सरकार सतर्क है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था पर इस संघर्ष का बड़ा प्रभाव अभी तक नहीं पड़ा है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की संभावना है जो भारतीय शेयर बाजार, रुपए की कमजोरी और समुद्री मालवाहन खर्चों में वृद्धि को प्रेरित कर सकती है। वित्त मंत्रालय और अन्य संबंधित संस्थाएं बाजार की स्थिति पर नजर रख रही हैं और अब भी विश्वास है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत है और जटिलताओं से निपटने में सक्षम है। यदि कोई असर पड़ता है, तो यह अस्थायी होगा और दीर्घकालिक प्रभाव की संभावना कम है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो वैश्विक बाजारों की चल रही गिरावट का परिणाम था। निवेशकों में भय का माहौल बनने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट आई। इजरायल द्वारा ईरान पर हमले की खबर से कच्चे तेल की कीमतों में 12 फीसदी की तेजी आई, लेकिन बाद में पता चला कि हमला परमाणु प्रतिष्ठानों पर हुआ था।

भारत जापान के बीच दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर हालात गंभीर

आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन उपलब्ध कराने की जरुरत

नई दिल्ली,14 जून (एजेंसियां)।

भारत और जापान के बीच 13 साल पुराने समझौते के मध्यम से परिष्कृत दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आपूर्ति पर बड़े परिवर्तन की संभावना खड़ी हो गई है। चीन से मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा होने से गृहित स्टॉक और निर्यात को लेकर मामले में तनाव बढ़ रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब वह यह दावा करे हैं कि जापान के ऊपर भारत को सीमित करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, वे विश्वस्त भारत-जापान समझौते को ध्यान में रखकर यदि दुर्लभ खनिज की बेहतर आपूर्ति के लिए उचित समझौते की मांग कर रहे हैं। वाहन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस संकटकाल में हमें आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन उपलब्ध कराने की जरुरत है। वे कहते हैं कि भारत के साथ तकनीकी सहयोग करके मैग्नेट उत्पादन को बढ़ावा देना आवश्यक है। सरकारी स्त्रोतों के अनुसार सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता सेध्यान दे रही है ।

बजाज फायनेंस ने की 1 शेयर पर 4 शेयर बोनस देने की घोषणा, रिकॉर्ड डेट 16 जून तय

नई दिल्ली। सोमवार को बजाज फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जिसमें कंपनी एक बड़ी खुशखबरी भी लाई है। बजाज फाइनेंस ने एक हिस्सों में अपने शेयरों का बंटवारा किया है और इसके साथ ही 4 शेयर बोनस भी देने की घोषणा की है। इसके लिए रिकॉर्ड डेट को 16 जून तय किया गया है। यह पहली बार नहीं है जब बजाज फाइनेंस ने एक्स-बोनस ट्रेड की है। कंपनी ने पहले भी 2016 में ऐसा किया था। एक्स-बोनस ट्रेड के माध्यम से निवेशकों को एक शेयर पर 4 शेयर बोनस मिलेगा। बजाज फाइनेंस के शेयरों की कीमतों में पिछले वर्ष में 28 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। कंपनी का 52 हफ्ते का हाई 9785.90 रुपये और निम्नतम स्तर 6426.05 रुपये है।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 27वें संस्करण की रौनक बढ़ाएंगे सांसद मनोज तिवारी, आज दिल्ली में होगा आयोजन

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता-गायक मनोज तिवारी राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहे फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 27वें संस्करण की शान बढ़ाएंगे। यह आयोजन 15 जून को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा, जो फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के सहयोग से आयोजित हो रहा है।

इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में पीईएफआई अध्यक्ष डॉ. एके बंसल (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और पूर्व भारतीय हॉकी कोच), 1992 एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोडारा, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़ के प्रोफेसर व निदेशक (खेल) डॉ. त्रिभुवन राम नारायण और सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब सोसाइटी दिल्ली के स्विमिंग कोच मनजीत शेखावत शामिल होंगे। इस साइक्लिंग ड्राइव का आयोजन देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर एक साथ किया जाएगा, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियां, साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, साई ट्रेनिंग सेंटर्स, खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और खेलो इंडिया सेंटर्स भी शामिल हैं। इस मुहिम में 15,000 से अधिक नागरिकों के भाग लेने की संभावना है। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल अभियान की शुरुआत दिसंबर 2024 में युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा की गई थी। तब से यह अभियान देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित हो चुका है, जिसमें 3.5 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। इससे पहले आयोजित कार्यक्रमों में भारतीय सेना के जवान, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, भारतीय रेल और लवलीना बोरगोहेन, संग्राम सिंह, नीतू घंघास, सावित्री बूरा, पेरिस पैरालंपिक पदक विजेता नितेश कुमार, मनीषा रामदास, रुबिना फ्रांसिस, सिमरन शर्मा जैसी खेल हस्तियां और राहुल बोस, अमित सियाल, शारवरी वाघ, मधुरिमा तुली और गुल पनाग जैसी फिल्मी हस्तियां भी भाग ले चुकी हैं। यह पहल युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, माय बाइक्स और माय भारत के सहयोग से आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य भारत में फिटनेस को बढ़ावा देना है।

न्यूज ब्रीफ

एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप : भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने वॉल्ट में जीता कांस्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के जेचियोन जिमनैजियम में चल रही एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2025 में भारत की प्रणति नायक ने वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। शनिवार को हुए फाइनल में 30 वर्षीय प्रणति ने 13.466 स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में चीन की यिहान झांग ने स्वर्ण और वियतनाम की गुयेन थी क्विन्ह न्हु ने रजत पदक जीता। वहीं भारत की ही एक और प्रतिभागी प्रतिष्ठा सामंता 13.016 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। यह कांस्य पदक प्रणति नायक के एशियाई चैंपियनशिप करियर का तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 (उलानबातार) और 2022 (दोहा) में भी वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने दीपा करमाकर के दो पदकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली जिम्नास्ट बन गई हैं। इस साल मार्च में भी प्रणति ने तुर्की के अंताल्या में हुए आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक अप्परैटस वर्ल्ड कप में वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनका यह निरंतर प्रदर्शन भारतीय जिम्नास्टिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-2 से हराया, अभिषेक का डबल गोल गया बेकार

एंटवर्प। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपियन चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एक और करारी हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को खेले गए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में कमजोर पड़ती डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर पर मिली गोलों की मार ने भारत को 3-2 से हार का स्वाद चखाया। 2-0 की बढ़त गंवाकर भारत को मिली लगातार पांचवीं हार टीम इंडिया के लिए अभिषेक (8', 35') ने दो शानदार गोल किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एफराम्स (42'), जोएल रिंटाला (56') और टॉम क्रेग (60') ने गोल कर अपनी टीम को शानदार वापसी दिलाई। भारत की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। 8वें मिनट में मनप्रीत सिंह (जो अपने 399वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेल रहे थे) के मिडफील्ड से मिले शानदार पास को अभिषेक ने गोल में तब्दील कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दो मिनट बाद ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी कॉर्नर से वापसी की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार सेव कर भारत की बढ़त बरकरार रखी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी लय बनाए रखी और ऑस्ट्रेलियाई हमलों को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में भारत की रणनीति सतर्कता की रही। मनदीप सिंह द्वारा मनप्रीत को दिए गए तेज पास से भारत गोल करने के करीब पहुंचा लेकिन गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन इसी बीच 35वें मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार असिस्ट पर अभिषेक ने एक और गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 42वें मिनट में नाथन एफराम्स के गोल से खाता खोला। इसके बाद अंतिम क्वार्टर भारत के लिए चुनौतीभरा साबित हुआ। सूरज करकेरा ने कई बेहतरीन बचाव किए, लेकिन 56वें मिनट में जोएल रिंटाला ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

हार से गुस्साएं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्नस लाबुशेन ने फैंस से तू-तड़ाक शुरु की

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में हार की कगार पर है। इंग्लैंड के लॉर्ड्स में एडन मारक्रम की यादगार सेंचुरी और कप्तान तेंबा बवूमा की शानदार पारी ने कंगारू गेंदबाजों की दम निकल दी है। लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतने की उम्मीदों पर पानी फिरता देखकर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बुरी तरह से बौखला हुए हैं। 3 दिन का खेल खत्म होने के बाद जब फैंस ने कंगारू टीम के खिलाड़ियों की हूटिंग करनी शुरु की हैं, तब मार्नस लाबुशेन फैंस से उलझ गए और बुरा बर्ताव किया। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में साउथ अफ्रीका की टीम इतिहास रचने के कगार पर है। टॉस जीतकर कप्तान बवूमा ने पहले गेंदबाज चुनी और पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर ढ़ेर कर दिया। हालांकि साउथ अफ्रीका को 138 रन पर ऑल आउट कर कंगारू टीम ने जोरदार वापसी लेकिन दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी खस्ता हाल दिखी। महज 207 रन पर पूरी कंगारू टीम निपट गई और साउथ अफ्रीका को 282 रन का लक्ष्य दिया।

कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर 29 जून को होगा फैसला : कल्याण चौबे

नई दिल्ली, 14 जून (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को कहा है कि भारत की पुरुष फुटबॉल टीम के कोच मनोलो मार्केज़ के भविष्य पर निर्णय 29 जून को होने वाली कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिया जाएगा।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड मनोलो मार्केज़ एक अनुभवी और भारतीय फुटबॉल को समझने वाले कोच हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे कई कॉल्स आ रही हैं कि क्या वह कोच बने रहेंगे या नहीं। इस पर अंतिम निर्णय कार्यकारिणी की बैठक में लिया जाएगा। हालांकि, यह सोचना अवास्तविक है कि बिना गोल किए हम जीत सकते हैं।वर्ल्ड मार्केज़ ने इगोर स्टिमाक की जगह भारतीय टीम के कोच का पद संभाला था, लेकिन अब तक वह एक भी प्रतिस्पर्धात्मक मैच जीतने में नाकाम रहे हैं। एएफसी एशियन कप क्वालिफायर में भारत को हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 0-1 से हार और बांग्लादेश से गोलरहित ड्रॉ ने आलोचनाओं को जन्म दिया है और कोच को हटाने की मांग तेज हो गई है।

ओसीआई खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल करने की कवायद - कल्याण चौबे ने बताया कि एआईएफएफ उन भारतीय मूल के विदेशी खिलाड़ियों यानी ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) को टीम में शामिल करने के लिए कई सरकारी विभागों के संपर्क में है।

उन्होंने कहा, वर्ल्ड हमने इस विषय पर सरकार के कई मंत्रालयों से संवाद शुरू किया है और शुरुआती प्रतिक्रिया उत्साहजनक रही है। हम 33 ऐसे खिलाड़ियों से संपर्क में हैं जिनमें से कुछ के पास ओसीआई कार्ड है और कुछ आवेदन की प्रक्रिया में हैं। हम उन्हें इस प्रक्रिया में सहायता भी दे रहे हैं।

आईएसएल में भारतीय स्ट्राइकरों की कमी चिंता का विषय - भारतीय सुपर लीग (आईएसएल) में भारतीय स्ट्राइकरों की भागीदारी कम होने को लेकर भी सवाल उठे।

कल्याण चौबे ने कहा, वर्ल्ड विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में कटौती पर एआईएफएफ अकेले निर्णय नहीं ले सकता। सभी हितधारकों को मिलकर निर्णय लेना होगा।

एआईएफएफ द्वारा की गई एक प्रस्तुति के अनुसार, भारत के तीन हालिया कोचों — स्टीफन कॉन्स्टैन्टाइन, इगोर स्टिमाक, और मनोलो मार्केज़ — के कार्यकाल में टीम के प्रदर्शन की तुलना की गई:

कॉन्स्टैन्टाइन: प्रति मैच गोल - 1.64 7 जीत प्रतिशत - 57प्रतिशत

स्टिमाक: प्रति मैच गोल - 1.01 7 जीत प्रतिशत - 35प्रतिशत

मार्केज़: प्रति मैच गोल - 0.75 7 जीत प्रतिशत - 13प्रतिशत

इसके अलावा यह भी बताया गया कि भारतीय स्ट्राइकरों को उनके क्लबों में नियमित रूप से सेंटर फॉरवर्ड की भूमिका नहीं मिलती, जिससे राष्ट्रीय टीम में उन्हें नए पोजीशन में खेलने में मुश्किल होती है।

चौबे ने कहा, वर्ल्ड हमने पिछले 10 सालों में अच्छे स्ट्राइकर तैयार नहीं किए हैं। सुनील छेत्री का समर्पण और फिटनेस काबिले-तारीफ है, लेकिन अब नए फॉरवर्ड्स की जरूरत है।

2031 एएफसी एशियन कप की मेजबानी पर भारत की नजर - कल्याण चौबे ने बताया कि भारत ने 2031 एएफसी एशियन कप की मेजबानी के लिए 'इच्छा पत्र' जमा कर दिया है। इसके अलावा भारत भविष्य में एएफसी बीच सॉकर और फूटसाल टूर्नामेंट की मेजबानी की योजना भी बना रहा है। उन्होंने कहा, वर्ल्ड हम नीचे से ऊपर की ओर काम करने की रणनीति पर चल रहे हैं। 2031 एशियन कप की मेजबानी के साथ हम भविष्य में किसी फीफा टूर्नामेंट की मेजबानी के बारे में भी सोच सकते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि कानूनी मामलों और अदालती कार्यवाहियों में एआईएफएफ का काफी समय और पैसा खर्च हो रहा है, जिसे फुटबॉल के विकास में लगाया जाना चाहिए।

सगाई के बाद पहली बार ससुराल पहुंचे रिंकू सिंह...शर्म से लाल हो गई प्रिया

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी सांसद प्रिया सरोज की सगाई चर्चा के केंद्र में है। हर ओर सिर्फ इस खूबसूरत जोड़ी को लेकर ही बातें की जा रही है। सगाई के बाद पहली बार रिंकू सिंह के ससुराल पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। सास दरवाजे पर उनके लिए फूलों से भरा थाल लेकर आई। वहीं पत्नी प्रिया शर्म से लाल हो गई। सोशल मीडिया पर रिंकू सिंह का वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने 8 जून को सांसद प्रिया सरोज के साथ लखनऊ में सगाई की। दोनों की सगाई में क्रिकेट जगत की हस्ती सहित बड़े नेता शामिल हुए। 3 साल से दोनों एक दूसरे को जानते हैं। जानकारी के मुताबिक रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की मुलाकात किसी दोस्त ने कराई थी 18 नवंबर 2025 को वाराणसी में दोनों शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। पहली बार ससुराल पहुंचने उनका बहुत ही शानदार स्वागत हुआ। दरवाजे पर पहुंचने पर उनके लिए सास गुलाब की पंखुड़ी से भरी थाल लेकर पहुंची। रिंकू ने सबसे पहले सास के पैर छुए और फिर उन्होंने होने वाले दामाद को टीका लगाया। इसके बाद गुलाब की पंखुड़ी को रिंकू के ऊपर छीटा।

फिडे वर्ल्ड रैपिड और ब्लिट्ज़ टीम चैंपियनशिप

अर्जुन एरिगैसी की अगुवाई में टीम एमजीडी1 ने रैपिड खिताब जीत रचा इतिहास

लंदन, 14 जून (एजेंसियां)।

भारतीय शतरंज के इतिहास में एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब पुणे स्थित टीम एमजीडी 1 ने अर्जुन एरिगैसी की कप्तानी में फिडे वर्ल्ड रैपिड एंड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप 2025 का रैपिड खिताब जीत लिया। यह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय-प्रायोजित टीम बन गई है।

टीम एमजीडी1 केवल एक शतरंज टीम नहीं बल्कि एक शतरंज प्रबंधन और निवेश संस्था है, जो प्रतिभाओं को संवारने, टूर्नामेंट आयोजित करने और अपनी फ्लैगशिप टीम को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उतारने का कार्य करती है। इस टीम की खासियत यह रही कि यह पूरी तरह भारतीय प्रतिभाओं पर आधारित रही, जिसमें अर्जुन एरिगैसी के अलावा पेंटाला हरिकृष्णा, लियोन ल्यूक मेंडोंका, प्रणव वी और अथर्व पी. तायड़े शामिल रहे।

आखिरी दौर में रोमांचक जीत - फाइनल राउंड में एमजीडी1 का मुकाबला माल्कम्स मेट्स से हुआ, जहां अर्जुन एरिगैसी, प्रणव वी और अथर्व तायड़े ने निर्णायक जीतें दर्ज करते हुए टीम को ऐतिहासिक खिताब दिलाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमजीडी1 का मुख्य मुकाबला हेक्सामाइंड टीम से रहा, जिसमें लेवोन अरोनियन, विदित गुजराती और दिव्या देशमुख जैसे सितारे शामिल थे। हेक्सामाइंड ने अंततः 1 मैच प्वाइंट से पीछे रहकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली फ्रीडम टीम ने 17 अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पहले दिन की मुख्य झलकियां टूर्नामेंट के पहले दिन चार राउंड के बाद एमजीडी1 ने 4 में से 4 मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया। वहीं अलीरेज़ा फिरोज़ा, हिकारू नाकामुरा और अलेक्ज़ांद्रा कोस्टेनियुक जैसे दिग्गजों वाली डब्ल्यूआर चेस टीम ने विश्वनाथन आनंद की फ्रीडम टीम से ड्रॉ खेला और दूसरे स्थान पर रही। इस बार टूर्नामेंट में दो प्रमुख नाम मैग्नस कार्लसन और इयान नेपोमनियाची - शामिल नहीं हो सके।

सबसे ज्यादा आईसीसी ट्रॉफी विजेता देश ऑस्ट्रेलिया, भारत दूसरे नंबर पर

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक देश आज एक और आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम कर लेगा। पहले तीन दिन के खेल के बाद द.अफ्रीका का पलड़ा भारी है। शनिवार को चौथे दिन पहले ही सेशन में रिजल्ट आ जाएगा। अगर द. अफ्रीका जीतता हैं, तब यह उसकी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी होगी। और ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी तब उसके नाम 11वीं ट्रॉफी होगी। आईसीसी यानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था है, जो पूरी दुनिया में इस खेल को संचालित करती है। इसमें पुरुष और महिला क्रिकेट दोनों शामिल हैं। 1973 में पहला आईसीसी वर्ल्ड कप (महिला) खेला गया, इस इंग्लैंड ने जीता था। पुरुष क्रिकेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी 1975 में वेस्टइंडीज ने जीती थी। पुरुष क्रिकेट में आईसीसी चार कैटेगरी में वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करती है। वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और चैंपियंस ट्रॉफी। इन सभी को मिलाकर ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 10 खिताब जीते हैं। उसके नाम ही सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी का रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 6 वनडे वर्ल्ड कप और एक टी20 वर्ल्ड कप जीता है। साथ ही एक-एक चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीसी टाइटल भी जीता है। लेकिन अगर दक्षिण अफ्रीका मैच जीत जाता हैं तब 27 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम करेगा।

मेसी फीफा क्लब विश्व कप में इंटर मियामी का नेतृत्व करने के लिए उत्सुक

मियामी, 14 जून (एजेंसियां)।

फुटबॉल महानायक लियोनेल मेसी ने कहा है कि 2025 में अमेरिका में होने वाले फीफा क्लब विश्व कप के लिए उनकी उम्मीदें पहले के मुकाबलों से अलग होंगी, जब वह बार्सिलोना की ओर से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भाग लेते थे।

मेसी 2009, 2011 और 2015 में बार्सिलोना के साथ क्लब विश्व कप जीत चुके हैं। इस बार यह टूर्नामेंट विस्तारित 32 टीमों के फॉर्मेट में खेला जाएगा, जो चार सप्ताह तक चलेगा और संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित होगा। फीफा से बातचीत में मेसी ने कहा,वर्ल्ड इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनने का मौका बेहद खास है। इस बार की उम्मीदें अलग हैं, लेकिन मैं उत्साहित हूं और दुनिया की बेहतरीन टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तत्पर हूं। इंटर मियामी अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में अल अहली के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम पाल्मेइरास और पोर्टो से भिड़ेगी। मेसी ने कहा कि फीफा के सभी छह महाद्वीपों की टीमों की भागीदारी इस टूर्नामेंट को खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए खास अनुभव बनाएगी। उन्होंने कहा,वर्ल्ड दुनिया भर से बड़ी टीमें आ रही हैं और इससे दुनियाभर के लोगों की दिलचस्पी जुड़ी है। यह हमारे लिए एक नया और अलग अनुभव है। अमेरिका में दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलते देखना एक अद्भुत अवसर है। हालांकि उन्होंने माना कि यूरोपीय क्लब खिताब के प्रबल दावेदार होंगे, लेकिन उन्होंने दक्षिण अमेरिकी और अन्य क्षेत्रों की टीमों को भी हल्के में नहीं आंका। मेसी ने कहा,वर्ल्ड यह दक्षिण अमेरिकी और उभरती हुई टीमों के लिए भी बड़ा मौका है कि वे यूरोपीय दिग्गजों के खिलाफ खेलें। वे टीमें जिनके पास दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ी हैं और जिन्हें देखने के लिए लोग बेताब रहते हैं।यह खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक शानदार अनुभव होगा। 2025 क्लब विश्व कप की शुरुआत इस शनिवार से हो रही है और यह टूर्नामेंट 2025 गर्मियों में अमेरिका में आयोजित होने वाले सबसे बड़े फुटबॉल आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

विमान हादसा...

विमान हादसे की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति का गठन किया गया है। यह समिति 12 जून 2025 को अहमदाबाद से गैटविक हवाई अड्डे (लंदन) के लिए एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच करेगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक, जांच समिति ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए जारी मौजूदा मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) और दिशानिर्देशों की भी जांच करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशा निर्देश सुझाएगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने यह भी बताया है कि समिति संबंधित संगठनों द्वारा की जा रही अन्य जांचों का विकल्प नहीं होगी, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए एसओपी तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

विमानन नियामक डीजीसीए ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की सुरक्षा जांच बढ़ाने का आदेश दे रखा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने भी अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल का दौरा किया और प्राथमिक जांच पड़ताल की थी। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के तहत विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) भी दुर्घटना की जांच कर रहा है। एएआईबी ही भारतीय हवाई क्षेत्र में परिचालन करने वाले विमानों से जुड़ी सुरक्षा घटनाओं को दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं में वर्गीकृत करने के लिए जिम्मेदार है।

दूसरी तरफ एयर इंडिया ने ऐलान किया है कि हादसे में हताहत हुए लोगों के परिवार को तत्काल 25 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। यह मदद एक करोड़ के मुआवजे से अलग होगी। टाटा समूह इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवारों को 1 करोड़ की सहायता राशि देने की घोषणा पहले ही कर चुका है।

मंदिर से निकाले...

2018 में महाराष्ट्र सरकार ने शनि शिंगणापुर मंदिर को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की थी, लेकिन हिंदू संगठनों ने इसे रुकवाया था। इस बार आचार्य तुषार भोसले और उनके संगठन ने मुस्लिम कर्मचारियों को हटाने की मांग की। वे कहते हैं कि कुछ लोग इसे राजनीति कह सकते हैं, लेकिन हिंदू भक्तों के लिए ये मंदिर की पवित्रता की लड़ाई है। जैसे अयोध्या के राम मंदिर में हिंदू अधिकारियों को अहम जगह दी गई, वैसे ही शनि शिगणापुर में भी हिंदू कर्मचारी ही होने चाहिए। शनि शिंगणापुर देवस्थान के सीईओ गोरक्षनाथ दरंदाले ने बताया कि यहां करीब 2400 कर्मचारी काम करते हैं। इनमें से कई काम पर नहीं आते। ऐसे लोगों की सैलरी भी रोकी गई है। इसके बाद ही ये कार्रवाई की गई। कई कर्मचारियों की सैलरी 5-5 माह से रुकी है। ट्रस्टी अप्पासाहेब शेटे का कहना है कि कर्मचारियों का निष्कासन धर्म की वजह से नहीं, बल्कि खराब काम और गैर-हाजिरी की वजह से हुआ है। शनि शिंगणापुर मंदिर पहले भी विवादों में रहा है। 2016 में महिलाओं को मंदिर के गर्भगृह में जाने की इजाजत नहीं थी। तब कार्यकर्ता तृप्ति देसाई ने आंदोलन किया, और बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कोई कानून महिलाओं को मंदिर में जाने से नहीं रोक सकता। इस फैसले के बाद 400 साल पुराना नियम टूटा।

उपद्रवियों को...

सीएम सरमा ने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि जो भी सांप्रदायिकता फैलाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। कानून-व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है।

2029 चुनाव तक...

जिसके तहत परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा जिससे लोकसभा सीटों में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रत्येक जनगणना के बाद सीटों के पुनर्समायोजन का प्रावधान है। वर्तमान लोकसभा में जनसंख्या के आंकड़े 1971 की जनगणना के अनुसार हैं क्योंकि 1976 में सीटों का परिसीमन 25 वर्षों के लिए स्थगित कर दिया गया था। 2001 में संविधान संशोधन के माध्यम से अगले 25 सालों के लिए स्थगित कर दिया गया था और 2002 में वाजपेयी सरकार ने कहा था कि इससे परिवार नियोजन को प्रोत्साहन मिलेगा। वहीं, 2026 तक संसद द्वारा एक और संवैधानिक संशोधन पारित नहीं किया जाता है तो परिसीमन पर रोक खुद-ब-खुद समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि में आज प्रवेश करेंगे सूर्य

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। 15 जून को सूर्य देव वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। इस राशि में 1 महीने तक रहेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 15 जून को ग्रहों के राजा सूर्य देव मिथुन राशि में गोचर शुरू करेंगे और 16 जुलाई तक इसी राशि में मौजूद रहेंगे। 15 जून को सूर्य मिथुन राशि में गोचर करेंगे। जहां पहले से ही गुरु विराजमान हैं। ऐसे में दोनों ग्रहों के एक साथ मिथुन राशि में होने से गुरु आदित्य राजयोग बनेगा। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

गुरु सूर्य की युति

सूर्य गोचर मिथुन राशि में होने जा रहा है। आज सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जहां पहले से ही गुरु विराजमान हैं। ऐसे में ग्रहों के राजा सूर्य की युति भाग्य, समृद्धि, ज्ञान, और सम्मान के कारक ग्रह गुरु के साथ होने वाली है। सूर्य औप गुरु की युति से गुरु आदित्य राजयोग भी बनेगा। ज्योतिष शास्त्र में गुरु और सूर्य के मित्रतापूर्ण संबंध बताए गए हैं। दोनों शुभ ग्रहों के एक साथ मिथुन राशि में होने से कई राशियों को लाभ मिलने वाला है। ऐसे में जून का महीना 5 राशियों के लिए विशेष रूप से फलदायी रहने वाला है।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

देश-दुनिया पर असर

शेयर बाजार में गिरावट के साथ बिजनेस की गति कुछ थमेगी। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रणाली में सुधार के भी योग बनेंगे। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। रेल दुर्घटना होने की संभावना। महिलाओं के लिए समय शुभ नहीं है। कोई बड़ी फिल्म अभिनेत्री से दुखद समाचार। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। मनोरंजन फिल्म नाटक फैशन डांसर कॉमेडी चर्चा में रहेंगे।

उपाय

भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

ज्योतिषाचार्या से जानते हैं सूर्य के मिथुन राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव।

मेष राशि

भाग्य का भरपूर साथ मिलने वाला है। नौकरी में प्रभाव और प्रतिष्ठा वृद्धि की संभावना है। कार्यक्षेत्र में लाभ की स्थिति रहेगी। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे।

वृषभ राशि

परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सूर्य देव की विशेष कृपा रहेगी, इसलिए प्रयास में कमी न करें। नौकरीपेशा जातकों का प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में सुधार होगा।

मिथुन राशि

कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। धन सही कार्यों में खर्च होगा। मन में किसी प्रकार का डर बना रहेगा। किसी को उधार देने से बचें। क्रोध से बचना होगा। स्वभाव में चिड़चिड़पन रहेगा।

कर्क राशि

इस गोचर काल में भाग्य का साथ नहीं मिलेगा। हालांकि कोट कचहरी से संबंधित मामलों में राहत मिलने की संभावना है। समर्पित परिश्रम से वरिष्ठों को संतुष्ट कर पाएंगे।

सिंह राशि

सूर्य गोचर के दौरान स्वास्थ्य का खास ध्यान रखना होगा। कामकाज में किसी प्रकार का साथ लाभ की प्राप्ति करवाएगा। कार्य योजनाओं को इच्छानुसार पूरा कर पाएंगे।

कन्या राशि

भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय के लिए सूर्य गोचर उत्तम रहेगा। व्यापारी वर्ग को विशेष रूप से अच्छे फल प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

तुला राशि

खराब स्वास्थ्य आपको बेचैन करेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में नहीं लगेगा। नौकरीपेशा ऑफिस में आने वाली बाधाओं से परेशान हो सकते हैं। व्यापारी वर्ग की हालात सामान्य बन रहेंगे।

वृश्चिक राशि

नौकरी में तबादला हो सकता है। मन में क्रोध और निराशा का संचार होगा। धन संबंधित मामले अच्छे रहेंगे। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। सामाजिक जीवन अच्छा व्यतीत नहीं होगा।

धनु राशि

नौकरी में अच्छा धन लाभ होगा। प्रमोशन होने के संकेत मिल रहे हैं। व्यापारियों के लिए लाभ की स्थिति बनी हुई है। निवेश करने से पहले विशेषज्ञ मार्गदर्शन लेना सही रहेगा।

मकर राशि

गोचर काल में घर पर कोई धार्मिक कार्य संपन्न होने का योग रहेगा। जीवन में कई सफलताएं प्राप्त होगी। जिससे आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकता है।

कुंभ राशि

कामकाज के क्षेत्र में लाभदायक स्थिति बनेगी। इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। शैक्षणिक कार्यों में सुखद परिणाम मिलेंगे। माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन राशि

नौकरी में परिवर्तन के योग है। किसी दूसरे शहर जाना पड़ सकता है। इस गोचरकाल में वाहन या मकान खरीद सकते हैं। परिवार का ध्यान रखेंगे। उनकी जरूरतों को पूरा कर पाएंगे।

आज बुधादित्य राजयोग का उत्तम संयोग
विभिन्न राशियों को होगा लाभ

आज यानी 15 जून रविवार है और आज ग्रहों में सूर्यदेव का आधिपत्य रहेगा। इस पर आज सूर्य मिथुन राशि में गोचर करेंगे जिससे आर्ज शुभ योग का निर्माण होगा। आज आषाढ़ संक्रांति का संयोग बनेगा। इसके साथ ही मिथुन राशि में आज सूर्य पहले से मौजूद बुध और गुरु के साथ त्रिग्रह योग बनाएंगे। इसके साथ ही आज दिन रात चंद्रमा का गोचर श्रवण नक्षत्र में मकर राशि में होगा। इस वजह से आज ऐंद्र योग का भी सुंदर संयोग बनेगा। इसके साथ ही आज रविवार को भद्र और बुधादित्य राजयोग का भी उत्तम संयोग बन रहा है। इस पर आज रविवार होने से आज का दिन सूर्यदेव को समर्पित रहेगा। ऐसे में आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज आषाढ़ कृष्ण चतुर्थी उपरांत पंचमी तिथि का संयोग बनेगा। ऐसे में आषाढ़ संक्रांति पर सूर्य देव की कृपा और बुधादित्य राजयोग से मिथुन सहित अन्य राशियों के जातकों को आज जमकर लाभ होने वाला है। आज इन राशियों की किस्मत सूर्यदेव के तेज की तरह चमकेगी। इनके कार्य तेजी से पूरे होंगे और आर्थिक रूप से इन्हें मजबूती मिलेगी। परिवार में भी इनके सुख शांति रहेगी। ऐसे में आइये जानते हैं आज 15 जून रविवार का दिन इन 5 राशियों के लिए किन किन मामलों में भाग्यशाली रहने वाला है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। आज चंद्रमा आपकी कुंडली के भाग्य भाव में होंगे और आपको आर्ज मामलों में लाभ देकर जाएंगे। कारोबार में आपके कार्य सफल होंगे। आपको कम मेहनत में अधिक फायदा मिलेगा। आप पर आज सूर्यदेव की ऐसी कृपा होगी कि आपके प्रतिद्वंद्वी आपके कार्यों में अड़चनें पैदा करने से पहले चार बार विचार करेंगे। आज का दिन आपके लिए सुख समृद्धि लेकर आने वाला है। कारोबार में आपका लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का अवसर मिल सकता है। यात्रा आपके लिए फायदेमंद रहने वाली है। इसके साथ ही आज आपके मान सम्मान में भी बढ़ोतरी होगी। आपकी उपलब्धियों की गूंज दूर तक सुनाई देगी। धार्मिक कार्यों में आज आपका मन लगेगा। परिवार में पिता का हर कदम पर सहयोग मिलेगा। जिससे आपका आत्मविश्वास मजबूत होगा। वैवाहिक जीवन में आज सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में तालमेल बना रहेगा।

उपाय : आज रात को सोने से पहले अपने सिरहाने की तरफ एक बर्तन में दूध रखें। अगली सुबह इसे बबूल के पेड़ की जड़ में अर्पित कर दें। इससे आपके संकटों का नाश होगा।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपके कार्यों में तेजी आएगी। आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे। आप कुछ चीजों में आज बदलाव करने का प्रयास कर सकते हैं, जो आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएंगे। इसके साथ ही आज आपको अपनी योजनाओं को पूरा करने में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज के दिन की अच्छी बात यह है कि आपको परिवार की तरफ से कोई अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके अलावा घर के किसी वरिष्ठ सदस्य से आपको पारिवारिक विरासत से जुड़ी कोई चीज मिल सकती है, जिससे आप गौरवान्वित महसूस करेंगे। धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। कहीं दान पुण्य करने में संकोच नहीं करेंगे। नौकरीपेशा जातकों को आज मनचाहा ट्रांसफर मिल सकता है। इससे आपका मन काफी प्रसन्न होगा। दांपत्य जीवन की बात करें तो आज का दिन आपके रिश्तों में मधुरता को बढ़ाने वाला होगा। आप एक दूसरे का हर काम में सहयोग करेंगे।

उपाय : आज पीपल को जल दें। इसके बाद पीपल की जड़ के पास चौमुखी दीया जलाएं और 7 बार पेड़ की परिक्रमा करें। इससे आपके कार्यों में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी।

सिंह राशि – आज रविवार का दिन सिंह राशि के जातकों के लिए बेहद स्पेशल रहने वाला है। आज आपको घर से लेकर कार्यक्षेत्र तक में अपेक्षित सहयोग मिलेगा। आप अपने कार्यों को काफी गंभीरता और मेहनत के साथ पूरा करेंगे जिससे आज आपको मनचाही सफलता मिलने के आसार भी बढ़ जाएंगे। इसके साथ ही आज का दिन पार्टनरशिप के कार्यों में अतिरिक्त लाभ देकर जाएगा। अगर आप साझेदारी में काम करते हैं तो आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। इसके अलावा आप आज कोई नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो आपको पार्टनरशिप में फायदा हो सकता है। आज का दिन निवेश के लिहाज से अच्छा साबित हो सकता है। जीवनसाथी के नाम पर दीर्घकालिक निवेश कर सकते हैं। आपको उनके भाग्य का भी साथ मिलेगा। इसके साथ ही घर में आिजकारियां गूंज सकती हैं। संतान पक्ष की तरफ से खुशखबरी मिल सकती है। वैवाहिक रिश्तों में मिठास रहेगी। जीवनसाथी आपके कहे बिना आपकी भावनाओं को समझ लेगा।

उपाय : आज सूर्य नारायण को अर्घ्य दें। इसके बाद बरगद के पेड़ का एक पत्ता लें और उस पर अपनी मनोकामना लिख दें। इसके बाद इसे साफ जल में प्रवाहित कर दें। आपकी इच्छा पूरी होगी।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज रविवार का दिन उम्मीद से बढ़कर लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको कारोबार में मनचाहा मुनाफा मिलने के आसार हैं। आज आप अपनी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता के दम पर किसी प्रभावशाली व्यक्ति को आकर्षित करने में सफल रहेंगे जिसकी मदद से आपको बेहतरीन सौदा हासिल हो सकता है। इससे आप अच्छा लाभ कमाएंगे और अपने कारोबार का विस्तार भी करेंगे। आज के दिन की सबसे अच्छी बात यह है कि आज आप कार्यों को बस यूं ही नहीं निपटाएंगे बल्कि आप अपनी क्रिएटिव सोच का इस्तेमाल करेंगे, जिससे आप बेहतरीन परिणाम हासिल करेंगे। आपकी अलहदा सोच प्रशंसा के पात्र होगी और आपको सम्मान दिलाएगी। आज आपको पूर्व में किया गया निवेश अच्छा लाभ देकर जा सकता है। प्रॉपर्टी से जुडे.काम करने वालों को खरीद फरोख्त में अच्छा लाभ होने के आसार हैं। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन इच्छित सफलता दिलाने वाला हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन अनुकूल रहने वाला है।

उपाय : आज सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें। इसके बाद तांबे के लोटे में रोली और लाल फूल डालकर सूर्यदेव को जल दें और ऊं घृणि: सूर्याय नम: मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए आज गुरुवार का दिन अत्यंत लाभदायक रहने वाला है। आज आपको विदेश से लाभ होने के आसार हैं। अगर आप आयात और निर्यात से जुड़ा काम करते हैं तो आज आपको अतिरिक्त लाभ हो सकता है। इसके साथ ही अगर आप करियर, कारोबार या घूमने के लिए विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आज आपको उम्मीद की किरण मिल सकती है। इसके साथ ही आज आपको आमदनी में इजाफा करने के नए मौके मिल सकते हैं। इन्हें भुनाकर आप अच्छा लाभ जुटा सकते हैं। अच्छी बात यह है कि आप अपने धन का फिजूल के कार्यों में खर्च नहीं करेंगे, बल्कि उसे सही मद में लगाएंगे। अगर आप अस्पताल, मेडिआज स्टोर या पैथोलॉजी से जुड़ा काम करते हैं तो आज आपको विशेष रूप से लाभ अर्जित हो सकता है। इसके साथ ही आपका रुझान आध्यात्मिकता की ओर बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ आज आपका सामंजस्य बना रहेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। घर में माहौल अनुकूल रहेगा।

उपाय : आज सुबह स्नान ध्यान के बाद 11 कौड़ियों की विधि-विधान से पूजा करें। फिर इन्हें लाल पोटली में बांधकर धन रखने वाले स्थान पर रख दें। इससे आपकी आर्थिक दिक्कतें दूर होंगी।

रास्ते में पड़ी कुछ विशेष चीजों को लांघने से
व्यक्ति को जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का सामना करना पड़ता

हम अक्सर रास्ते पर चलते समय सड़क पर अजीब-अजीब सी चीजों को पड़ा देखते हैं। वहीं, कई अजीब प्रकार की वस्तुएं चौराहे पर रखी हुई भी नजर आती हैं, जिनके बारे में हमें घर में समझाया जाता है कि उनसे बचकर चलना चाहिए। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल जरूर आता है कि रास्ते में या चौराहे पर पड़ी चीजों को लांघने से आखिर क्यों मना किया जाता है। हमारे शास्त्रों में भी इसे लेकर कई महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं। वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रास्ते में पड़ी कुछ विशेष चीजों को लांघने की गलती बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन में नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है और जीवन बाधाओं से भर जाता है।

ये वस्तु लांघने से जीवन में आती है नकारात्मकता

अगर रास्ते में जाते वक्त आपको सड़क पर नींबू-मिर्च पड़ी मिल जाए, तो इसे गलती से भी नहीं लांघना चाहिए। अक्सर लोग इसे अपने घर की नकारात्मकता दूर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में अगर आप जाने अनजाने में रास्ते में पड़े नींबू-मिर्च को लांघ दें, तो इससे जीवन से सकारात्मकता जाने लगती है और नकारात्मक ऊर्जा का वास हो सकता है। इसका सीधा असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है और आपको मानसिक तनाव का सामना भी करना पड़ सकता है।

ये चीज लांघने से नकारात्मक शक्तियां दे सकती हैं दस्तक

माना जाता है कि कई लोग अपने जीवन की परेशानियों और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने के लिए चौराहे या रात में सड़क पर टोटके करते हैं। ऐसे में अगर आपको रास्ते में जाते वक्त कहीं बीच में अगरबत्ती या धूपबत्ती की राख और पूजा की सामग्री दिख जाए, तो उसे लांघने की गलती बिल्कुल भी न करें। ऐसा करने से उसी वक्त से आपको कई मामलों में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और जीवन में नकारात्मक शक्तियां दस्तक दे सकती हैं।

इसे लांघने से हो सकते हैं कंगाल

हमें रास्ते पर कई बार पैसे या सिक्के पड़े हुए मिल जाते हैं। कई लोग जमीन पर पड़े सिक्कों को लांघकर चले जाते हैं। ऐसी भूल बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए। रास्ते पर पड़े सिक्कों या पैसों को लांघना धन की देवी माता लक्ष्मी के अपमान के समान होता है। ऐसा करने से देवी लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। रास्ते में पड़े पैसों को लांघने से व्यक्ति के जीवन में कंगाल भी छा सकती है।

इन चीजों को लांघने से बुरा वक्त हो जाएगा शुरू

शास्त्रों में कुछ चीजों को लांघना वर्जित माना गया है। अगर आपको रास्ते या चौराहे में हल्दी, सिंदूर या चावल जैसी चीजें दिख जाएं तो उन्हें गलती से भी नहीं लांघना चाहिए। माना जाता है कि ये वस्तुएं तंत्र क्रिया का हिस्सा हो सकती हैं, जो अक्सर लोग रात के समय कर सकते हैं। अगर आप इन चीजों लांघ देते हैं तो इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मान्यताओं के अनुसार, चावल, सिंदूर या हल्दी जैसी चीजों को लांघने से व्यक्ति का बुरा वक्त शुरू हो सकता है और जीवन से खुशहाली जाने लगती है।

इसे लांघने से जीवन में आता है दुर्भाग्य

अगर आपको कहीं जाते वक्त सड़क पर दो टुकड़ों में रखा हुआ नारियल या नारियल और उसके साथ पूजा सामग्री दिख जाए, तो उससे तुरंत दूर हो जाना चाहिए। शास्त्रों में रास्ते में रखी इन चीजों को भी तांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना गया है। ऐसे में अगर आप इस नारियल को गलती से लांघ देते हैं तो जीवन में दुर्भाग्य आ सकता है और नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव भी बढ़ सकता है। ऐसे में भूलकर भी रास्ते के बीच पड़ी ऐसी किसी भी चीज को नहीं लांघना चाहिए, जो पूजा की वस्तुओं से संबंधित हों।

प्यार कभी भी कम नहीं करते ...

उनके फिल्में भले हिट या फ्लॉप हो , यह बात उनके प्रशंसकों को कोई मायने नहीं रखती। वह अपने पसंदीदा सुपर-स्टार को बड़े परदे पर देख कर दिलखुश होते। उन लोगों के लिए बस इतना ही काफी हैं। यह अव्याज अनुराग मिथुन चक्रबोरती को बॉलीवुड का अत्यंत प्यार स्वीकार करने वाला शक्स बना दिया। फिल्में फ्लॉप हुए तो भी उनकी लोकप्रियता आज भी बरकरार हैं। कल (यानि कि 16 जून, 2025) को उनकी छिहत्तरवाँ (76th) जन्म-दिन हैं। हैप्पी बर्थ डे टू हिम।

जन्मदिवस पर विशेष...

वैसे गुजरे साल ने मिथुन के मुरीदों को बहुत कुछ दी थी। केंद्र सरकार ने दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से मिथुन को सम्मानित की। लोग जानते हैं यह अवॉर्ड फिल्म जगत की सब से ऊंची अवॉर्ड हैं। क्यों नहीं भाई मिथुन इस श्रेष्टता के हकदार तो हैं ही। इस संदर्भ में उनसे एक टी वी चैनल वार्ता की तो वह यह बोलने से न हिचकिचाए थे कि वह एक हीरोइन के हमेशा शुक्र गुजार रहेंगे। और वह ज़ीनत अमन हैं। पहली बार एक प्रसिद्ध अभिनेत्री ने मिथुन जैसे सांवले हीरो के अपोजिट हीरोइन बनने को तैयार। 1983 में आईं तकदीर में यह जोड़ी दर्शकों के सामने आईं। उसके बाद मिथुन ने न जाने कितने फेमस , नवोदित नायिकाओं से अपना रंग जमाएँ, यह जग जाहिर हैं। मिथुन ने तो यह भी कह कर अपना कृतज्ञता का परिचय दी कि उनके परिधानों को 'बड़ासाब' के किशोर बजाज चयन कर सौंपते थे। (किशोर बजाज अब हमारे बीच नहीं रहें।)

मिथुन कभी तृणमूल काँग्रेस में थे, बाद में भाजपा में चले गए। अस्तु , इसे हम गौर नहीं करते। हमें हमारे मिथुन जन मानस का सदा बहार अभिनेता, हसीन मुस्कुराहट बिखेरनेवाला, दिल को स्पर्श करने वाले उम्दा अदाकारी से रिझाने वाला, लाजवाब मनमोहक अभिनय शक्ति वा नृत्य प्रतिभा से लाखों सिनेमा प्रेमियों का मन लुभाने वाले मिथुन को, छोटे फिल्म निर्माताओं को सहारा देने वाले मिथुन को, कचरा कुंडी में फेंकी गई एक नवजात बच्ची को गोद ले कर के अपना घर का नाम देने वाले दिलदार मिथुन को, फिल्म जगत के अनिश्चितताओं से परे होटल व्यापार में पदार्पण कर बहुत लोगों को रोजगार दिलाया व्यक्ति मिथुन को, चोटी परदे पर डांस शो में जज बन कर उत्साहिक कलाकारों के हौसला वर्धन करने वाले मिथुन को जी हाँ हम जी जान से सदैव चाहते ही रहेंगे। वह हमारे हृदय का सिंहासन पर विराजमान हैं मिथुन चक्रबोरती बन कर। भगवान उन्हें लंबी उम्र का कटाक्ष करें।

– दिलीप, मियापुर, हैदराबाद

दिशा पाटनी की गुप्त ज़िंदगी, ऐनिमेशन की दीवानी और जानवरों की मम्मी

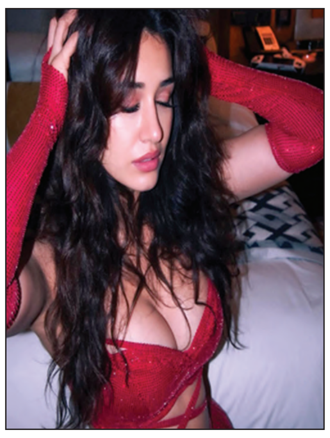

जब आप दिशा पाटनी के बारे में सोचते हैं, तो शायद आपके ज़हन में रेड कार्पेट की शानदार तस्वीरें, तराशे हुए एब्स और धुआंधार एक्शन रोल्स की झलक उभरती है। वो बॉलीवुड की ग्लैम क्वीन हैं, इंस्टाग्राम की स्टार, जिनकी हर फिटनेस पोस्ट और फैशन मूव पर लाखों फॉलोअर्स फिदा रहते हैं। लेकिन अगर आप डिज़ाइनर लेबल्स, क्यूरेटेड फीड्स और कैमरों की चमक को एक तरफ रख दें, तो आपको एक बेहद ज़मीन से जुड़ी हुई लड़की मिलेगी, जिसे पजामा पहनकर ऐनिमेशन देखना ज़्यादा पसंद है। दिशा पाटनी खुद को एक ऐनिमेशन गीक मानती हैं। भले ही उनका ग्लैमर लुक हॉलीवुड का एहसास देता हो, लेकिन उनका आइडियल वीकेंड अक्सर इंस्टेंट रेमन और ऐनिमेशन मैराथन में बीतता है। जापानी ऐनिमेशन के लिए उनका प्यार महज एक फैन का क्रश नहीं है – ये उनकी असल दुनिया का अहम हिस्सा है। दिशा की एक और साइड जो शायद लोगों की नज़रों से छुपी रहती है, वो है उनका जानवरों के प्रति गहरा प्रेम। वो सिर्फ एक पैसिव एनिमल लवर नहीं हैं, बल्कि एक डेडिकेटेड पेट पैरेंट हैं। उनका अपने पालतू जानवरों से रिश्ता सिर्फ क्यूट इंस्टाग्राम स्टोरीज़ तक सीमित नहीं है; वो उन्हें प्यार से पालती हैं, उनका ख्याल रखती हैं और हर रोज़ का हिस्सा मानती हैं।

सुपरस्टार होने के बावजूद, दिशा एक बेहद प्राइवेट और सिंपल लाइफ जीती हैं। उन्हें न तो पार्टीज़ का खास शौक है, न ही हर वक़्त मीडिया में छाए रहना। उनके खाली पल में सुकून होता है, घर की वर्कआउट रूटीन, अपने पेट्स के साथ खेलना, स्केचिंग करना, और हां...ऐनिमेशन देखना। यही विरोधाभास बाहर से ग्लैमरस और अंदर से एक सच्ची, सरल आत्मा–दिशा पाटनी को इतना दिलचस्प बनाता है।

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन शंघाई फिल्म फेस्टिवल में पहुंची

कार्तिक आर्यन अभिनीत फिल्म चंदू चैंपियन 27वें शंघाई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में पहुंची है। फिल्म के निर्देशक कबीर खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, एक साल और चैंपियन अभी भी मजबूती से चल रहा है। चंदू चैंपियन को शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के लिए चुना गया और इसने दो पुरस्कार जीत लिए।

कबीर खान निर्देशित फिल्म में कार्तिक आर्यन ने भारत के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई थी, जिसने हाल ही में संपन्न न्यूयॉर्क इंडी फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि कार्तिक ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। यह बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा एक असाधारण व्यक्ति की कहानी है, जो अडिग दृढ़ संकल्प के साथ लगातार चुनौतियों का सामना करता है।

उनकी भावना ऐतिहासिक उपलब्धि की राह पर ले जाती है। कबीर की बात करें तो उन्होंने डॉक्यूमेंट्री फिल्मों में काम करके अपना करियर शुरू किया और फिर 2006 में एडवेंचर थ्रिलर 'काबुल एक्सप्रेस' के साथ फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रखा। उन्हें 'न्यूयॉर्क', 'एक था टाइगर', 'बजरंगी भाईजान' और '83' के निर्देशन के लिए जाना जाता है। इस बीच, कार्तिक वर्तमान में अभिनेत्री अनन्या पांडे के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' की शूटिंग कर रहे हैं, जो 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

करण जौहर ने 2 जून को अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें कार्तिक और अनन्या भारतीय पासपोर्ट के पीछे एक-दूसरे को देखते हुए नजर आ रहे हैं। उन दोनों की यह जोड़ी साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' के बाद दर्शकों को देखने को मिलेगी। दोनों की आगामी फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमा घरों में आएगी।

किताबों से नहीं, असली अभ्यास से बेहतर होती है एक्टिंग : सौंदर्या शर्मा

हाउसफुल 5 की एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा का मानना है कि एक्टिंग सीखने का सबसे अच्छा तरीका है, असलियत में एक्टिंग करना। उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी किताबें पढ़ लो या बातें सुन लो, लेकिन अभिनय की समझ और कला सिर्फ अभ्यास से ही बेहतर होती है। सौंदर्या ने दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने थिएटर और सिनेमा, दोनों में काम किया है। साथ ही दोनों जगहों के अनुभव को साझा किया।

सौंदर्या ने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में वर्कशॉप किया है। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका के लॉस एंजेलिस में ली स्ट्रासबर्ग थिएटर में पढ़ाई की और वहां एनवाईएफए से एक्टिंग का कोर्स भी किया है।उन्होंने कहा कि वह थिएटर और सिनेमा दोनों में अभी नई हैं। वह अभी भी सीख रही हैं कि इस इंडस्ट्री में काम कैसे होता है और चीजें कैसे चलती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, थिएटर और सिनेमा पर काम करना अलग होता है। थिएटर में जब आप एक्टिंग करते हो, तो आपको स्टेज के आखिरी कतार में बैठे लोगों तक अपनी बात पहुंचानी होती है। वहां हर भावना, हर किरदार को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना होता है। उन्होंने आगे कहा, भावनाएं तो वही होती हैं, लेकिन उन्हें दिखाने का तरीका अलग होता है। 'हाउसफुल 5' पूरी तरह से अलग फिल्म है। इसमें ज्यादा अलग-अलग भावनाएं नहीं हैं। इसमें खुशी और मस्ती का माहौल रहता है, जैसे रोजमर्रा की जिंदगी में होता है। लेकिन हां, जब मैं और काम करूंगी, तो बहुत कुछ सीख पाऊंगी। इंसान सिर्फ काम करके ही अच्छा बनता है। एक्टिंग सीखने से नहीं, बल्कि असलियत में करने से आती है और अभ्यास से बेहतर होती है। यह मेरी राय है। इससे पहले आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सौंदर्या ने बताया था कि उनके लिए 'लाल परी' का खिताब क्या मायने रखता है। उन्होंने अपने जवाब में कहा था, जब कहीं से कोई अचानक कहता है, 'अरे देखो, लाल परी सौंदर्या', तो यह सुनकर अच्छा लगता है। इस टाइटल ने मुझे नई पहचान दी है। इससे ऐसा लगता है जैसे लोग मेरे काम को सच में पसंद कर रहे हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। जब उनके 'लाल परी' टाइटल की तुलना मलाइका अरोड़ा की 'मुन्नी बदनाम' और कैटरीना कैफ की 'शीला की जवानी' से की गई थी, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा था, आप जिन दो कलाकारों की बात कर रहे हैं, वे मेरी सीनियर्स हैं। उनसे मेरी तुलना होना बहुत बड़ी बात है। मेरा सफर तो अभी शुरू ही हुआ है। मैं ज्यादा अच्छा काम करना चाहती हूं, ताकि लोगों से मुझे ऐसे ही ढेर सारा प्यार मिलता रहे।

योग को बनाएं जीवन का हिस्सा

विश्व योग दिवस से पहले हेमा मालिनी की अपील

दिग्गज अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी ने हर साल 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी से योग करने का आग्रह किया है। इस वर्ष विश्व योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग को साझा करते हुए उन्होंने सभी से नियमित रूप से योग का अभ्यास करने की अपील की।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए योग को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि 21 जून को हर साल 'विश्व योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। हमारे मथुरा के लोग भी पूरे उत्साह के साथ इस दिन को मनाते हैं। इस वर्ष की थीम है – 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'। उन्होंने कहा, मेरी सभी से हार्दिक अपील है कि वे विश्व योग दिवस में भाग लें और योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। मैं भी हर दिन योग का अभ्यास करती हूं।

योग के फायदों का जिक्र करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि योग से हम स्वस्थ शरीर के साथ-साथ खुशहाल मन भी पा सकते हैं। सभी लोग योग करें और स्वस्थ रहें। पिछले महीने मन की बात कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष की थीम की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि अब यह दिन योग के एक भव्य महोत्सव का रूप ले चुका है। यह भारत की ओर से मानवता को दिया गया ऐसा अमूल्य उपहार है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत उपयोगी होने वाला है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि आज योग और हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के प्रति जिज्ञासा पूरी दुनिया में बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा, स्वास्थ्य के उत्कृष्ट माध्यम के रूप में योग और आयुर्वेद को अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामान्य योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करेंगे।

निया शर्मा ने शेयर की इंग्लैंड वेकेशन की यादें, स्टाइलिश अंदाज में आईं नजर

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री निया शर्मा ने अपनी इंग्लैंड वेकेशन की यादों को ताजा करते हुए प्रशंसकों के साथ कुछ खास तस्वीरें साझा कीं। निया ने सोशल मीडिया पर थ्रोबैक तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनका स्टाइलिश और बिंदास अंदाज देखने को मिला।

निया शर्मा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह सड़क पर पोज देती नजर आईं, जिसमें वह ब्लैक और रेड कलर की स्वेटशर्ट, लेगिंग्स, मैचिंग जूते और हैंडबैग में दिखीं। अपने लुक को और निखारने के लिए निया ने बालों को मेसी बन में बांधा था। इसके साथ ही वह ब्लैक कलर के चश्मे को लगाए नजर आईं।अन्य तस्वीरों में वह दोस्तों के साथ कार में मस्ती करती, बस का इंतजार करती और स्थानीय लोगों के साथ फोटो खिंचवाती दिखीं। एक तस्वीर में उन्होंने लाल स्वेटशर्ट की जगह काली जैकेट पहनी थी।

निया ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, मेरा क्लाउड स्टोरेज मुझसे बोल रहा है 'स्टोरेज मैनेज करो' और मैं अगली छुट्टियों की प्लानिंग कर रही हूं।निया की यह वेकेशन पोस्ट और उनका बिंदास अंदाज प्रशंसकों को खूब पसंद आ रहा है। इससे पहले, अभिनेत्री निया शर्मा ने अपनी मां के खास दिन यानी बर्थडे की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में अपनी भावनाएं व्यक्त की थी। निया शर्मा ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के जन्मदिन के जश्न की तस्वीरों का एक एल्बम पोस्ट किया। केक काटने से लेकर शानदार दावत और अकेले फोटो खिंचवाने तक, उनकी इंस्टा पोस्ट में सब कुछ था।

अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर के दौरान ऐसा समय भी आया जब उन्हें काम की वजह से कई बार मुश्किलों का सामना करना पड़ा। निया शर्मा ने खुलासा किया कि उन्हें सोशल मीडिया पर समय बिताना और फिल्में देखना पसंद है, लेकिन वह अपने स्क्रीन टाइम पर नजर रखती हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो निया इन दिनों रियलिटी कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स 2' में नजर आ रही हैं, जहां उनकी जोड़ी कॉमेडियन सुदेश लहरी के साथ है। इस शो में रुबीना दिलैक, राहुल वैद्य, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, एल्विश यादव, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, अभिषेक कुमार और समर्थ जुरेल जैसे सितारे भी हिस्सा ले रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। कोई आपको नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर सकता है। अगर आप हिसाब बराबर करना चाहें, तो ऐसा सलीके से ही किया जाना चाहिए। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताए–गा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। अपने प्रिय से दूर होने के बावजूद आप उसकी मौजूदगी महसूस करेंगे। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। अपने मित्रों या संबंधियों को अपना आर्थिक काम–काज और रुपये–पैसे का प्रबंधन न करने दें, नहीं तो जल्दी ही आप आपने तयशुदा बजट से कहीं आगे निकल जाएंगे। नए कामों को पूरा करने में महिला सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। खाली वक्त आज व्यर्थ की बहसों में खराब हो सकता है जिससे दिन के अंत में आपको खिन्नता होगी। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे– ध्यान और योग आपको फ़ायदा पहुँचाएंगे । जीत का जश्न आपके दिल को ख़ुशी से भर देगा। कुछ ख़रीदने से पहले उन चीज़ों का इस्तेमाल करें, जो पहले से आपके पास हैं। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। मुमकिन है कि आपके माता–पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। कामकाज में आपको काफ़ी फ़ायदा हो सकता है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। एक नज़दीकी रिश्तेदार ख़ुद के लिए आपका ज़्यादा ध्यान चाहेगा, हालाँकि वह काफ़ी मददगार और ख़याल रखने वाला होगा। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। योजनाओं को अमली जामा पहनाने और नयी परियोजनाओं को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़ आपका यादगार दिन बना सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

चूँकि यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

अपने जीवन–साथी के साथ पारिवारिक समस्याओं को साझा करें। एक–दूसरे को फिर से भली–भांति जानने के लिए थोड़ा और वक़्त एक–दूसरे के साथ बिताएँ और ख़ुद की स्नेही जोड़े की छवि को मज़बूत करें। आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच–विचार लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बच्चों के साथ खेलना बहुत अच्छा और सुकून देने वाला अनुभव रहेगा। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। जो लोग घर से बाहर रहते हैं आज वो अपने सारे काम पूरे करके शाम के समय किसी पार्क या एकांत जगह पर समय बिताना पसंद करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कोई नया व्यवसाय या योजना शुरू करने की सोच रहे हैं तो जल्दी ही फ़ैसला करें, क्योंकि आपके सितारे महरबान हैं। जो आप करना चाहते हैं, उस ओर क़दम बढ़ाने में घबराएँ नहीं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 03:54 तक
नक्षत्र : श्रवण रात्रि 01:00 तक
योग : ऐन्द्र दोपहर 12:18 तक
करण : बालव सायं 03:54 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:46 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मिथुन संक्रांति प्रातः 06:44 से, संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से दोपहर 01:08 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत

जल संसाधन विभाग को 16.50 करोड़ स्वीकृत

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत हर खेत को पानी अभियान में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जल संसाधन विभाग को 16.50 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता राशि स्वीकृत की गई है। यह राशि वर्ष 2025-26 की प्रथम किशत के रूप में अभियान अंतर्गत प्रगतिरत 84 रिपेयर–रिनोवेशन–रेस्टोरेशन (आरआरआर) कार्यों के लिए प्राप्त हुई है। अब राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत (लगभग 11 करोड़ रुपए) राशि और जोड़ी जाएगी। इस प्रकार कुल 27.50 करोड़ रुपए की लागत से कार्यों को गति मिलेगी। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि आरआरआर योजना अंतर्गत कोटा, बूंदी और टोंक जिलों में सिंचाई सुविधाओं के पुनरुद्धार के लिए 84 कार्य 11 सितम्बर, 2023 को स्वीकृत किए गए थे। इन कार्यों के पूर्ण होने से लगभग 4 हजार 404 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र फिर से क्रियाशील हो जाएगा, जिससे 2.16 लाख से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

विभागीय जानकारी के अनुसार, परियोजना की कुल लागत 142.92 करोड़ रुपए है। इसमें केन्द्र और राज्य का अंशदान 60:40 के अनुपात में है। इसके अंतर्गत केन्द्रांश 85.75 करोड़ रुपए और राज्यांश 57.17 करोड़ रुपए निर्धारित है। इसके तहत विभाग को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 15 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता प्राप्त हुई थी। वर्तमान में कार्यों की भौतिक प्रगति लगभग 65 प्रतिशत पूर्ण हो चुकी है।

इस योजना की प्रगति से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण–जन अभियान को भी गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन मंत्री लगातार विभिन्न जिलों का दौरा कर अभियान के तहत जल संरचनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। आमजन को जागरूक कर अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास कर रहे हैं। जिला प्रशासन प्रशासन स्तर पर भी जल संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

रावत ने कहा कि हर खेत तक पानी पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना महत्वपूर्ण कदम है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के अथक प्रयासों और विभागीय समन्वय से राशि स्वीकृत हुई है, जिससे कार्यों को नई गति मिली हैं। इस अभियान से सिंचित क्षेत्र पुनर्जीवित होगा। कृषि क्षेत्र में विस्तार होने से किसानों की आजीविका में वृद्धि होगी।

आरयूएचएस में सफलतापूर्वक पहली एंजियोप्लास्टी

जयपुर, 14 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में आरयूएचएस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। प्रदेशवासियों को इसका लाभ भी मिलने लगा है। अस्पताल में शनिवार को पहली बार सफलतापूर्वक एक रोगी की एंजियोप्लास्टी की गई। साथ ही, प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा भी अस्पताल में प्रारंभ कर दी गई है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि विगत 2 जून को ही आरयूएचएस अस्पताल में एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी की सुविधा प्रारंभ की गई थी और दो रोगियों की एंजियोग्राफी की गई थी। शनिवार को आरयूएचएस अस्पताल में पहली एंजियोप्लास्टी की गई। साथ ही, अस्पताल में अब प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा भी प्रारंभ कर दी गई है। दो रोगियों की प्लास्टिक सर्जरी सफलतापूर्वक की भी जा चुकी है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल से मरीज भार कम करने एवं प्रदेशवासियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान उपलब्ध करवाने की सोच के साथ आरयूएचएस अस्पताल में लगातार चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी की सुविधा प्रारंभ होने से अब आरयूएचएस में आने वाले हृदय रोगियों को सवाई मानसिंह अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं। प्रदेशभर से आने वाले रोगियों को अब हृदय रोगों के उपचार के लिए एक बेहतर विकल्प मिल रहा है। साथ ही, सवाई मानसिंह अस्पताल में रोगी भार कम करने की दिशा में भी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।आरयूएचएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग से ग्रसित टोंक जिले के पीपलू निवासी 67 वर्षीय पुरुष रोगी को 12 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने लक्षणों के आधार पर उसकी एंजियोग्राफी जांच की, जिसमें ब्लॉकेज पाए जाने पर एंजियोप्लास्टी किए जाने का निर्णय लिया गया। परिजनों की सहमति के बाद रोगी की सफलतापूर्वक एंजियोप्लास्टी की गई।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का भव्य शुभारंभ

चित्तौड़गढ़, 14 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' से प्रेरित होकर चित्तौड़गढ़ में शनिवार सुबह गम्भीरी नदी पुल पर विशेष जन अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में जिला प्रशासन, नगर परिषद, हिन्दुस्तान जिंक चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और कई स्वैच्छिक संस्थाओं ने मिलकर भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7:30 बजे अतिरिक्त जिला कलेक्टर विनोद मल्होत्रा, जीएम डीआईसी राहुल देव सिंह, नगर परिषद चित्तौड़गढ़ के अधिकारी, एईएन सतीश कुमार एवं उनकी टीम, हिन्दुस्तान जिंक की ओर से हेड एनवायरनमेंट मनीषा भाटी, सीएसओ रविराज शर्मा, सेफ्टी हेड बालचंद पाटीदार, हेड इंजीनियरिंग राकेश दुर्गावत, वाटर मैनेजर दीपक जैन, एनवायरनमेंट व चंदेरिया प्लांट टीम और उनके बिजनेस पार्टनर्स यूरोस्माईल, वामन, एसएस एंड रिसोर्सेस, पावर मेक, एसजीएस एन्वायरो तथा थर्मो फिशर की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी आशीष बुआरसी एवं उनकी टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभियान के दौरान गम्भीरी नदी के घाट क्षेत्र की सफाई की गई, जिसमें जलकुंभी, प्लास्टिक, जंगली घास व अन्य कचरे को हटाया गया। नगर परिषद द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से घाट की सफाई की गई। हिन्दुस्तान जिंक के 150 से अधिक कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रिटायर्ड नर्सिंग अधिकारी के घर से 10 लाख के आभूषण चोरी

भरतपुर, 14 जून (एजेंसियां)। शहर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र स्थित पूस वाटिका कॉलोनी में उस वक्त हड़कंप मच गया जब रिटायर्ड नर्सिंग अधिकारी रतन शर्मा के घर से अज्ञात चोरों ने करीब 10 लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। रतन शर्मा 8 जून को हरिद्वार दवाइयां लेने गई थीं, और शनिवार को जब वे भरतपुर लौटीं तो देखा कि घर के ताले टूटे हुए हैं और सारा सामान बिखरा पड़ा है।

रतन शर्मा के बेटे विनोद शर्मा ने बताया कि उनकी मां कॉलोनी के मकान नंबर 127, विमल कुंज में अकेली रहती हैं। शनिवार सुबह जब वह हरिद्वार से लौटीं तो मेन गेट पर ताला लगा मिला, लेकिन अंदर का दरवाजा खुला हुआ था और उसके ताले टूटे हुए थे। घर के अंदर का नज़ारा देख वह स्तब्ध रह गईं – अलमारी खुली हुई थी और जेवरात नदारद थे।

चोरी की सूचना तत्काल मथुरा गेट थाने को दी गई। सूचना पर सारस चौकी प्रभारी एएसआई राधाकृष्ण मौके पर पहुंचे और एफएसएल टीम व डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया। सिटी सीओ सतीश यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। रतन शर्मा के छोटे बेटे दीपक शर्मा ने बताया कि चोरी के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। परिवार की ओर से पुलिस को जानकारी दे दी गई है, हालांकि अब तक कोई औपचारिक एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है।पुलिस अब आस–पड़ोस के सीसीटीवी फुटेज खंगालने की तैयारी में है और दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।स्थानीय लोगों में भय का माहौलघटना के बाद कॉलोनीवासियों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं और गश्त बढ़ाने की मांग की जा रही है।

पुलिस की अपीलथाना मथुरा गेट पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। साथ ही, घर छोड़ते समय सीसीटीवी व सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दें।

श्रीगंगानगर में 21 को उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

श्रीगंगानगर, 14 जून (एजेंसियां)। 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस जिले में 21 जून 2025 को उल्लासपूर्वक आयोजित किया जायेगा। मुख्यमंत्री के दिशा–निर्देशों के अनुसार प्रदेश में धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर भी योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रीगंगानगर जिले की समस्त 344 ग्राम पंचायतों के साथ सभी उपखण्ड मुख्यालयों पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम हिन्दुमलकोट अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल के ग्राउंड में सुबह आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी विभागों के कर्मचारियों व अधिकारियों की उपस्थिति व संबंधित विभाग का कार्य निश्चित कर आदेश जारी किए गए हैं। जिला मुख्यालय से अधिक से अधिक लोगों से मुख्य कार्यक्रम में पहुँचने की अपील की गई है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि आयुष मन्त्रालय भारत सरकार के योग संगम पोर्टल के साथ ही राज्य सरकार के आयुष विभाग ने योग पोर्टल विकसित किया है। इस पर सभी ग्राम पंचायत से जिला स्तर के नोडल अधिकारी अपने योग स्थल का ऑनलाइन पंजीयन कर योग दिवस पर अभ्यासियों की संख्या व फोटो अपलोड करेंगे। राज्य सरकार का प्रयास है कि एक साथ योग करवाने का अन्तर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया जा सकें। इसके लिये सभी नोडल अधिकारियों को पंजीयन करवाने के निर्देश दिये गए हैं।

जिले के रायसिंहनगर में गुरुद्वारा बुढ़ाजोहड़, श्रीकरणपुर में नग्गी बॉर्डर, पदमपुर में चानणा धाम हनुमान मंदिर व सूरतगढ़ में खेजड़ी मंदिर पर ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। अनूपगढ़ के पब्लिक पार्क, घड़साना के करणी माता मंदिर, श्रीविजयनगर के गांधी पार्क व सादुलशहर के व्यापार मंडल में योगाभ्यास का उपखण्ड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिले में आयोजित योग दिवस के समस्त कार्यक्रमों का नोडल अधिकारी आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजकुमार पारीक को नियुक्त किया गया है।

उपनिदेशक पारीक ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित सभी चिकित्सालय, औषधालय एवं आयुष्मान् आरोग्य मंदिरों में योग दिवस आयोजित किया जाएगा। विभाग के सभी नोडल अधिकारियों का पंजीयन करवाया जा चुका है।

शिक्षकों की फिर होगी छंटनी! सरकार ने लिया यू–टर्न

चंडीगढ़, 14 जून (एजेंसियां)। कभी युवाओं को सपने दिखाने वाले आज खुद अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में अनुबंध पर तैनात टीजीटी, पीटीआई और कला अध्यापकों को हाल ही में राहत की उम्मीद थी, लेकिन अब उन्हें फिर निराशा का घूंट पीना पड़ रहा है।

एक अप्रैल को जब 679 टीजीटी अध्यापकों को नौकरी से निकाल कर सरप्लस करार दिया गया तो पूरे प्रदेश में निराशा और निराशा का माहौल था। 28 अप्रैल को सरकार ने आदेश पलटते हुए सभी को फिर से समायोजित करने और अनुबंध एक साल बढ़ाने के निर्देश दिए। हालात सुधरते नजर आए। लेकिन, अब शिक्षा विभाग ने उस समर्थन को ठुकरा दिया है। मौलिक शिक्षा महानिदेशालय ने साफ निर्देश दिए हैं। 30 जून के बाद अतिरिक्त अध्यापकों की सेवाएं समाप्त मानी जाएंगी। इसका मतलब यह है कि स्कूलों के दरवाजे तो खुले रहेंगे... लेकिन ये अध्यापक नहीं होंगे।

इनमें से कई शिक्षक एक ही स्कूल में 4-5 साल तक रहने के बाद समुदाय की उम्मीद बन गए थे और छात्रों के साथ उनका जुड़ाव हो गया था। अब अचानक उन्हें कहना पड़ रहा है: मैं अब आपका शिक्षक नहीं हूं। एक ऐसे युवा के बारे में सोचें जो अपने सबसे अच्छे कला शिक्षक से प्यार करता है। एक माँ के बारे में सोचें जो घर के खर्चों को पूरा करने के लिए इस नौकरी पर निर्भर थी।

हरियाणा में भाजपा राज नहीं, बल्कि गुंडा राज चल रहा है : हुड्डा

चंडीगढ़, 14 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में भाजपा'राज' नहीं, बल्कि गुंडा'राज' चल रहा है। यही वजह है कि गुंडे–बदमाश बेखौफ होकर वारदातों का अंजाम दे रहे हैं और आम जनता डर के साए में जीने को मजबूर है। जिस बीजेपी को जनता ने सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है, वह खुद सत्ता की मदमस्त नींद में सो रही है और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर अपराध को संरक्षण दे रही है। रोहतक में बदमाशों ने शराब के ठेके पर की फायरिंग, इंस्टाग्राम पर डाला वीडियो। हांसी में व्यापारी से मांगी 50 लाख की फिरौती। टोल प्लाजा पर फायरिंग, खाद की दुकान पर भी गोलियां चलाई। फैक्ट्री मालिक से मांगी 50 लाख की फिरौती। कुरुक्षेत्र में शराब ठेकेदार की गोलियां मारकर हत्या। पिंजौर में धमकी देकर 2 दिन बाद कर दी हत्या।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि ये पिछले कुछ दिनों में छपी अखबारों की सुर्खियां है। रोज अखबार ऐसी खबरों से भरे मिलते हैं। लेकिन बीजेपी सरकार को यह सब दिखाई नहीं दे रहा। क्योंकि कानून व्यवस्था व जनता की सुरक्षा कभी भी बीजेपी की प्राथमिकता नहीं रही। यही वजह है कि जब भी भाजपा सत्ता में आती है, प्रदेश में गुंडाराज स्थापित हो जाता है। इससे पहले जब साल 2000 से 2005 तक बीजेपी और इनेलो की सरकार थी, तब हरियाणा में ऐसी ही गुंडागर्दी और माफियाराज था। आए दिन गोलीबारी, फिरौती और डकैती की वारदातें होती थीं। एक बार फिर हरियाणा में वही सब हो रहा है। इस सरकार ने हरियाणा को माफिया राज और गैंगवॉर में धकेल दिया है।

हुड्डा ने कहा कि खुद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सामाजिक प्रगति सूचकांक (डझख) रिपोर्ट में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया गया है। एन–सीआरबी की रिपोर्ट भी चीख–चीखकर यही गवाही देती है। 2022 में एक साल के भीतर प्रदेश में 1020 हत्याएं यानी रोज 3 हत्याएं हुई। 2022 के दौरान ही हरियाणा में 1786 रेप की वारदातें हुईं यानी रोज 4-5 रेप हुए।

पंचायत चुनाव घोषित : पंचायत आम चुनाव और रिक्त सीटों के उप चुनाव आज

पंचकूला, 14 जून (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने चरखी दादरी और झज्जर जिलों में ग्राम पंचायतों के आम चुनाव और राज्य भर में पंचायत समिति व जिला परिषद सदस्यों के उप चुनावों की घोषणा कर दी है। हरियाणा के राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि ये चुनाव आज यानी 15 जून, 2025 को आयोजित किए जाएंगे। चरखी दादरी जिले के बाढड़ा ब्लॉक में बाढडा और हंसावास खुर्द ग्राम पंचायतों के पंचों और सरपंचों के लिए आम चुनाव होंगे। इसी तरह, जिला झज्जर के बादली ब्लॉक में बादली, मोहम्मदपुर माजरा और फैजाबाद ग्राम पंचायतों में भी पंचों और सरपंचों के आम चुनाव निर्धारित हैं।

राज्य में विभिन्न कारणों जैसे मृत्यु, त्यागपत्र, बर्खास्तगी या अन्य कारणों से रिक्त हुई ग्राम पंचायतों के पंचों और सरपंचों, पंचायत समितियों के सदस्यों और जिला परिषदों के सदस्यों की सीटों पर उप चुनाव भी इसी दिन होंगे। पहले पंचों की 829 सीटों, सरपंचों की 81 सीटों, पंचायत समिति सदस्यों की 17 सीटों और जिला परिषद सदस्य की 1 सीट पर उप चुनाव होने थे। हालांकि, बड़ी संख्या में सीटें निर्विरोध भर दी गई हैं। अब 56 पंचों, 61 सरपंचों, पंचायत समिति के 8 सदस्यों और जिला परिषद के 1 सदस्य के लिए उप चुनाव होंगे।

धनपत सिंह ने बताया कि इन चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई हैं। मतदान केंद्रों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने मतदाताओं से इन चुनावों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है।

पटना के जीरोमाइल-मसौढ़ी रोड का जायजा लेने पहुंचे सीएम नीतीश कुमार

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर-महुली फोरलेन एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन मीठापुर-महुली एलिवेटेड पथ का मीठापुर फ्लाईओवर गोलंबर और परसा बाजार में स्थल निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा इस पथ का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। न्यू बाइपास एवं आसपास में लगनेवाले जाम से राहगीरों को मुक्ति मिलेगी तथा इससे समय की भी बचत होगी।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन जीरोमाइल मसौढ़ी पथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने जीरोमाइल मसौढ़ी पथ के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जीरोमाइल-मसौढ़ी पथ का निर्माण तेजी से सुनिश्चित कराया जाये ताकि लोगों को इसका फायदा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने पाटलीपुत्र बस टर्मिनल का भी जायजा लिया। जायजा के क्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पाटलीपुत्र बस टर्मिनल पर यात्री सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त डॉ. चंद्रशेखर सिंह, बिहार राज्य पथ विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) के प्रबंध निदेशक अनिमेष पराशर, जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

लालू प्रसाद ने बाबा साहेब का अपमान किया : सम्राट चौधरी

पटना (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद पर बड़ा आरोप लगाया है। कहा है कि लालू प्रसाद ने जान बूझकर बाबा साहेब का अपमान किया। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने दावा किया कि लालू प्रसाद के पैरों के पास दलित आइकन का एक चित्र रखा गया था। इतना ही नहीं सम्राट चौधरी ने एक वीडियो भी शेयर किया। यह वीडियो लालू प्रसाद के जन्मदिन के मौके का था।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने वीडियो शेयर करते हुए कहा कि लालू प्रसा एक सोफे पर बैठे हुए देखा जा सकता है, जबकि उनके पैरों के पास एक अन्य सोफा रखा है। एक समर्थक कमरे में प्रवेश करता है और चित्र को प्रसाद के पैरों के पास रखता है, फिर राजद

प्रमुख का अभिवादन करता है। उपमुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि राजद सुप्रीमो का अहंकार पुराने सहयोगियों जैसे नीतीश कुमार और जॉर्ज फर्नांडिस के बीच मतभेद पैदा कर चुका है और कमजोर वर्गों के मतदाताओं को परायापन का अनुभव कराया है। इधर, इस मामले में भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार में मंत्री जनक राम और राज्य इकाई की उपाध्यक्ष अनामिका पासवान ने भी राजद सुप्रीमो पर हमला बोला। जनक राम ने कहा कि बिहार के 14 करोड़ लोग शर्म महसूस कर रहे हैं और राजद सुप्रीमो के पूरे परिवार को माफी मांगनी चाहिए। नेता ने तलवार से केक काटा, जो यह दर्शाता है कि उनकी पार्टी बाहुबल के जोड़ पर वापस आना चाहती है, जिसे एनडीए ने समाप्त कर दिया था। वहीं अनामिका पासवान ने कहा कि लालू प्रसाद ने चित्र को अपने पैरों के पास रखने के बाद उसे हाथ में उठाने का कोई प्रयास नहीं किया। पहले भी राजद कार्यालय में बाबासाहेब के चित्र को कूड़ेदान में पाए जाने की घटना सामने आई थी। यह राजद सुप्रीमो के दावे की पोल खोलता है कि वह दलितों के शुभचिंतक हैं।

अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़ : नालंदा के चिकसौरा में पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई, एक गिरफ्तार

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के चिकसौरा इलाके में शुक्रवार की रात पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार बनाने वाली मिनी फैक्ट्री का खुलासा किया है। इस छापेमारी में चिकसौरा बाजार निवासी शंकर विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया है। शंकर, स्वर्गीय राजू विश्वकर्मा का पुत्र है, और अपने ही घर में अवैध हथियारों का निर्माण कर रहा था।

शनिवार को डीएसपी रंजन कुमार ने अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर में अवैध हथियार बना रहा है। इसके बाद हिलसा सर्किल इंस्पेक्टर और चिकसौरा थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई।

पुलिस ने आरोपी के घर से अर्धनिर्मित हथियारों के अलावा निर्माण में प्रयुक्त मशीन और औजारों की भी भारी खेप जब्त की है। पुलिस ने 4 पीस

अर्धनिर्मित देसी पिस्तौल बॉडी, 4 पीस अर्धनिर्मित बैरल, 1 देसी कट्टा (लोहे व लकड़ी से बना), 1 देसी पिस्तौल, 1 कारतूस और 1 मिसफायर खोखा बरामद किया। इसके आलावा पुलिस ने 11 पीस विभिन्न आकार की रेती, 3 पीस ट्रिगर व ट्रिगर गार्ड, 2 लोहे की ड्रिल मशीन, 1 ग्राइंडर मशीन, 3 लोहा काटने की आरी और रिंच, हैंड ग्रिप सहित अन्य औजार भी बरामद किए हैं।

इस छापेमारी में हिलसा सर्किल इंस्पेक्टर चंद्रभानु, चिकसौरा थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार, और पुलिसकर्मी सुबोध राणा, विजय कुमार, दिलीप कुमार, राजकुमार, मनोज कुमार समेत चिकसौरा थाने की सशस्त्र टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस अब इस अवैध फैक्ट्री के नेटवर्क और आपूर्ति चैन की जांच में जुट गई है। शुरुआती जांच में इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की संलिप्तता की भी आशंका जताई जा रही है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है और अन्य ठिकानों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है।

पटना में महिला की पीट-पीटकर हत्या, विरोध में सड़क पर बवाल

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के दुल्हिनबाजार थानाक्षेत्र के झबुचक गांव में एक महिला की पुलिस की पिटाई से मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान सतेंद्र बिंद की पत्नी राधिका देवी के रूप में हुई है। मौत के बाद लोगों ने पालीगंज मसौढ़ी रोड को इचीपुर के पास शव रखकर आगजनी कर जाम कर दिया।जाम की सूचना मिलने के बाद पालीगंज अनुमंडल के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने-बुझाने में जुट गई।

इधर, परिजनों का आरोप है कि दुल्हिनबाजार थाना की पुलिस द्वारा पीट-पीटकर महिला की हत्या की गई है। मृत महिला की बहू जीरा कुमारी ने बताया कि रात को लगभग एक से दो बजे के

आसपास जब हमलोग घर में सोए हुए थे। तभी दुल्हिनबाजार थाने की पुलिस अपहरण के मामले में घर पर आई थी। वो भी दूसरे के घर के छत से होते हुए हमारे घर में छत से सीढ़ी के द्वारा नीचे आई। नीचे आते ही पुलिस हमको और हमारी सासु मां को मारने लगी और धक्का दे दी जिसके बाद वह बेहोश हो गई। जब हम लोग उनको उठाने की कोशिश किए तो वह नहीं उठी। तभी एक महिला पुलिसकर्मी के द्वारा बताया गया कि प्यास और पानी दो तो उठ जाएगी। उसके बाद सभी पुलिसकर्मी निकल गए और मैंने अपनी सास को देखा तो उनकी मौत हो चुकी थी। इसलिए हम लोगों को सरकार से न्याय चाहिए निर्दोष लोग की हत्या पुलिस द्वारा की गई है।

चार दिन पूर्व दुल्हिनबाजार थानाक्षेत्र के झबुचक गांव निवासी पूनम देवी ने अपनी बेटी के अपहरण को लेकर थाने में प्राथमिकी के लिए आवेदन दी थी। लेकिन, पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और मामला दर्ज नहीं किया। जिसके बाद पीड़ित महिला डीजीपी के पास पहुंची और पूरी जानकारी डीजीपी विनय कुमार को जनता दरबार में दी। डीजीपी ने पदाधिकारियों को तत्काल जांच के आदेश दिए।

पटना एसएसपी ने पालीगंज डीएसपी दो के नेतृत्व में जांच कराई जिसमें मामला सही पाया गया और लापरवाही भी सामने आई। इसके बाद पटना एसएसपी ने दुल्हिनबाजार थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया। उसके बाद मामला दर्ज हुआ और पुलिस आरोपी की तलाश में शुक्रवार की रात को मृतक महिला के घर पर गई थी। इसी दौरान नोंकझोंक व मारपीट हुई जिसमें महिला की मौत की बात सामने आई है।

इधर घटना को लेकर पालीगंज डीएसपी 2 उमेश्वर कुमार चौधरी ने बताया कि शुक्रवार देर रात दुल्हिनबाजार की थाने में एक लड़की का अपहरण के मामले पूनम देवी के द्वारा दर्ज करवाया गया था।

उसी में मृतक महिला के दोनों पुत्र नामजद थे। इसके बाद पुलिस आरोपी के घर पर अभियुक्तों को पकड़ने गई थी। इसी दौरान परिवार के लोगों के साथ पुलिस की नोंक झोंक हुई थी। हालांकि महिला की मौत कैसे हुई है अभी तक स्पष्ट है नहीं हो सका है। फिलहाल इसके लिए मेडिकल टीम का गठन किया गया है और मेडिकल टीम के गठन के सहायता से महिला का पोस्टमार्टम होगा।

बिहार में महिला संग भाजपा नेता का आपत्तिजनक वीडियो वायरल

सुपौल (एजेंसियां)।

इंदौर हाईवे कांड को लेकर चर्चा अभी पूरी तरह थमी भी नहीं है और इस बीच बिहार के सुपौल जिले से एक भाजपा नेता का वीडियो सामने आया है। मामला सुपौल जिले के सरायगढ़-भपटियाही प्रखंड क्षेत्र का है। जहां भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्य नारायण शर्मा का तीन वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सत्य नारायण शर्मा आपत्तिजनक हालत में एक महिला के साथ दिख रहे हैं। दावा है कि वायरल वीडियो गुरुवार का है। वीडियो में एक महिला भी आपत्तिजनक हालत में दिख रही है। वही वीडियो में सत्य नारायण और उनके साथ कमरे में मौजूद महिला द्वारा लोगों को बार-बार पुलिस बुलाने की धमकी दी जा रही है।

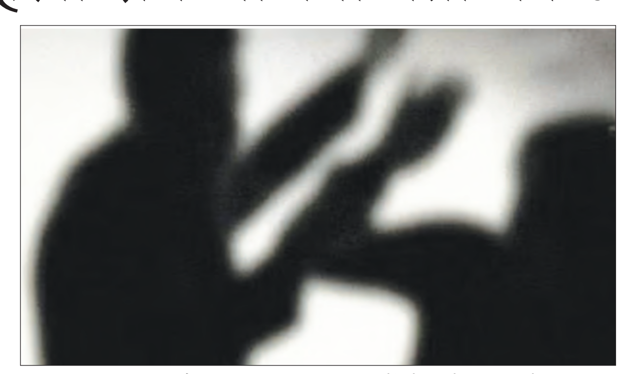

बताया जा रहा है कि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा पूर्व जिलाध्यक्ष सत्य नारायण शर्मा जिले के सरायगढ़-भपटियाही प्रखंड अंतर्गत पिपराखुर्द पंचायत के वार्ड 03 के निवासी हैं। वह वर्ष 2001 से 2006 तक पंचायत के मुखिया भी रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि सत्य नारायण का गांव की ही एक महिला से अवैध संबंध है। अक्सर देर रात उसका महिला के घर आना-जाना होता है। कई बार ग्रामीणों ने उसे समझाने का भी प्रयास किया। लेकिन वह नहीं माने। आखिरकार, ताक लगाए कुछ युवकों ने गुरुवार की रात सत्य नारायण को महिला के घर रंगे हाथों पकड़ लिया। वही इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वही इसको लेकर लोगों की तरह-तरह की प्रतिक्रिया भी सामने आ रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार सत्य नारायण के इस आचरण को लेकर हमलोगों ने आपत्ति जताई।

लेकिन बार-बार रोक-टोक के बावजूद जब कोई सुधार नहीं हुआ तो वीडियो बना कर इसे सार्वजनिक करने का निर्णय लिया गया। हालांकि कुल दो मिनट 41 सेकेंड के वायरल तीनो वीडियो में सत्य नारायण दावा कर रहे हैं कि वह किसी काम से महिला के पास गए थे। वही वायरल वीडियो के बाबत सत्य नारायण शर्मा से कई बार संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन, उनका मोबाइल लगातार बंद आ रहा है।

इधर, वायरल वीडियो के बाबत जब भाजपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र ऋषिदेव से संपर्क किया गया तो उन्होंने सत्य नारायण को पहचान से ही इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि न्यूनतम दो साल पूर्व सत्य नारायण पार्टी में पदाधिकारी थे।

बीते लोकसभा चुनाव में भी वह राजद उम्मीदवार के साथ देखे गए। जिलाध्यक्ष के अनुसार, सत्य नारायण अब राजद समर्थित मानसिकता के हो गए हैं। अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष के रूप में दिनेश राम अपना दूसरा कार्यकाल निभा रहे हैं। सत्य नारायण भाजपा में किसी सक्रिय भूमिका में नहीं हैं।

इधर, राजद के वरिष्ठ नेता चंद्रहास चौपाल ने भाजपा जिलाध्यक्ष के दावों को सिरे से खारिज किया है। उनका दावा है कि सत्य नारायण शर्मा ही भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष हैं। केवल लोगों को भरमाने के लिए गलत जानकारी दी जा रही है। विधायक के अनुसार उनका सत्य नारायण शर्मा का उनसे कोई लेना-देना नहीं है।

अपराधियों की अब खैर नहीं!

पटना पुलिस का ऑपरेशन लंगड़ा शुरू, दो थाना क्षेत्रों में मुठभेड़

पटना (एजेंसियां)।

पटना पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसने के लिए ऑपरेशन लंगड़ा अभियान चलाया है, जिसके तहत दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों मामलों में अपराधियों के पैरों में गोली लगी है और उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दानापुर थाना क्षेत्र में हुई पहली घटना में पुलिस को एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। इस मामले में नामजद आरोपी विवेक कुमार को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही थी। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस उसे घटना में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर लेकर गई, तभी आरोपी ने छुपा कर रखे गए उसी हथियार से पुलिस पर 2 3 राउंड फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में संयम बरतते हुए पुलिस ने आरोपी के पैर में गोली मारी, जिससे वह घायल हो गया। उसका इलाज निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। मामले में अलग से एफआईआर दर्ज कर जांच जारी है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से फॉरेंसिक साक्ष्य भी

एकत्र किए हैं।

खुसरुपुर थाना क्षेत्र में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में हत्या के प्रयास, लूट और आर्म्स एक्ट से जुड़े करीब 18 मामलों में वांछित अपराधी अंगेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद उसे घटनाओं में प्रयुक्त हथियारों और लूट के सामान की बरामदगी के लिए विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया। इसी दौरान अंगेश ने एक जगह से छुपाकर रखे गए हथियार से पुलिस पर फायरिंग कर दी और कस्टडी से भागने की कोशिश की। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ फायरिंग की, जिससे उसके पैर में गोली लगी। आरोपी को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इस मामले में भी एफआईआर दर्ज की गई है और एफएसएल टीम द्वारा साक्ष्य संकलन किया गया है।

पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने दोनों घटनाओं की पुष्टि करते हुए कहा कि अपराधियों को अब स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को कड़ी सजा और जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ड्रगोलियों की जवाब अब गोलियों से मिलेगा।

किसान की धारदार हथियार से हत्या, इलाके में दहशत

पटना (एजेंसियां)।

बक्सर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के खरगपुरा गांव में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के 55 वर्षीय किसान विमलेश्वर तिवारी की हत्या की खबर मिली। वे रात में अपने दरवाजे पर सोए हुए थे, लेकिन सुबह उनका शव घर के सीढ़ी वाले कमरे के बगल में खून से लथपथ पड़ा मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी विमलेश्वर तिवारी, पिता स्व. राजकिशोर तिवारी के रूप में हुई है।

गांव की कुछ महिलाओं के अनुसार, तड़के लगभग 4 बजे विमलेश्वर तिवारी को दरवाजे के पास नल से पानी पीते हुए देखा गया था। इसके बाद वे घर के अंदर चले गए, लेकिन उसके कुछ ही देर बाद उनकी हत्या कैसे हुई- यह रहस्य बना हुआ है।

राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह के अनुसार, मृतक के सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया है। जहां शव मिला, वहां काफी मात्रा में खून फैला था। साथ ही दीवार पर भी ऊंचाई पर खून के धब्बे पाए गए हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि हमलावर के साथ हाथापाई भी हुई होगी।

स्थानीय लोग आशंका जता रहे हैं कि हमला करने वाला कोई जान-पहचान वाला हो सकता है, क्योंकि हत्या घर के अंदर की गई है। फिलहाल पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक न तो हत्या का कारण स्पष्ट हो सका है और न ही किसी संदिग्ध की पहचान हुई है।

घटना की सूचना पर एसडीपीओ धीरज कुमार, थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह और एसएफएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एसडीपीओ ने बताया कि हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट के बाद ही मौत की सही वजह सामने आ सकेगी। हत्या की खबर से गांव में दहशत और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और लोग चर्चा कर रहे हैं कि गांव में ऐसा जघन्य अपराध कैसे हो गया। सभी को पुलिस से जल्द से जल्द कार्रवाई की उम्मीद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com